सुविचार

हम उन लोगों से भी सीख सकते हैं, जिन लोगों से हम खुद को श्रेष्ठ समझते हैं।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Wednesday, 03 April 2024 ● Year : 02 ● Issue : 75 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com   E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Sara Ali Khan Keeps It Comfy In White Crop...

SHARE

सेंसेक्स	:	73,903.91
निफ्टी	:	22,453.30

SARAFA

सोना	:	6,495
चांदी	:	82.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

इफ्तार (बुधवार) : 06.10
सेहरी (गुरुवार) : 04.24

BRIEF NEWS

चित्रकूट में डंपर और ऑटो की टक्कर, 7 की मौत

CHITRAKOOT : चित्रकूट में मंगलवार सुबह ऑटो और डंपर में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में ऑटो सवार 7 की मौत हो गई, जबकि 1 की हालत गंभीर है। डंपर ड्राइवर मौके से फरार हो गया है। हादसा साढ़े 5 बजे कर्वी मुख?यालय से सटे अमानपुर गांव के पास हाईवे पर हुआ। दरअसल, ऑटो किसी गाड़ी को ओवरटेक कर रहा था, तभी सामने से आ रही डंपर से टकरा गया। दोनों की रफ्तार काफी तेज थी। हादसे के बाद ऑटो पिचक गया। कुछ लोग गाड़ी में फंस गए, तो कुछ छिटक कर हाईवे पर गिर गए। सभी खून से लथपथ थे मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने हाईवे पर पड़े लोगों को अस्पताल भेजा।

अयोध्या बनी दुनिया की धार्मिक राजधानी

LUKHNOW : अयोध्या दुनिया की धार्मिक राजधानी बन चुकी है। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से 10 मार्च तक यहां 1 करोड़ लोग पहुंचे। यानी औसतन 2 लाख लोग यहां रोज दर्शन कर रहे हैं। दुनिया में इतनी बड़ी संख्या में लोग किसी भी धर्म के धर्मस्थल पर नहीं पहुंच रहे। ईसाइयों के सबसे बड़े धार्मिक स्थल वेटिकन सिटी में सालभर में करीब 90 लाख लोग आते हैं। जबकि मुस्लिमों के पवित्र स्थल मक्का में पिछले साल 1.35 करोड़ लोग पहुंचे।

द्रमुक ने ईवीएम को लेकर खटखटाया मद्रास हाईकोर्ट का दरवाजा

CHENNAI : लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन के कई दल इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की जगह मतपत्रों से मतदान की मांग कर रहे हैं। इस बीच, तमिलनाडु में सत्ताधारी दल द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (द्रमुक) ने मद्रास उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। द्रमुक ने ईवीएम को लेकर रिट याचिका दायर की है। वहीं, जिला निर्वाचन अधिकारी और ग्रेटर चेन्नई निगम आयुक्त जे. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में सभी सियासी दलों की मौजूदगी में ईवीएम की पूरक रेंडमाइजेशन की गई। राधाकृष्णन ने बताया कि ग्रेटर चेन्नई निगम क्षेत्र के तहत तीन संसदीय क्षेत्र आते हैं। इस बार उम्मीदवारों की संख्या ज्यादा है।

रुद्रपुर में चुनावी सभा, पीएम ने 40 मिनट भाषण दिया

तीसरे टर्म में फ्री बिजली का टारगेट : पीएम मोदी

AGENCY RUDRAPUR : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उत्तराखंड के रुद्रपुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार तीसरे टर्म में फ्री बिजली देने की योजना बना रही है। हर घर में सोलर बिजली प्लांट लगाने की भी योजना है। उन्होंने कहा, सरकार की नीयत सही हो, तो नतीजे भी सही आते हैं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार के शहजादे ने ऐलान किया है कि अगर देश ने तीसरी बार मोदी सरकार को चुना, तो देश में आग लग जाएगी। 60 साल तक देश पर राज करने वाले 10 साल सत्ता से बाहर क्या रह गए, अब देश में आग लगाने की बात कर रहे हैं। ऐसे लोगों को चुन-चुनकर साफ कर दो, ऐसे लोगों को मैदान में मत रहने दो भाइयों। दिल्ली के रामलीला मैदान में 31 मार्च को इंडिया ब्लॉक की लोकतंत्र बचाओ महारैली हुई थी। इसमें राहुल गांधी ने कहा था- अगर भाजपा जीती और उन्होंने संविधान को बदला तो इस पूरे देश में आग लगने जा रही है, ये देश नहीं बचेगा। प्रधानमंत्री ने करीब 40 मिनट तक भाषण दिया। उन्होंने कहा, 'इमरजेंसी की मानसिकता वाली कांग्रेस का भरोसा अब लोकतंत्र पर नहीं बचा है, इसलिए अब वह जनादेश के खिलाफ लोगों को भड़काने में जुट गई है। कांग्रेस, भारत को अस्थिरता की तरफ ले जाना चाहती है, अराजकता में झोंकना चाहती हैं। कांग्रेस, तुष्टिकरण के दल-दल में ऐसा धंस गई है कि कभी देशहित का नहीं सोच सकती है।

- पीएम बोले- यही कांग्रेस है जो घुसपैठियों को बढ़ावा देती है
- मैं कहता हूं- भ्रष्टाचार हटाओ, वो कहते हैं- भ्रष्टाचारी बचाओ
- प्रधानमंत्री बोले- कांग्रेस का भरोसा अब लोकतंत्र पर नहीं बचा है

रुद्रपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

10 साल में जितना विकास हुआ, आज तक नहीं हुआ

पीएम ने कहा- मोदी ने भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाने की गारंटी दी है। तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत का मतलब है- लोगों की कमाई बढ़ेगी। नौकरी के अवसर बढ़ेंगे। गांव-शहर में सुविधा बढ़ेगी।हमें उत्तराखंड को विकसित बनाना है। केंद्र सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही। 10 साल में जितना विकास हुआ, आज तक नहीं हुआ। 12 लाख घरों को पानी कनेक्शन दिया। तीन लाख को स्वामित्व योजना का लाभ मिला।

राजस्थान मे भाजपा के चुनावी अभियान का शंखनाद, गरजे प्रधानमंत्री

राम मंदिर पर कांग्रेस ने देश को डराकर रखा भव्य मंदिर बना, दीपक जले, आग नहीं लगी

JAIPUR : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राजस्थान मे भाजपा के चुनावी अभियान की शुरूआत की। जयपुर के पास कोटपूतली में मोदी ने कहा कि यह पहला चुनाव है जब भ्रष्टाचारी मिलकर भ्रष्टाचार पर हो रही कार्रवाई रोकने के लिए रैली कर रहे हैं। मोदी ने कहा- वो कहते हैं कि मेरा परिवार नहीं है, इसलिए मुझे भ्रष्टाचार की जरूरत नहीं है। उनका परिवार है तो क्या भ्रष्टाचार करने का लाइसेंस मिल जाता है क्या? मोदी ने कहा कि बहुत कुछ हुआ होगा, लेकिन दस साल में जो हुआ, वो सिर्फ ट्रेलर है। भाजपा सरकार का तीसरा कार्यकाल ऐतिहासिक निर्णयों वाला होने वाला है। कांग्रेस ने देश को डराकर रखा कि राम मंदिर का नाम लिया तो देश जल जाएगा, आग लग जाएगी। भव्य राम मंदिर बना। दीपक जले और कहीं आग भी नहीं लगी। इस सभा के जरिए वे जयपुर ग्रामीण सहित इससे सटी दो अन्य लोकसभा सीट सीकर और अलवर को भी साधने की कोशिश की। इस लोकसभा चुनाव में राजस्थान में मोदी की पहली सभा थी।

मिशन 2024 : कांग्रेस की 11वीं लिस्ट, 17 कैंडिडेट्स के नाम

आंध्र प्रदेश के सीएम जगन मोहन की बहन शर्मिला रेड्डी को भी टिकट

AGENCY NEW DELHI : कांग्रेस ने मंगलवार को लोकसभा चुनाव के लिए 11वीं लिस्ट जारी की। इसमें 4 राज्यों के 17 कैंडिडेट के नाम हैं। इसमें आंध्र प्रदेश, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम शामिल है। कांग्रेस अब तक 231 प्रत्याशियों का ऐलान कर चुकी है। आंध्र प्रदेश की कड़पा लोकसभा सीट से कांग्रेस ने आंध्र सीएम जगन मोहन की बहन वाईएस शर्मिला रेड्डी को कडप्पा से टिकट दिया है। पार्टी की ओर से जारी उम्मीदवारों की 11वीं सूची में आंध्र प्रदेश से पांच, बिहार से तीन, ओडिशा से आठ और पश्चिम बंगाल से एक उम्मीदवार का नाम शामिल है। पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री पल्लम राजू को आंध्र प्रदेश की काकीनाड़ा लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। शर्मिला रेड्डी को आंध्र प्रदेश के कडप्पा से उम्मीदवार बनाया गया है। ओडिशा के कोरापुट से वर्तमान सांसद सप्तगिरि उलाका को फिर से उम्मीदवार बनाया गया है।

- आंध्र प्रदेश से पांच, बिहार से तीन, ओडिशा से आठ और पश्चिम बंगाल से एक उम्मीदवार
- किशनगंज सीट से मौजूदा सांसद मोहम्मद जावेद को टिकट

शर्मिला रेड्डी

कांग्रेस ने बिहार की 3 सीटों पर उतारे उम्मीदवार

बिहार में लोकसभा चुनाव को लेकर लोजपा और भाकपा-माले के बाद अब कांग्रेस के भी 3 सीट पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा हुई। कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन में 9 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करनी है। वहीं अब केवल राजद द्वारा अपने उम्मीदवारों के नामों का एलान करना बाकी रह गया है। पहले चरण में जिन सीटों पर चुनाव है। उनमें कोई भी सीट कांग्रेस के पास नहीं है। जिसके चलते कांग्रेस ने दूसरे चरण के लिए तीन सीटों पर अपने कैंडिडेट्स के नाम का एलान कर दिया है। महागठबंधन में हुए सीट बंटवारे में कांग्रेस के खाते में 9 सीटें आईं थी। कांग्रेस ने 3 सीट पर उम्मीदवारों के नामों का एलान किया, जिसमें किशनगंज से मो। जावेद को टिकट मिला है। कटिहार से तारिक अनवर को मैदान में उतारा गया है, जबकि भागलपुर से अजीत शर्मा को पार्टी के द्वारा टिकट दिया गया है। मो. जावेद 2019 में जीतनेवाले इकलौते विपक्षी सांसद थे।

ओडिशा विस चुनाव : भाजपा की 112 प्रत्याशियों की सूची जारी

BHUBANESWAR : ओडिशा विधानसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा ने 112 विधानसभा सीटों के लिए प्रत्याशियों की सूची जारी की है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनमोहन सामल भद्रक जिले की चांदबाली विधानसभा सीट से एवं प्रतिपक्ष के नेता जयनारायण मिश्र संबलपुर विधानसभा सीट से चुनावी मैदान में उतरेंगे। पूर्व प्रतिपक्ष के नेता प्रदीप्त नाएक को फिर से भवानीपाटना विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया गया है। जारी सूची के अनुसार पद्मपुर से गोवर्धन भुए, बिजेपुर से सनत कुमार गरतिया, वरगढ से अश्विनी षडंगी, अताबिरा से निहार रंजन महानंद, भटली से इराशीष आचार्य, ब्रजराजनगर से सुरेश पुजारी व झारसुगुडा से टंकधर त्रिपाठी को प्रत्याशी बनाया गया है। बता दें कि ओडिशा विधानसभा की कुल 147 सीटें हैं।

कांग्रेस ने ओडिशा की 8 लोस व 49 विस सीटों पर उतारे उम्मीदवार

BHUBANESWAR : लोकसभा चुनाव 2024 के लिए कांग्रेस ने मंगलवार को प्रत्याशियों की सूची जारी की। इसमें ओडिशा की कुल 8 लोकसभा सीटें एवं 49 विधानसभा सीटों के लिए प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए हैं। पार्टी के एक मात्र सांसद सप्तगिरि उलाका को फिर से कोरापुट से टिकट दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शरत पटनायक नूआपडा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। लोकसभा प्रत्याशियों की सूची के अनुसार ओडिशा की बरगढ़ लोकसभा सीट से संजय भोई, सुंदरगढ़ से जनार्दन देहुरी, बलांगीर से मनोज मिश्र, कलाहांडी से द्रौपदी माझी, कंधमाल से अमिर चंद नायक, नवरंगपुर से भुजबल माझी, ब्रह्मपुर से रश्मिरंजन पट्टनायक व कोरापुट से सप्तगिरि उलाका को प्रत्याशी बनाया गया है।

दारोगा मीरा और सीओ शशिभूषण सिंह से सवाल

अलग-अलग मामलों में ईडी ने की पूछताछ

CRIME REPORTER RANCHI : दरोगा मीरा सिंह और सीओ शशिभूषण सिंह से ईडी ने पूछताछ की। मंगलवार को दोनों से ईडी ने कई घंटो तक अलग-अलग मामलों में पूछताछ की। धनबाद के गोविंदपुर सीओ शशि भूषण मंगलवार को सबसे पहले ईडी ऑफिस पहुंचे। उसके थोड़ी देर बाद दरोगा मीरा सिंह भी ईडी ऑफिस पहुंच गई। जरूरी कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बालू तस्करी, जमीन घोटाला से लेकर कई मामलों में एजेंसी के अधिकारी दोनों से पूछताछ की। ईडी ने दरोगा मीरा सिंह और सीओ शशिभूषण सिंह से कई सवाल किए। कई सवालों के जवाब मिले तो कई सवालों पर दरोगा मीरा सिंह और सीओ शशिभूषण सिंह फंसते नजर आएं।

सीओ शशिभूषण का कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद के पूरे परिवार से अच्छा संबंध रहा है। कई जमीनों पर कब्जे के लिए शशि भूषण ने अंबा प्रसाद और उनके पिता योगेंद्र प्रसाद की मदद की थी।

दरोगा मीरा सिंह

- सीओ शशिभूषण के साथ अंबा व योगेंद्र साव की मिलीभगत की जांच कर रही ईडी
- मीरा सिंह के मोबाइल और डायरी की जांच से खुलासा हुआ था कि रोजाना कई ट्रक बालू की होती थी तस्करी

मांडर में एसएसबी जवान की पत्नी को अपराधियों ने मारी गोली, मौत

RANCHI : जिले के मांडर थाना क्षेत्र में बाइक सवार दो अपराधियों ने एसएसबी के जवान की पत्नी के को गोली मार दी। घटना मंगलवार की शाम की है। जहां अपराधियों ने एसएसबी के जवान विजय भगत की पत्नी गीता भगत को गोली मार दी। आनन-फानन में महिला को रिम्स में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मामले की जांच में जुट गई हैं। महिला स्कूटी से मांडर के बूढ़ाखुखरा की तरफ से जा रही थी जानकारी के मुताबिक, महिला चान्हो थाना क्षेत्र की रहने वाली गीता भगत है। वह स्कूटी से मांडर के बुढ़ाखुखरा की तरफ से जा रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो अपराधियों ने महिला को पहले ओवरटेक कर रोका और फिर गीता को निशाना बनाते हुए फायरिंग कर दी। जानकारी के अनुसार, गीता के गर्दन के पास गोली लगी है। इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई है। गीता को गोली मारने के बाद दोनों अपराधी फरार हो गए। गोली की आवाज सुन कर आस-पास के लोग भागे-भागे आये।

दिल्ली शराब नीति केस में आप सांसद संजय सिंह को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

6 महीने से जेल में थे, कोर्ट में ईडी ने बेल का नहीं किया विरोध

AGENCY NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को जमानत दे दी। मनी लॉन्ड्रिंग केस में संजय सिंह को पिछले साल 4 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था। संजय सिंह के वकील ने कहा कि वे केस में अपने रोल से जुड़ा कोई बयान नहीं देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान ईडी से सवाल किया था कि क्या संजय सिंह को और ज्यादा दिन जेल में रखे जाने की जरूरत है। कोर्ट ने यह भी कहा कि हमें यह भी देखना होगा कि गवाहों के सामने उनके बयान हुए। 6 महीने तक वे जेल में रहे। ईडी ने अदालत से कहा कि हमें कोई ऐतराज नहीं है। इसके बाद अदालत ने संजय सिंह को जमानत देने का फैसला सुनाया।

- जनवरी में ईडी ने अपनी चार्जशीट में संजय सिंह का नाम जोड़ा था
- संजय सिंह ने दावा किया कि ईडी ने उनका नाम गलती से जोड़ दिया
- ईडी की चार्जशीट में संजय सिंह पर 82 लाख रुपए का चंदा लेने का जिक्र

आतिशी का आरोप, आप के और चार नेता होंगे गिरफ्तार

NEW DELHI : दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद से आम आदमी पार्टी (आप) लगातार हमलावर है। पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं मंत्री आतिशी ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस करके कहा कि मेरे करीबी के माध्यम से मुझतक एक मैसेज भेजा गया था और बीजेपी में शामिल होने का ऑफर दिया गया था। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने दावा किया है कि हमारी पार्टी के कुछ और नेताओं को गिरफ्तार किया जा सकता है। हम किसी भी धमकी से डरने वाले नहीं हैं। आतिशी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के और चार नेता गिरफ्तार होंगे और मैं भी जेल जाऊंगी। उन्होंने दावा किया कि उनके एक करीबी व्यक्ति ने कहा था कि उन्हें बीजेपी में शामिल हो जाना चाहिए या एक महीने के अंदर जांच एजेंसी ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के लिए तैयार रहना चाहिए। हमारी पार्टी की सीनीयर लीडरशिप हिरासत में है। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ दिलों में मेरे निजी आवास पर ईडी की छापेमारी होगी।

अगले हफ्ते 2 से 5 डिग्री तापमान बढ़ सकता है, एमपी-महाराष्ट्र समेत 6 राज्य ज्यादा तपेंगे

इस साल ज्यादा गर्मी का अनुमान, 20 दिन लू चलेगी

AGENCY NEW DELHI : जब किसी मैदानी क्षेत्र में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और पहाड़ी क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस पहुंच जाता है तो इसे हीटवेव की स्थिति कहा जाता है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने इस साल ज्यादा गर्मी का अनुमान लगाया है। अप्रैल से जून के बीच तीन महीने तापमान ज्यादा रहेगा। वहीं इस बार 20 दिनों तक लू की संभावना जताई गई, जो अमूमन 8 दिनों तक रहती है। आईएमडी के मुताबिक, अगले तीन महीनों में देश के छह राज्यों मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में गर्मी का ज्यादा असर रहेगा। अगले हफ्ते तापमान 2 से 5 डिग्री तक बढ़ सकता है। अप्रैल-जून के दौरान भारत के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा रहने की संभावना है। मैदानी इलाकों के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक लू चलेगी। आईएमडी ने सोमवार को कहा कि तापमान में बढ़ोत्तरी से गेहूं की तैयार फसल पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। आईएमडी डायरेक्टर जनरल मृत्युंजय मोहपात्रा ने कहा, मध्य प्रदेश में इस समय तापमान 37-40 डिग्री सेल्सियस के आसपास है और अगले सप्ताह 42 डिग्री तक जाने की संभावना है। चूंकि राज्य में गेहूं की कटाई का 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है, इसलिए कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

झारखंड में 5 अप्रैल तक हीट वेव चलने की संभावना

RANCHI : झारखंड में गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। आलम ये है कि दिन के नौ बजे के बाद लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। वहीं, मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से दो अप्रैल को पूरे राज्य के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। जहां पाकुड़, गोड्डा, पश्चिमी सिंहभूम, साहेबगंज और जमशेदपुर का तापमान 40 के पार पहुंच चुका है। वहीं, रांची का तापमान भी 35 के पार पहुंच चुका है। मौसम विज्ञान के अनुसार ऐसा पहली बार हुआ कि अप्रैल माह में इतनी गर्मी पड़ रही है। राज्य में अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले दो दिनों में इसमें धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने की संभावना है। यह स्थिति राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में 5 अप्रैल तक रहेगी, इसके बाद 6 और 7 अप्रैल को कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है।

बिहार, झारखंड सहित पांच राज्यों में बदले गए डीएम और एसपी

RANCHI : चुनाव आयोग की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ बैठक के दौरान आयोग ने नियमित समीक्षा के तहत ये निर्णय लिया। स्थानांतरित किए गए सभी अधिकारियों को तत्काल अपने कनिष्ठ अधिकारी को प्रभार सौंपने के लिए कहा गया है। आयोग ने साथ ही कहा कि जिन अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है, उन्हें लोकसभा चुनावों के पूरा होने तक कोई चुनाव ड्यूटी नहीं दी जाएगी। संबंधित राज्य सरकारों को निर्देश दिया गया है कि वे भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों के नामों का एक पैनल आयोग को भेजें और स्थानांतरित किए गए अधिकारियों के स्थान पर शॉर्टलिस्ट किए गए लोगों को नियुक्त किया जाएगा।

दिल्ली में कांग्रेस सीईसी की बैठक आज

कांग्रेस 3-4 अप्रैल को करेगी लोस उम्मीदवारों की घोषणा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के लोकसभा उम्मीदवारों को लेकर दिल्ली में कांग्रेस सेंट्रल इलेक्शन कमेटी (सीईसी) की बैठक 3 अप्रैल को होनी है। जिसके बाद कांग्रेस और राज्य में इंडी गठबंधन के साथ चुनाव लड़ रहे दलों के उम्मीदवारों की लिस्ट जारी होने की संभावना है। मिल रही जानकारी के मुताबिक राज्य में कांग्रेस सात लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जिनमें से अब तक सिर्फ तीन सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा हो पायी है। कांग्रेस के हिस्से की बची सीटों पर पार्टी सेंट्रल इलेक्शन कमेटी (सीईसी) की बैठक खत्म होने के बाद या अगले दिन सुबह उम्मीदवारों की सूची जारी कर सकती है। जिसके बाद पूरी तरीके से कांग्रेस राज्य के चुनावी मैदान में उतर जायेगी। कांग्रेस सीईसी की 28 मार्च को हुई बैठक के बाद पार्टी ने तीन उम्मीदवारों की घोषणा कर दी थी। जिसमें लोहरदगा से सुखदेव भगत, खूंटी से कालीचरण मुंडा और हजारीबाग से जयप्रकाश पटेल को पार्टी ने लोकसभा का उम्मीदवार बनाया।

BRIEF NEWS

अगलगी से पीड़ित परिवार से मिले विधायक, दी सांत्वना

PALAMU : पांकी विधायक डॉ। शशिभूषण मेहता अगलगी से पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और सांत्वना दी। विधायक ने पांकी सीओ को फोन कर पीड़ित परिवार को सरकारी स्तर से मिलने वाले मुआवजे की राशि दिलाने को लेकर निर्देशित किया। मौके पर प्रो। बच्चन ठाकुर, कामेश यादव, सुदेश यादव, योगेंद्र उरांव आदि मौजूद रहे। बता दें कि पांकी थाना क्षेत्र के होईयो गांव में राजकुमार सिंह खरवार के घर में आग लग गयी थी और उनको काफी नुकसान हुआ था। जिसकी जानकारी मिलने के बाद वो उनसे मिलने पहुंचे थे।

गिरिडीह में 16 साल से फरार हार्डकोर नक्सली गिरफ्तार

GIRIDIH : पुलिस ने मंगलवार की अहले सुबह 16 साल से फरार भाकपा माओवादी हार्डकोर नक्सली सनातन टुडू को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जिले के गांडेय थाना इलाके में स्थित ओझाडीह गांव में उसके घर से दबोचा है। पुलिस के अनुसार हार्डकोर सनातन टुडू पिछले 16 साल से फरार चल रहा था। इस बीच एसपी को गुप्त सूचना मिली कि सनातन टुडू गांव आया हुआ है। एसपी के निर्देश पर डीएसपी कौसर अली के नेतृत्व के पीरटांड़ थाना प्रभारी ने ज्वाइंट ऑपरेशन चलाकर इस हार्डकोर नक्सली सनातन टुडू को दबोचा। बताया गया कि गिरफ्तार नक्सली के खिलाफ पीरटांड़ में आर्म्स एक्ट और 17 सीएलए एक्ट के तहत केस दर्ज हैं।

मोदी के शासन में बढ़ी महंगाई, बेरोजगारी : राजेश यादव

GIRIDIH : महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर देश की गद्दी पर बैठी नरेंद्र मोदी की सरकार इसे रोकने में पूरी तरह विफल रही। महंगाई से जनता त्रस्त है। बेरोजगारी से देश के युवा परेशान हैं। झारखंड के युवा रोजगार के लिए प्रवासी बनने को मजबूर हैं। उक्त बातें भाकपा माले नेता राजेश यादव ने कहीं। वह मंगलवार को कोडरमा लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी विनोद सिंह के समर्थन में गांडेय, गिरिडीह सदर प्रखंड के जगजगो-टुसकियो व बुढ़ियाटांड़ में जनसंपर्क अभियान चला रहे थे। कहा कि युवा वर्ग बेरोजगारी की तबाही झेल रहा है। किसान-मजदूर अधिकार छीने जाने से आंदोलित हैं। मोदी सरकार शुरू से ही उनका दमन कर रही है। इन ज्वलंत समस्याओं से इतर मोदी सरकार चंदा घोटाला में व्यस्त रहकर कंपनियों की सेवादारी में लगी है। अगले चुनाव में जनता भाजपा को सबक सिखाएगी। राजेश यादव ने लोगों से चुनाव संघर्ष कोष में भी सहयोग की अपील की। इसके साथ ही घरों से चुनाव कोष में सहयोग अभियान की शुरूआत की गई। मौके पर माले नेता ठाकुर मंडल, पंकज वर्मा, शमसुद्दीन अंसारी, इस्लाम अंसारी, कुर्फान मियां, महेंद्र रवानी, धनेश्वर मंडल, सफायत अंसारी, पांचू मियां, मो। गयासुद्दीन, ताजुद्दीन अंसारी, कुर्बान मियां, आजाद अंसारी, नसीम अंसारी आदि मौजूद थे।

रमजान में इबादत करने से होते हैं सारे गुनाह माफ : अकिलुर्रहमान

RANCHI : रमजान के महीने में रोजे रखने की बहुत बड़ी फजीलत है रोजा आपके अन्दर तकवा, ईमानदारी, सब्र करने का सीधा संबंध स्थापित करने का जरिया है रोजा गुनाहों को मिटा देता है। रोजा महज खाने पीने से परहेज करने का नाम नही है,बल्कि रोजेदार का रोजा तमाम जिस्म के अजा का रोजा होता है। इस महीने इबादत करने से लोगों के सारे गुनाह माफ हो जाते हैं। रमजान का महीना सभी महीनों से अफजल है। इस महीना हमे तकवा और परहेजगारी के साथ साथ गरीबों मजबूर ,बे सहरों को मदद करनी चाहिए। रमजान में नफिल नमाज का सबब फर्ज के बराबर मिलता है और फर्ज का सबाब 70 गुना बढ़ जाता है। रमजान इन्सान के लिए उस नजरिये के अनुसार है जो अपनी कमजोरियों और जुनून के खिलाफ लड़ने की ताकत और एक इंसान को अपने जीवन में लगातार सुधार करने की तालीम देता है रमजान इंसान के अन्दर की बुराई को मिटाता है। रमजान महीने का आखरी अशरा नेमतों, मगफिरत का महीना ही नही बल्कि इस आखरी अशरे में जो शख्श अपने करीब की मस्जिद में एतेकाफ करता है उसे दो उमरे, और हज का सबाब मिलता है साथ ही उस महल्ले में आने वाले बला मुसिबतों से निजात दिलाने वाला

फर्जी बेलर बनकर अपराधियों को जमानत दिलाने वाले गिरोह का खुलासा, दो धराए

54 आधार, 17 वाहनों के रजिस्ट्रेशन, 57 पीस स्टांप पेपर सहित कई सामान बरामद

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) पुलिस ने फर्जी बेलर बन अपराधियों को जमानत दिलाने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में सिदगोड़ा 10 नंबर बस्ती निवासी अरविंद प्रसाद सिंह और आदित्यपुर रोड नंबर 11 निवासी नवीन कुमार राय शामिल है।

पुलिस ने इनके पास से 54 आधार कार्ड, 17 वाहनों के रजिस्ट्रेशन कार्ड, 25 सेट आधार कार्ड और वाहनों के रजिस्ट्रेशन नंबर और वाहन का पॉलिसी पेपर का छाया प्रति, 57 पीस स्टांप पेपर, अलग- अलग व्यक्तियों का पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ 30 पीस

मीडिया को जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल (दांये)। ● फोटोन न्यूज

और दो पीस छोटा स्टेपलर सहित तीन मोबाइल बरामद किया है।

मामले की जानकारी देते हुए एसएसपी किशोर कौशल ने मंगलवार को बताया कि लगातार उन्हें सूचना मिल रही थी कि कुछ लोग फर्जी आधार कार्ड और वाहनों का रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र बनाकर फर्जी व्यक्ति बनाकर जेल में बंद अपराधियों को जमानत लेने के लिए जमानत दार बन रहे हैं। इस संबंध में सिविल कोर्ट सुरक्षा में लगाए गए पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों को कोर्ट परिसर में आने- जाने वाले व्यक्तियों का सघन जांच करने एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने के लिए निर्देशित किया गया था।

गिरिडीह पुलिस ने 24 घंटे में जब्त किए 15 लाख रुपये नकद

GIRIDIH : लोकसभा चुनाव के मद्देनजर गिरिडीह जिले की पांच थानों की पुलिस ने पिछले 24 घंटों में एसपी के निर्देश पर 15 लाख से अधिक नकदी बरामद की है। सरिया थाना पुलिस ने मंगलवार 04 लाख 45 हजार नकद रुपये बरामद किया। इसके कुछ देर बाद सरिया थाना पुलिस ने दो लाख रुपये बरामद किए।

इससे पहले सोमवार को गिरिडीह की मुफ्फसिल थाना पुलिस ने भी एक गाड़ी से ढाई लाख नकद बरामद किया। जिले के देवरी थाना पुलिस को भी गुप्त सूचना के आधार पर सीमावर्ती इलाके से 01 लाख 75 हजार नकद रुपये बरामद करने में सफलता मिली है। इस बाबत एसपी दीपक कुमार शर्मा ने आज बताया कि चुनाव को लेकर नकद पैसे के लेनदेन और परिवहन पर पुलिस की कड़ी नजर है। 50 हजार से अधिक रुपये ले जाने पर पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान है।

बुक फेयर में लगी आग लाखों की किताबें खाक

आग लगने से जली पुस्तकें। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS DHANBAD : जिला परिषद मैदान में लगे पुस्तक मेला के एक बुक स्टॉल में आज सुबह अचानक आग लग गई। स्टॉल धारक एवं सुरक्षा गार्ड की सूझबूझ से जल्द ही आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि, फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां भी मौके पर पहुंची। इससे पहले ही आग पर काबू पा लिया गया था।

आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। आयोजक आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटे हैं। स्टॉल धारक ने बताया की कुछ किताबें जली हैं जबकि आग बुझाने के दौरान पानी से भींगने से दो स्टॉल की महंगी महंगी लाखों रुपये की किताबें बर्बाद हो गयी है। बुक स्टॉल संचालकों एवं प्रकाशकों ने आयोजक गोपाल भट्टाचार्य पर पुस्तक मेले के दौरान आग से बचाव की उचित व्यवस्था नहीं करने का आरोप लगाया।

उल्लेखनीय है कि 31 मार्च से आयोजित इस बुक फेयर में करीब 60 स्टॉल लगाए गए हैं। मेला 7 अप्रैल तक चलेगा।

पुलिस ने 50 हजार किलो जावा महुआ व 100 लीटर तैयार महुआ शराब किया नष्ट

PHOTON NEWS PALAMU : एसपी रीष्मा रमेशन के निर्देश पर हुसैनाबाद थाना की दंगवार और बिहार की नबीनगर थाना पुलिस द्वारा मंगलवार को अवैध शराब कारोबारी के विरुद्ध संयुक्त छापामारी अभियान चलाया गया। शराब कारोबारी द्वारा दंगवार सोन नदी के बीचोबीच स्थित डीलापर साजिश के तहत ड्रम की जगह जमीन में गड्ढा खोदकर प्लास्टिक में जावा महुआ तैयार किया जा रहा था, ताकि किसी को पता नहीं चल सके। इन सबके बावजूद पुलिस टीम द्वारा जमीन के अंदर छुपाकर रखे जावा महुआ का भंडाफोड़ करते हुए कुल 50 हजार किलोग्राम जावा महुआ, 2 हजार केजी सुखा महुआ, एक हजार के जी गुड़, 15 भट्ठी को ध्वस्त तथा 100 लीटर निर्मित अवैध महुआ शराब को सोन

जावा महुआ नष्ठ करते जवान। ● फोटोन न्यूज

नदी की बहती जलधारा में डालकर नष्ट किया गया।

छापामारी दल को देखकर अवैध शराब निमार्ण एवं बिक्री में संलिप्त कारोबारी फरार हो गये। इस संबंध में दंगवार ओपी प्रभारी संजय कुमार यादव ने बताया कि पलामू एसपी के निदेर्शानुसार व हुसैनाबाद एसडीपीओ मुकेश कुमार महतो के आदेशानुसार आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत इस तरह का छापेमारी अभियान लगातार जारी रहेगा।

आपको बता दें की सोन नदी स्थित डीलापर झारखंड व बिहार की सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण ना ही झारखंड पुलिस जाती थी न ही बिहार पुलिस, जिसके कारण डीलापर का क्षेत्र शराब कारोबारियों के लिए सेफ जोन माना जाता था।

खूंटी में इंडी गठबंधन का लोकसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

संविधान व देश को बचाने के लिए भाजपा को पराजित करना आवश्यक : बंधु तिर्की

PHOTON NEWS KHUNTI : खूंटी संसदीय सीट से इंडी गठबंधन के प्रत्याशी कालीचरण मुंडा के आवासीय कार्यालय में मंगलवार को आयोजित लोकसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में कांग्रेस, झामुमो और राजद के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आसन्न लोकसभा चुनाव को लेकर मंथन किया और कालीचरण मुंडा को भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प लिया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेसे के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व विधायक बंधु तिर्की ने कहा कि हमें देश और संविधान को बचाने के लिए हर हाल में मोदी सरकार को केंद्र की सत्ता से उखाड़ फेंकना होगा। उन्होंने कहा कि आज के सम्मेलन में उमड़ी कार्यकताओं की भीड़ और उनके

कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित इंडी गठबंधन के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

उत्साह को देखते हुए कहा जा सकता है कि खूंटी संसदीय सीट से महागठबंधन के उम्मीदवार कालीचरण मुंडा की भारी मतों से जीत होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा कें नस-नस में आविासियों को अपमानित करने की फितरत है।

उन्होंने कि जब पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल क1ष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने के लिए उनके अवास पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंची, वहां आदिवासी महिला राष्ट्रपति खड़ी रही और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुर्सी में बैठे रहे। बंधु तिर्की ने कहा कि इस घटना से देश के पूरे आदिवासी समाज को अपमानित किया गया है। तिर्की ने कहा कि देश की रक्षा के लिए जुमलेबाज, नौटंकीबाज और जादूगर प्रधानमंत्री को सत्ता से बेदखल करना होगा। उन्होंने कहा कि यह हम लोगों के लिए अंतिम लड़ाई है, अन्यथा संविधान कों बदल दिया जायेगा और आरक्षण को पूरी तरह खत्म कर दिया जायेगा।

प्रत्याशी कालीचरण मुंडा ने कहा कि पिछली गलतियों से सबक लेते हुए हर कार्यकर्ता को चुनाव के दौरान मुस्तैद होकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि अभी इंडी गठबंधन के सामने लोकसभा चुनाव जीतने का सुनहरा मौका है। कार्यक्रम में सिमडेगा के विधायक भूषण बाड़ा, खरसावां विधायक दशरथ गगराई, तमाड़ विधायक विकास सिंह मुंडा, झामुमो के खूंटी जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद, सिमडेगा जिला अध्यक्ष डेविड तिर्की, खरसवा जिला अध्यक्ष अंबुज पांडेय, लाल अजय नाथ शाहदेव आदि ने भी विचार व्यक्त किया।

लोस चुनाव में सुविधा एप से प्रत्याशी या राजनीतिक दल ले सकेंगे अनुमति

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में मंगलवार को बैठक हुई, जिसमें प्रशासनिक-पुलिस पदाधिकारियों को सुविधा एप का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें बताया गया कि लोकसभा चुनाव के दौरान मीटिंग, रैली, माइक, हेलिकॉप्टर, हेलिपैड आदि की अनुमति लेने के लिए अब प्रत्याशियों व राजनीतिक दलों को निर्वाचन कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना होगा। इसके लिए चुनाव आयोग द्वारा सिंगल विंडो सिस्टम के तहत सुविधा एप विकसित किया गया है। इस पर आवेदन कर अनुमति प्राप्त कर सकते हैं। प्रत्याशियों तथा राजनीतिक दलों को अनुमति प्राप्त करने के लिए सुविधा एप पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। समस्त प्रक्रिया ऑनलाइन

सुविधा एप की जानकारी देते जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल। ● फोटोन न्यूज

पोर्टल या एप के माध्यम से प्राप्त की जाएगी। संबंधित अधिकारियों की ओर से उक्त एप के माध्यम से अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत किया जाएगा। सुविधा एप भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट (https://www.eci.gov.in/suvidha-candidate)से डाउनलोड किया जा सकता है। नामांकन की तिथि से मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व तक अनुमति प्रदान की जाएगी। बैठक में डीटीओ, उप निर्वाचन पदाधिकारी, एसडीएम धालभूम एवं घाटशिला, एसीएमओ, सभी पुलिस उपाधीक्षक तथा अन्य संबंधित पदाधकारी उपस्थित थे।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत

SIMDEGA : जलडेगा थाना के ओड़गा ओपी अंतर्गत तेलंगा नाला के समीप बाइक अनियंत्रित होकर नाले में गिर गई और पहाड़ी से टकरा गई। इस घटना में दो युवकों की मौत हो गई। बताया जाता है कि सोमवार की देर रात दो युवक बाइक कहीं जा रहे थे। इसी क्रम में बाइक अनियंत्रित होकर तेलंगा नाला में गिर गया। तेलंगानाला में पहाड़ी से दोनों बाइक सवार टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही ओड़गा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस के पहुंचने से पहले ही घटनास्थल पर एक युवक की मौत हो चुकी थी जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल था। पुलिस ने आम लोगों की मदद से तत्काल घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया। लेकिन अस्पताल में इलाज के दौरान उस युवक की भी मौत हो गई। घटना में मारे गए एक युवक की पहचान बानो के रामजोल निवासी महेश प्रसाद के रूप में की गई है। जबकि दूसरे युवक की पहचान नहीं हो सकी है।

डीएवी में नया शैक्षणिक सत्र शुरू प्रिंसिपल ने बच्चों का किया स्वागत

PHOTON NEWS LATEHAR : डीएवी पब्लिक स्कूल में आज दो अप्रैल से नये शैक्षणिक सत्र 2024-25 शुरू हुआ। नये सत्र की शुरूआत वैदिक हवन और यज्ञ के साथ की गयी। इसमें एलकेजी से आठवीं तक के बच्चों और शिक्षकों ने भाग लिया। इसके बाद प्राचार्य घनश्याम कुमार सहाय ने नव नामांकित बच्चों और नयी कक्षाओं के लिए उतीर्ण बच्चों को मंत्रोच्चारण के साथ पुष्प वर्षा व तिलक लगाकर स्वागत किया। संगीत शिक्षक सूरज मिश्रा के सानिध्य में बच्चों के लिए स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नए सत्र के बच्चों का स्वागत करते प्राचार्य। ● फोटोन न्यूज

बच्चों के समुचित और सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक रहें प्रयासरत : प्राचार्य

प्राचार्य घनश्याम कुमार सहाय ने बच्चों के समुचित और सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षकों को प्रयासरत रहने की अपील की। उन्होंने बच्चों के साथ परिश्रम के फल और अनुशासन जैसे विषय पर चर्चा की। कहा डीएवी पब्लिक स्कूल शिक्षा व संस्कार का मंदिर है। बताया कि नये शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश परीक्षा (इंटरेंस एग्जाम) शुरू हो गया है। स्कूल के कार्यालय से एडमिशन फॉर्म ले सकते हैं। मौके पर विद्यालय के शिक्षक प्रभात रंजन, राकेश रंजन तिवारी, अरुण कुमार पांडेय, सुशील कुमार दुबे, रवि प्रकाश तिवारी, अजीत, बसंत के अलावा शिक्षिका शकुंतला पाल, रुक्मिणी, रुपा, अंबिका और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

मारंगहातु ग्राम में उपायुक्त की अध्यक्षता में बूथ जागरूकता दल की बैठक का किया गया आयोजन, बोले-

सभी मतदाता अपने मताधिकार का जरूर करें प्रयोग

PHOTON NEWS KHUNTI : लोकसभा आम चुनाव में मतदान प्रतिशत में वृद्धि लाने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने मंगलवार को खूंटी प्रखंड के पिछले चुनाव में कम मतदान प्रतिशत वाले बूथ मारंगहातू का भ्रमण किया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में मारंगहातु ग्राम में बूथ जागरूकता दल की बैठक का आयोजन किया गया, ताकि हर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करे।

विगत चुनाव में मारंगहातू में 10 प्रतिशत से कम मतदान हुआ था। इसके मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी का प्रयास है कि लोकसभा आम चुनाव 2024 में मारंगहातू के सभी मतदाता जागरूक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। बैठक के दौरान

ग्रामीणों को संबोधित करते उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

बताया गया कि स्वीप के तहत जिले भर में मतदाता जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। बूथ जागरूकता दल के माध्यम से संबंधित क्षेत्र में बूथ स्तर पर लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया जाय।

उपायुक्त ने मतदाताओं को जागरूक करने के क्रम में कहा कि हमारा प्रयास है कि सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। उन्होंने कहा कि मतदान के लिए योग्य जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में किसी वजह से नहीं जुड़ पाया हैं, वे फॉर्म-6 भरकर जमा कर सकते हैं। छूटे हुए योग्य नागरिक नाम जुड़वाने के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया की भी मदद ले सकते हैं। वोटर हेल्पलाइन एप एवं सक्षम एप की जानकारी भी दी गई।

जानकारी दी कि जिले में मतदान की तिथि 13 मई है एवं फॉर्म 6 प्राप्त करने की आखिरी तिथि 15 अप्रैल है। साथ ही किसी भी शिकायत व सूचना के लिए 1950 हेल्पलाइन नंबर की भी जानकारी दी गई।

खूंटी : मतदाता जागरुकता के लिए निकाली गई स्कूटी रैली

KHUNTI : मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से स्वीप के तहत आंगनबाड़ी सेविकाओं द्वारा मंगलवार को मतदाता जागरूकता स्कूटी रैली निकाली गई। मतदाता जागरूकता के नारे लगाकर शहरी क्षेत्र के मतदाताओं को जागरूक किया गया। रैली को स्वीप कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक आइटीडीए सहित अन्य अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना किया। महिलाओं का काफिलां ऊपर चौक तक गया और पुनः समाहरणालय

में अकर स्कूटी रैली का समापन किया गया। इस दौरान आम नागरिकों से जिले में 13 मई को होनेवाले मतदान दिवस में आकर अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की गई। महिलाओं ने महिला सशक्तीकरण का संदेश देते हुए आम नागरिकों को मतदान करने के लिए जागरूक किया।

चर्च रोड नाजिर अली लेन में हैंडलूम शॉप का उद्घाटन

फीता काटकर दुकान का उद्घाटन करतीं मोहतरमा कौसर जहां। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : एसआर. हैंडलूम शॉप, नाजीर अली लेन, चर्च रोड, का उद्घाटन आज बड़े धूम धाम से मोहतरमा कौसर जहां के हाथों से किया गया। हैंडलूम शॉप जे .एस, कॉम्प्लेक्स तीसरे नंबर की दुकान है, अब लोगों को अपर बाजार जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। होलसेल दामों में यहां पर उच्चतम क्वालिटी की चादर, सोफा कवर, पिलो कवर, डोर मेट, उपलब्ध है। शॉप के प्रोपराइटर मिस शाहिदा रफत (रिफी) ने बताया कि चांद रात तक हर माल पर 15% की डिस्काउंट, प्रचार प्रसार के लिए दिया जा रहा है। 300 सिंगल बेड की चादर और 400 से डबल बेड की चादर शुरूआती दामों में मिल जाएंगे। पर्दा वगैरा भी न्यूनतम दामों में उपलब्ध है। शॉप के उद्घाटन के अवसर पर जमैतुल इराकीन के सेक्रेटरी सैफुल हक, आई स्पेशलिस्ट डॉक्टर मुस्ताफी आलम, मसीउर रब, एहसान मंजर राजू, फरहा, हेया समर, शीबा हक, तजीन, सिद्रतुल, शायन, आदिल रशीद वगैरा उपस्थित हो कर कामयाबी की दुआ दी।

BRIEF NEWS

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने सपरिवार दिउड़ी मंदिर में की पूजा-अर्चना

RANCHI : केंद्रीय मंत्री और खूंटी के सांसद अर्जुन मुंडा ने मंगलवार को तमाड़ स्थित सुप्रसिद्ध दिउड़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। उनके साथ उनकी पत्नी मीरा मुंडा और परिजनों सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे। मुंडा ने कहा कि माता का आशीर्वाद लेकर सभी के खुशहाली और समृद्धि की कामना की। माता का आशीर्वाद सभी पर बना रहे। केंद्रीय मंत्री के मंदिर पहुंचने की सूचना पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

रेल टिकट की कालाबाजारी करते एक व्यक्ति गिरफ्तार

RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) रांची ने रेल टिकटों की कालाबाजारी कर रहे मोहम्मद जाकिर हुसैन को गिरफ्तार किया है। वह हिंदपीढ़ी का रहने वाला है। मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार टिकटों की हो रही कालाबाजारी के संबंध में गुप्त सूचना के आधार पर निरीक्षक सुमन कुमार झा के नेतृत्व में रांची के हिंदपीढ़ी स्थित एक दुकान में छापेमारी की गई। दुकान से रेलवे का उन्नीस ई टिकट बरामद किया गया है। बरामद टिकट का मूल्य 26 हजार 600 रुपये है। गिरफ्तार व्यक्ति ने स्वीकार किया कि उन टिकटों को अधिक मूल्य प्राप्त करने के लिए दूसरे के नाम पर अपनी निजी आईडी का प्रयोग कर निकाला था।

ड्यूटी के दौरान शहीद जवान के परिजनों को मिला दस लाख का मुआवजा

RANCHI : सिक्किम में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए इंडियन आर्मी के हवलदार सुनील लकड़ा के परिजनों को दस लाख की मुआवजा राशि दी गयी। इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने आदेश जारी किया था। गुमला जिले के रहने वाले सुनील लकड़ा 23 अक्टूबर 2021 को सिक्किम में ड्यूटी पर थे, तभी उनकी मौत हो गयी थी। हवलदार सुनील लकड़ा मूल रूप से रायडीह प्रखंड के कोबीटोली गांव के रहने वाले थे। वर्ष 1997 में इनकी नियुक्ति आर्मी के बिहार रेजिमेंट में जवान के पद पर हुई थी। सेना का सामान पहुंचाने के दौरान अचानक ठंड लगने से वे बीमार पड़ गये थे। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी थी।

रांची उपायुक्त ने शिकायत निगरानी नियंत्रण कक्ष और कॉल-सेंटर का किया गठन

RANCHI : लोकसभा चुनाव में पारदर्शिता और आम नागरिकों की शिकायतों के निष्पादन के लिए रांची के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा (व्यय अनुश्रवण प्रबंधन कोषांग) ने शिकायत निगरानी नियंत्रण कक्ष और कॉल-सेंटर का गठन किया है। आचार संहिता के प्रभावी होने के बाद जारी हेल्पलाइन नंबर 1800-345-3333 को कॉल सेंटर से कनेक्ट कर दिया गया है। रांची उपायुक्त ने बताया कि आम नागरिक चुनाव से संबंधित किसी प्रकार की जानकारी और शिकायत 1800-345-3333 पर कर सकते हैं।

55 हजार से अधिक लाभुकों को मिलेगा घर

RANCHI : गरीबों को आवास देने की झारखंड सरकार की योजना बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर से अब तक 12 करोड़ रुपये की राशि खर्च कर दी गयी है और करीब 45,565 आवासों का निर्माण पूरा करा दिया गया है। बता दें कि इस योजना अंतर्गत जरूरतमंद योग्य लाभुकों को आवास देने का काम किया जा रहा है। प्राकृतिक आपदा से पीड़ित ग्रामीण परिवार अथवा अति गरीब परिवार जिनको पीएम आवास ग्रामीण या अन्य आवास योजना से आवास नहीं मिला है, उन्हें इस योजना से घर दिया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार अब तक 55,792 आवासों की स्वीकृति प्रदान की गयी है, जिसमें से 45,565 आवास पूरे किए गये हैं। यानी लक्ष्य का 81 फीसदी से अधिक आवास पूरे हुए।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

रांची में ड्रग्स की बिक्री मामले में हाईकोर्ट गंभीर, लिया स्वतः संज्ञान

ड्रग्स का कारोबार करनेवालों को चिन्हित कर अरेस्ट करें : हाईकोर्ट

SPECIAL REPORTER RANCHI : रांची शहर में ड्रग्स की खरीद-बिक्री को झारखंड हाइकोर्ट ने गंभीरता से लिया है। हाइकोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षतावाली खंडपीठ ने मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए रांची एसएसपी को ड्रग्स कारोबार करनेवालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने कहा है कि सुखदेव नगर थाना इलाके में जो भी ड्रग्स के कारोबार करनेवाले दुकानदार या अन्य लोग शामिल हैं उन्हें चिन्हित किया जाये और उनकी गिरफ्तारी जल्द सुनिश्चित की जाये। कोर्ट ने राज्य सरकार से नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी पर रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने कहा कि नशे के शिकार युवाओं की जिंदगी बर्बाद हो रही है। कोर्ट ने कहा कि राजधानी रांची में बड़े पैमाने पर ड्रग्स का कारोबार चल रहा है। पुलिस ड्रग माफियाओं को गिरफ्तार क्यों नहीं कर रही? शहर के कई शैक्षणिक संस्थान के आसपास ड्रग्स बेचा जा रहा है, लेकिन पुलिस इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। नशे का प्रभाव उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। दरअसल, कोर्ट के संज्ञान में यह बात आयी कि राजधानी रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में ड्रग्स जिसमें ब्राउन शुगर, गांजा आदि शामिल हैं, का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। बीते दिनों 16 मार्च, 19 मार्च, 21 मार्च को सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में ब्राउन शुगर, गांजा आदि की बिक्री करनेवालों की गिरफ्तारी की गयी। इसके अलावा राजधानी रांची के अन्य क्षेत्रों में भी ड्रग्स का यह कारोबार चल रहा है। इसके बाद कोर्ट ने इस मामले को संज्ञान में लिया है।

जेपीएससी सेकेंड बैच के डीएसपी शिवेंद्र के आईपीएस बनाने का रास्ता साफ

SPECIAL REPORTER RANCHI : जेपीएससी के द्वितीय बैच की सेवा संपुष्टि के लिए शिवेंद्र कुमार द्वारा हाईकोर्ट में दाखिल रिट याचिका दायर पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के जस्टिस एसएन पाठक की खंडपीठ ने झारखंड सरकार को आदेश दिया है कि शिवेंद्र की सेवा 6 सप्ताह के अंदर संपुष्ट करते हुए उन्हें सभी तरह का लाभ प्रदान करें। उन्होंने अपनी याचिका में गुहार लगाई थी कि जेपीएससी द्वितीय बैच के सभी अधिकारियों की सेवा संपुष्ट हो गई है। लेकिन उनकी सेवा संपुष्ट नहीं की गई है। शिवेंद्र की नियुक्ति वर्ष 2008 में डीएसपी के पद पर हुई थी। शिवेंद्र का अधिवक्ता राधा कृष्ण गुप्ता और पिंकी साव ने पक्ष रखा। वर्ष 2008 में सेकंड जेपीएससी परीक्षा पास कर शिवेंद्र डीएसपी बने थे। बाद में द्वितीय झारखंड पब्लिक सर्विस नियुक्ति को सीबीआई के द्वारा जांच किया गया था।

जाम की समस्या पर हाईकोर्ट सख्त, कहा

उल्लंघन करने वालों का लाइसेंस क्यों नहीं निलंबित किया जाता?

SPECIAL REPORTER RANCHI : राजधानी रांची में लचर ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर दाखिल जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। कोर्ट ने मामले में बुधवार को ट्रैफिक एसपी को कोर्ट में सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने रांची नगर निगम के अधिवक्ता से जानना चाहा की रांची में ट्रैफिंग व्यवस्था में सुधार क्यों नहीं हो पा रहा है? दिन भर शहर में जाम की समस्या क्यों बनी रहती है।

कई ट्रैफिक सिग्नल खराब क्यों है? सुजाता चौक, कोकर एवं अन्य जगहों पर मल्टी स्टोरेज पार्किंग की व्यवस्था अब तक क्यों नहीं की गई? लगातार ट्रैफिक सिग्नल का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों का लाइसेंस क्यों नहीं निलंबित किया जाता है? रांची शहर में आम नागरिकों को समय-समय पर ट्रैफिक रूल की जानकारी क्यों नहीं दी जाती है? इसपर रांची निगम की ओर से बताया गया कि

पहले की तुलना में ट्रैफिक व्यवस्था में कई सुधार हुए हैं। ट्रैफिक रूल का उल्लंघन करने वालों से जुमार्ना के रूप में 1000 रुपए वसूला जाता है।।

रांची शहर में फ्लाईओवर निर्माण के कारण जाम की समस्या बनती है। कांटाटोली फ्लाई ओवर का निर्माण वर्ष 2024 के दिसंबर माह में पूरा होने की उम्मीद जताई जा रही है। रांची शहर में बन रहे फ्लाईओवर का निर्माण पूरा होने पर जाम की समस्या से लोगों को निजात मिलेगा। कोर्ट ने कहा कि फुटपाथ दुकानदारों द्वारा सड़कों का अतिक्रमण किए जाने से जाम की समस्या अत्यधिक होती है। कोर्ट ने रांची नगर निगम के जवाब पर असंतुष्टि जताते हुए ट्रैफिक एसपी को अदालत में तलब किया।

बीजेपी को लगा एक और बड़ा झटका, गिरिनाथ सिंह ने थामा राजद का दामन

गुलदस्ता देकर गिरिनाथ सिंह का पार्टी में स्वागत करते जगतानंद सिंह।

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में भाजपा को इंडिया गठबंधन की तरफ से लगातार झटका मिल रहा है। बीजेपी के एक और दिग्गज नेता गिरिनाथ सिंह ने पार्टी छोड़कर राजद का दामन थाम लिया है। मंगलवार को पटना स्थित राजद कार्यलय में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। बिहार राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगतानंद सिंह और महासचिव भोला प्रसाद यादव ने उनका स्वागत किया। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले ही उन्होंने लालू यादव से उनके आवास पर मुलाकात की थी। इसके बाद से ही चर्चा थी कि वह फिर घर वापसी कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक पार्टी उन्हें चतरा से प्रत्याशी बना सकती है।

घर वापसी से पार्टी को मिलेगी मजबूती : इस मौके पर झारखंड राजद के प्रदेश प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने कहा कि उनकी घर वापसी से पार्टी को मजबूती मिलेगी। वह संयुक्त बिहार में मंत्री और झारखंड राजद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। गिरिनाथ के दोबारा राष्ट्रीय जनता दल के साथ जुड़ने पर पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ,भोला प्रसाद यादव, प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव,प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव,मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार, सहित अन्य कई नेताओं खुशी जतायी और उन्हें बधाई दी है।

कौन हैं गिरिनाथ सिंह

गिरिनाथ सिंह की गिनती झारखंड के दिग्गज नेताओं में होती है। वह राजद के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। साल 2019 से पहले तक वे राजद में ही थे लेकिन 2019 लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी। इसके बाद उन्होंने भाजपा का दामन थामा। सूत्रों की मानें तो पार्टी उन्हें चतरा लोकसभा सीट से प्रत्याशी बना सकती है। अगर ऐसा होता है तो उनका सीधा मुकाबला भाजपा के कालीचरण सिंह के साथ होगा। भाजपा ने उन्हें पूर्व सांसद सुनील सिंह का टिकट काट कर अपना उम्मीदवार बनाया है।

झारखंड में पारा 40 के पार, अभी और बढ़ेगा तापमान

गर्म हवा को लेकर मौसम विभाग का अलर्ट, 6-7 अप्रैल को हो सकती बारिश

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के कई जिलों में तापमान अब बढ़ने लगा है। कई जगहों में तापमान 35 डिग्री के पार हो गया है, वहीं गोड्डा में तापमान 40 के आंकड़े को पार कर चुका है। मौसम विभाग ने अभी बढ़ती गर्मी से किसी तरह के राहत की संभावना जारी नहीं की है। अभी राज्य में तापमान और बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार 3 अप्रैल तक राज्य के कई जिलों में तापमान बढ़ेगा। 4 और 5 अप्रैल को राज्य के दक्षिणी-पूर्व भाग में गर्म हवा चलने की संभावना जाहिर की गई है। 5 अप्रैल के बाद मौसम में गरमाहट और बढ़ने के आसार हैं। हालांकि 6 अप्रैल और 7 अप्रैल को राज्य में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है।

अप्रैल में पड़ेगी जोरदार गर्मी : रांची समेत पूरे झारखंड के अधिकतम-न्यूनतम तापमान में इजाफा होने लगा है। अप्रैल के पहले सप्ताह में दिन का पारा दो से तीन डिग्री बढ़ने की संभावना है। दूसरे और तीसरे सप्ताह में तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। बीच-बीच में हल्के बादल और बूंदाबांदी से उमस बढ़ सकती है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री पहुंच सकता है। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में तापमान में और अधिक बढ़ोतरी होने की संभावना है। तापमान 42 से 43 डिग्री पहुंचने की संभावना है और इस दौरान लू भी चलेगी। यानी अप्रैल का पूरा महीना गर्म ही रहेगा। राज्य के मौसम में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है, लेकिन 2 से 3 दिनों में तापमान में तीन से पांच डिग्री की बढ़त हो सकती है।

फाइल फोटो।

बढ़ती गर्मी को लेकर एडवाइजरी जारी

- दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच धूप में बाहर जाने से बचें।
- पर्याप्त पानी पिये। जितनी बार संभव हो पियें। भले ही प्यास नहीं लगी हो।
- हल्के, हल्के रंग के डीले और छिद्रयुक्त सूती कपड़े पहनें। धूप में बाहर जाते समय सुरक्षात्मक चश्मे, छाता/टोपी या चप्पल का प्रयोग करें।
- जब बाहर का तापमान अधिक हो, तब बाहरी गतिविधियों से बचें।
- यात्रा करते समय अपने साथ पानी अवश्य रखें।
- शराब, चाय, कॉफी और काबोर्नेटेड शीतल पेय से बचें, जो शरीर को निर्जलित करते हैं।
- उच्च प्रोटीन वाले भोजन से बचें। वासी भोजन नहीं करें।
- यदि आप बाहर काम करते हैं, तो टोपी या छाते का उपयोग करें। अपने सिर, गर्दन, चेहरे और अंगों पर एक कपड़े का भी उपयोग करें।
- पार्क किए गए वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को नहीं छोड़ें।
- यदि आप बेहोश या बीमार महसूस करते हैं तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।
- ओ.आर.एस., घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी, नींबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें।

रांची में भारी मात्रा में नशे का सामान बरामद

RANCHI : रांची की दशम फॉल थाना पुलिस ने मैसुडीह गांव में छापेमारी कर एतवा मुंडा को गिरफ्तार किया। इसके पास से एक किलो 300 ग्राम अफीम, 50 किलो डोडा, 20 लीटर देशी महुआ शराब, किंगफिशर का बीयर 24 पीस, मैक डॉवेल्स 375 एमएल का 24 पीस, मैक डॉवेल्स 180 एमएल का सात पीस, एम्पीरियल ब्लू 375 एमएल का तीन पीस, एट पीएम ब्लैक 375 एमएल का छह पीस बरामद किया गया है। ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि दशम फॉल थाना पुलिस ने मैसुडीह गांव में एक व्यक्ति अवैध शराब,डोडा, शराब और अफीम रखकर बिक्री करता है। सूचना के बाद बुंडू एसडीपीओ रतिभान सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।

सामाजिक और राजनीतिक दायित्व के लिए युवाओं को तैयार करेगा युवा आजसू : अभिषेक

PHOTON NEWS RANCHI : अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय इकाई के सदस्यों ने युवा आजसू के नवनियुक्त जिला सह प्रभारी अभिषेक झा का श्यामा प्रसाद मुखर्जी कैंपस में जोरदार स्वागत किया गया। विदित हो कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय से ही अभिषेक झा ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत छात्र नेता के रूप में की थी। अपने 08 सालों के कार्यकाल में उन्होंने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के मूलभूत सुविधाओं को सुधार करवाने में कई सफलता भी पाई। वह छात्र-छात्राओं के बीच काफी लोकप्रिय छात्र नेता के रूप में भी जाने जाते है। स्वागत करने वाले सभी छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए युवा आजसू के रांची जिला सह प्रभारी अभिषेक झा ने कहा कि सामाजिक और राजनीतिक दायित्व के लिए युवाओं को तैयार करेगा युवा आजसू। आगे उन्होंने कहा कि मुझ जैसे कार्यकर्ता को रांची जैसे राजधानी में युवाओं को संगठित करने की बड़ी जिम्मेदारी देना सिर्फ और सिर्फ आजसू में ही संभव है। इसके लिए उन्होंने आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष का आभार प्रकट किया।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी कैंपस में आजसू छात्र संघ जोरदार स्वागत।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर जोर दें पदाधिकारी : एसडीओ

- राजकीयकृत मध्य विद्यालय सह संकुल संसाधन केंद्र न्यू पुलिस लाइन में चलाया गया बूथ जागरुकता कार्यक्रम

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने मंगलवार को रांची के राजकीयकृत मध्य विद्यालय सह संकुल संसाधन केंद्र न्यू पुलिस लाइन में बूथ जागरुकता कार्यक्रम चलाया। इस दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक सुमन, कार्यपालक दंडाधिकारी, स्कूल की प्रधानाध्यापिका, वॉलेंटियर और संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। एसडीओ ने सभी मतदाताओं को स्वयं मतदान करने और अन्य लोगों को भी प्रेरित करने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को बूथों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने और मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर विशेष जोर देने का निर्देश दिया। एसडीओ ने बताया कि मतदान केंद्रों में मौजूद बूथ अवेयरनेस ग्रुप के सदस्य दिव्यांगों और वृद्ध मतदाताओं की मदद करेंगे। साथ ही ग्रुप के सदस्य आम मतदाताओं को भी मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। बूथ अवेयरनेस ग्रुप घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करेंगे और उन्हें मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए प्रेरित करेंगे ताकि मतदान का प्रतिशत बढ़ाया जा सके। सदर एसडीओ ने बताया कि सभी मतदान केंद्रों में दिव्यांग और वृद्ध मतदाताओं को बूथ तक ले जाने के लिए विशेष व्यवस्था की जायेगी। बूथ पर पानी, बिजली, रैंप आदि सुविधाएं भी उपलब्ध करायी जायेगी।

बैठक कर पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश देते एसडीओ।

झारखंड की सभी 14 सीटों पर जनता का आशीर्वाद मिलेगा : लक्ष्मीकांत वाजपेयी

मैं किसी पहचान की मोहताज नहीं : सीता सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश मुख्यालय में एनडीए की बैठक हुई। टिकट कटने से नाराज विक्षुब्धों को साधने और पार्टी के प्रत्याशियों की जीत की रणनीति बनाने के लिए यह बैठक बुलायी गयी थी। दुमका से लोकसभा की उम्मीदवार सीता सोरेन भी बैठक में शामिल होने पार्टी कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने कहा कि दुमका में एकतरफा मुकाबला है। दुमका की जनता सीता सोरेन (कमल छाप) को पहचानती है, ना कि तीर-धनुष (जेएमएम) को। मैं किसी पहचान की मोहताज नहीं हूं। मैंने क्षेत्र में विकास का काम किया है। बैठक में चतरा सांसद सुनील सिंह, लोहरदगा सांसद सुदर्शन भगत भी मौजूद थे। पार्टी ने इनका टिकट काट दिया है। वहीं भाजपा ने जिन नेताओं को चुनाव में टिकट दिया है, वह भी बैठक में मौजूद थे। झारखंड के प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी भी बैठक में मौजूद थे। बैठक से पहले उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के 10 साल के कार्यकाल के आधार पर चुनाव लड़ा जा रहा है। हमें जनता का आशीर्वाद मिलेगा। 14 लोकसभा सीटों पर एनडीए की जीत होगी। सरयू राय और ढुल्लू महतो प्रकरण को लेकर उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम है बयान देना। बयान देने से किसी को भी रोका नहीं जा सकता है।

बैठक में मौजूद सीता सोरेन व भाजपा के अन्य नेता।

पीएम का संकल्प पूरा करने का लक्ष्य : सुदेश

RANCHI : लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर झारखंड के एनडीए फोल्डर ने मंगलवार को रांची स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में बैठक बुलायी। बैठक के बीच में संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस मौके पर सबसे पहले आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह बैठक राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे पीएम मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए बुलायी गई। देश भर में पीएम मोदी ने 400 पार का लक्ष्य रखा है। इसी तरह झारखंड में भी हम 14 की 14 सीटें जीतने का लक्ष्य तय कर रखा है। इसके लिए जरूरी है कि हम दलीय आधार पर जनता से कब और किस तरह से संवाद स्थापित करें, इसे सुनिश्चित करना होगा। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि यह बैठक लोकसभा चुनाव में जिला और प्रखंड स्तर पर समन्वय स्थापित करने के लिए बुलाई गई। पिछले लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन ने 14 में से 12 सीटें जीती थी। लेकिन इस बार एनडीए गठबंधन ने 14 की 14 सीटों पर जीत का लक्ष्य रखा है। पीएम मोदी के संकल्प अबकी बार 400 पार के लक्ष्य में हम उन्हें राज्य की सभी 14 सीट जीतकर तोहफा देंगे। वहीं, कई वरिष्ठ सांसदों के टिकट कटने के सवाल पर उन्होंने कहा कि सभी पार्टी के साथ हैं। किसी की कोई नाराजगी नहीं है।

रुणा शुक्ला ने किया सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

PHOTON NEWS RANCHI : विश्वास की किरण ट्रस्ट द्वारा ग्राम अगडू, रातू, जिला रांची में निःशुल्क रामावती वृद्धाश्रम का संचालन किया जा रहा है। उसी परिसर में महिलाओं के स्वावलंबन हेतु निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र प्रारम्भ किया गया। इसका उद्घाटन प्रसिद्ध समाजसेवी सह अधिवक्ता रुणा शुक्ला द्वारा किया गया। पहले ट्रस्ट की संचालिका किरण पांडे द्वारा उद्घाटनकर्ता रुणा शुक्ला को तिलक लगा कर एवं चुनरी उढ़ा के सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रुणा शुक्ला ने किरण पांडे के सामाजिक कार्यो की प्रशंसा करते हुए उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का वचन दिया। रुणा शुक्ला ने वृद्धाश्रम के बुजुर्गों से मुलाकात भी की। इस अवसर पर आश्रम के संरक्षण सिद्धार्थ, रंगोली गुप्ता, संजीता श्रीवास्तव, किरण मुंडा, समजस्ववि गिरिजा शंकर पेड़ीवाल, कई गणमान्य एवं अन्य सहयोगी मौजूद थे।

BRIEF NEWS

ऑटिज्म डे पर निश्शक्त बच्चों-किशोरों ने किया जागरूक

JAMSHEDPUR : ऑटिज्म डे पर मंगलवार को समाहरणालय परिसर में कार्यक्रम हुआ, जिसमें निश्शक्त बच्चों-किशोरों ने इस बीमारी से लोगों को जागरूक किया। एस्पायर संस्था व पैरेंट्स एसोसिएशन ऑफ मेंटली हैंडीकैप्ड ऑफ जमशेदपुर (पीएएमएचजे) के संयुक्त तत्वावधान में ऑटिज्म से ग्रस्त हर मरीज को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर उपायुक्त अन्नय मित्तल ने भी निश्शक्त बच्चों-किशोरों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में पीड़ित बच्चों के साथ उनके अभिभावक, शिक्षक सहित समाज के विभिन्न वर्ग के लोग शामिल थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर शास्त्रीनगर में हुआ हवन

JAMSHEDPUR : कदमा के शास्त्रीनगर में ब्लॉक-4 स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रांगण में मंगलवार को हवन हुआ। यह अनुष्ठान विद्यालय में नए सत्र के प्रारंभ होने पर किया गया। विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्याम किशोर सिन्हा, कोषाध्यक्ष सांवरमल शर्मा व प्रधानाचार्य सत्येंद्र कुमार ने दीप प्रज्जवलित कर अनुष्ठान का शुभारंभ किया, जबकि पूजा-अर्चना पं. सत्य नारायण मिश्रा ने संपन्न कराई। इस.मौके पर दर्जनों शिक्षक-शिक्षिका, बच्चे व उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

साकची शीतला मंदिर का विवाद फिर शुरू

JAMSHEDPUR : साकची स्थित शीतला मंदिर का विवाद एक बार फिर शुरू हो गया है। इस बार महंत बलदेव दास अखाड़ा के लाइसेंसी राजू वाजपेयी की ओर से अधिवक्ता जितेंद्र कुमार दुबे ने मनोज वाजपेयी को नोटिस भेजा है। इसमें गत वर्ष रामनवमी पूजा को लेकर उनके द्वारा स्वयं की रसीद छपाकर चंदा वसूलने और खर्च का ब्योरा नहीं देने सहित पूजा में व्यवधान डालने का आरोप लगाया गया है। राजू वाजपेयी का कहना है कि मनोज वाजपेयी इस बार भी रामनवमी पूजा में व्यवधान डाल रहे हैं।

भुजाली मारकर दो युवक को किया घायल, पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

ROURKELA : मामूली घटना को लेकर बीरमित्रपुर में तनाव फैल गया है। मंगलवार को 10 प्लाटून पुलिस की तैनाती के साथ शहर में फ्लैग मार्च किया गया। अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार की रात गुप्तेश्वर मेला में दो पक्षों के बीच मामूली बात पर विवाद हो गया।बाद में यह विवाद अराजकता में बदल गया। एक पक्ष के भुजाली के हमले में दूसरे पक्ष के दो युवक घायल हो गये। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। इस घटना को लेकर अंचल में रोष बना हुआ है। पश्चिमांचल डीजी और सुंदरगढ़ एसपी बीरमित्रपुर पहुंचे और कानून व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखे हुए है। बीरमित्रपुर शहर में 10 प्लाटून पुलिस तैनात की गई और सुबह फ्लैग मार्च भी किया गया। प्रशासन सह विभिन्न संगठनों ने शहर में शांति बनाये रखने की अपील की है।

शहीद गंगाराम की शहादत दिवस पर लगेगा रक्तदान शिविर : संघ

ROURKELA : ईचा खरकई बांध विरोधी संघ, कोल्हान और हो उम्बुल ट्रस्ट, पश्चिमी सिंहभूम के संयुक्त तत्वावधान में 4 अप्रैल 2024 को तांतनगर प्रखंड के कोकचो सामुदायिक भवन में शहीद गंगाराम कालुंडिया जी को शहादत दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी जाएगी। रक्तदान के सफल आयोजन के लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। इसकी जानकारी मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर संघ के अध्यक्ष बिर सिंह बिरूली और ट्रस्ट के सचिव शांति सिदू ने संयुक्त रूप से साझा की।

थाना से एक किमी की दूरी पर चल रही शराब फैक्ट्री का हुआ खुलासा

विदेशी शराब की बोतलें व 4 लाख 61 हजार रुपये नकद बरामद

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : धालभूमगढ़ प्रखंड क्षेत्र के चारचक्का स्थित सरकारी शराब की दुकान के समीप एक घर में अनुमंडल पदाधिकारी सच्चिदानंद महतो एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार कुजूर के नेतृत्व में सोमवार को छापेमारी किया गया। इस छापेमारी में नकली विदेशी शराब बनाकर बेचने का मामला प्रकाश में आया। यहां नकली विदेशी शराब बनाने की मिनी फैक्ट्री चल रही थी। इस मामले में चार लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया। इसके साथ-साथ 1000 विभिन्न प्रकार के विदेशी शराब की बोतलों के ब्रांड, प्राइस स्टीकर, पैकिंग स्टीकर, ढक्कन और लगभग 15 बोतल स्प्रिट के साथ 4 लाख 61 हजार 200 रुपए नकद राशि भी बरामद की गई। समाचार लिखे जाने तक देर शाम तक जप्ती सूची बनाकर हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है।

छापेमारी में शामिल पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

बताया जा रहा है कि नकली शराब गिरोह का सरगना नरसिंहगढ़ निवासी अजीत कुमार सिंह है। यह धंधा पिछले पांच वर्षो से चल रहा था। अनुमंडल प्रशासन ने जिस घर में छापेमारी की वह प्रखंड मुख्यालय यानि ब्लाक आफिस से शून्य तथा धलभूमगढ़ थाना से मात्र एक किमी की दूरी पर स्थित है। सबसे अजीब बात है कि ग्रामीण एवं पंचायत प्रतिनिधियों को इसकी भनक नहीं लगी। बताया जा रहा है कि मुख्य सरगना अजीत कुमार सिंह सरकारी शराब दुकान में विगत कई वर्षो से कार्य कर रहा था। हालांकि छापेमारी के दौरान अजीत कुमार सिंह फरार हो गए और मोबाइल स्वीच आफ है।

शराब दुकान में काम करते हैं हिरासत में लिए गए कर्मचारी : चारचक्का निवासी काकुली देवी के घर में नकली शराब का कारोबार कई वर्षो से धड्ल्ले से चल रहा था। इसकी भनक काकुली देवी को भी नहीं लगी। काकुली देवी ने छापेमारी के समय एसडीओ, डीएसपी एवं अन्य पदाधिकारियों को बताया कि वे अजीत कुमार सिंह के कहने पर धर्मेंद्र कुमार एवं संजीत कुमार नाम के व्यक्ति को मासिक 2500 रुपये भाड़े में दिया था। यहां दो लोग सरकारी शराब दुकान में काम करते थे। उनलोगों ने कहा था वे लोग यहां रहेंगे और खाना बनाएंगे।

100 रुपये के नकली शराब को 200-500 रुपये में बेचा जाता था : विभिन्न प्रकार ब्रांड के शराब के बोतलों में स्प्रिट डालकर असली शराब बताकर बेचा जा रहा है। इस कारण इस दुकान से शराब का सेवन करने वाले विगत कई वर्षो से कई गंभीर बीमारियों से भी जूझ रहे हैं, एवं कईयों की मौत भी हो चुकी है। हालांकि एक साथ लोगों की मौत न होने के कारण यह मामला तूल नहीं पकड़ता था। छापेमारी दल में अनुमंडल पदाधिकारी सच्चिदानंद महतो, एसडीपीओ अजीत कुजूर, अंचलाधिकारी समीर कच्छप, कार्यपालक दंडाधिकारी अमन कुमार, थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार मुंडा एवं काफी संख्या में पुलिस बल मौजूद थे।

नहीं सील हुई दुकान, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

अनुमंडल प्रशासन द्वारा नकली शराब का भंडाफोड किए जाने के बाद मौके पर पहुंची उत्पाद विभाग की टीम के वरीय अधिकारियों ने कहा कि सरकारी दुकान में अवैध रूप से नकली शराब नहीं बेचा जाता है। दुकान में रखे सभी शराब की बोतलों को सही पाया गया। हालांकि इस मामले की जांच की जाएगी। इधर ग्रामीणों का कहना है कि नकली विदेशी शराब जब पैकिंग कर बेचा जा रहा है। बेचने वाले सरकारी शराब दुकान के कर्मचारी है तो उक्त दुकान में कैसे सब शराब की बोतले सही है। सरकारी शराब दुकान में नकली शराब की विदेशी बोतले भी बेची जा रही है। इस दुकान को सील न करना उत्पाद विभाग की कार्यशैली को दशार्ता है।

स्वतंत्र ओडिशा का गठन गर्व और गौरव की बात

लोगों को संबोधित करतीं अतिथि। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : गवर्नमेंट ऑटोनॉमस कॉलेज, राउरकेला द्वारा कॉलेज परिसर में उत्कल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के ऑर्डिनेशन विभाग द्वारा किया गया और अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ. विजय कुमार बेहरा ने की। इस अवसर पर, सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों के साथ छात्रों ने राज्य संगीत - बंदे उत्कल जननी गान गाकर इस दिन को याद किया।

ऑर्थोलॉजी विभाग की व्याख्याता डॉ. सुचित्रा मोहंती के संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं शोध प्राध्यापक डॉ. प्रभात मल्लिक ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया और एक स्वतंत्र ओडिशा प्रांत के गठन पर चर्चा की। विशेषकर मधुसूदन द्वारा उत्कल सम्मेलन के माध्यम से आयोजित किये गये कार्यक्रमों के कारण डॉ. मल्लिक ने विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि इस दिन को मनाना समस्त ओडिया लोगों के लिए गर्व एवं गौरव की बात है। प्रोफेसर डॉ. बेहरा अपने भाषण में कहा कि भाषा के आधार पर उत्कल प्रदेश का गठन प्राचीन भारत की एक उल्लेखनीय घटना थी।ऑथोर्पेडिक विभाग की प्रमुख डॉ. सुषमा मोदी, व्याख्याता सुबनाथ, विभागीय व्याख्याता रजनी किसान और सुचिस्मिता माडू, विश्वरंजन दास मुख्य ने उत्कल दिवस समारोह के अवसर पर भाषण दिया और इसके लिए काम करने वाले विभिन्न महान लोगों के बलिदान पर चर्चा की। साथ ही कॉलेज के वरिष्ठ व्याख्याता एवं प्रशासनिक अधिकारी प्रशांत कुमार सेठी ने उत्कल दिवस मनाने के संबंध में चर्चा की।

राउरकेला होटल एण्ड रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन ने शुरू किया प्याउ

। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला होटल एण्ड रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन द्वारा उत्कल दिवस के पर पहली बार एसोसिएशन द्वारा पीने का पानी के लिए एक प्रोजेक्ट शुरू हुआ किया। अध्यक्ष प्रवीण गर्ग के नेतृत्व में वृन्दावन होटल के प्रांगण में 31 होटलो द्वारा मट्टी के दो घडो के 31 स्टैंड बनाकर विधिवत पूजन अर्चना कर सभी दानदाताओ द्वारा अपने अपने प्याऊ का उद्घाटन किया।

उद्घाटन के शुभअवसर पर अध्यक्ष प्रवीण गर्ग ने सभी पधारे सदस्यो का हार्दिक अभिनंदन किया। एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष श्यामलाल गुप्ता, वरिष्ठ सदस्य शैलेन्द्र महान्ती, पूर्व उपाध्यक्ष मोहम्मद सहाब्बुदिन, सदस्य सूरेश मित्तल, उपाध्यक्ष नवीन चावला ,खिरोद कुमार साहू, महासचिव अरुण कुमार जिंदल, सहसचिव बिश्वनाथ डे, कोषाध्यक्ष कैलाश अग्रवाल, कार्यकारीणी सदस्य सूरेश मित्तल, उज्ज्वल राए, अनील अग्रवाल, सतीश गुप्ता, मजींदर सिंह, हरदेव सिंह, मुकेश केडीया, विनय गुप्ता, नीरज अग्रवाल, सदस्य अमरप्रीत सिंह, अनील मित्तल, अतुल अग्रवाल, ललित केजरीवाल, सुशील सिंह, रंजन राज, निखिल गुप्ता, दीपक मित्तल, पंकज कुमार, शुकान्त पण्डा एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रत्युषा बनर्जी की 8वीं पुण्यतिथि पर स्वजनों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बालिका वधू फेम अभिनेत्री प्रत्युषा बनर्जी के निधन को 8 वर्ष पूरे हो गए हैं। सोनारी के पंचवटी नगर स्थित प्रत्युषा के पैतृक आवास पर सोमवार को प्रत्युषा की 8वीं पुण्यतिथि मनाई गई, जिसमें प्रत्युषा की दादी झरना बनर्जी व संजय दास समेत पड़ोसियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर संजय दास ने कहा कि यह अफसोस की बात है कि आठ वर्ष बाद भी प्रत्युषा की मौत से पर्दा नहीं हट सका। आरोपियों को सजा नहीं मिली।

प्रत्युषा बनर्जी का जन्म जमशेदपुर के सोनारी में 10 अगस्त 1991 को हुआ था। प्रत्युषा ने टीवी धारावाहिक बालिका वधू के अलावा टीवी रियलिटी शो 'झलक दिखला जा सीजन-5 और 'बिग बॉस सीजन-7 में भी अपने अभिनय का जौहर दिखा चुकी थी। प्रत्युषा बनर्जी तो इस दुनिया से चली गई, लेकिन उसके माता-पिता सौम्या बनर्जी व शंकर बनर्जी इस कदर टूट गए है के वे आज भी प्रत्युषा के लिए न्याय की आस लगाए मुंबई में रह रहे हैं।

प्रत्युषा बनर्जी को श्रद्धांजली देते परिजन। ● फोटोन न्यूज

ऐसे हुई थी मौत : प्रत्युषा बनर्जी ने अगस्त 2015 में व्यापारी मकरंद मल्होत्रा के साथ रिश्ता बनाया था, लेकिन उनका संबंध ज्यादा दिन नहीं चला। मकरंद मल्होत्रा से संबंध टूटने के बाद प्रत्युषा बनर्जी अभिनेता व निमार्ता राहुल राज सिंह के संपर्क में आई। बालिका वधू की आनंदी' 24 वर्ष की प्रत्युषा ने एक अप्रैल 2016 को अपने फ्लैट में फांसी लगा ली थी। हालांकि प्रत्युषा के माता-पिता ने थाने में हत्या की आशंका के साथ प्राथमिकी कराई थी, लेकिन आज तक इस रहस्य से पर्दा नहीं हट सका कि प्रत्युषा ने आत्महत्या की थी या उसकी हत्या की गई थी। उसकी मौत का जिम्मेदार कौन है, पुलिस यह पता नहीं लगा सकी।

तीन माह बाद जेल से बाहर निकला लोहा कारोबारी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जुगसलाई निवासी अमित अग्रवाल उर्फ विक्की भालोटिया तीन माह बाद घाघीडीह जेल से जमानत पर मंगलवार को निकला। उसे 11 दिसंबर 2023 को डायरेक्टर जेनरल ऑफ सेंट्रल जीएसटी इंटेलीजेंस (डीजीजीआई) ने कोलकाता के एक होटल से गिरफ्तार किया था। उस पर 9.52 करोड़ रुपये की जीएसटी में गड़बड़ी करने का आरोप है।

यहां बता दें कि उसे गिरफ्तार करने के लिए पहले आयकर अन्वेषण विभाग, पटना की टीम ने यहां छापेमारी की थी, लेकिन वह नया बाजार, जुगसलाई स्थित आवास पर नहीं मिला था। उसी समय टीम को पता चला कि वह कोलकाता के होटल में अपने तीन दोस्तों के साथ ठहरा है। तब जाकर विभाग की टीम ने कोलकाता पुलिस की मदद से उसे कोलकाता में गिरफ्तार कर यहां ले आई। जांच के दौरान सुबूत मिलने के बावजूद आयकर की टीम उसे गिरफ्तार नहीं कर पा रही थी,

तब जाकर जीएसटी की टीम ने उसे अपने पुराने मामले में गिरफ्तार करके जेल भेजा था।

2021 में भी हुआ था गिरफ्तार : विक्की भालोटिया इससे पहले 2021 में भी गिरफ्तार हुआ था। तब उसके खिलाफ बोकारो के ही एक व्यवसायी ने गबन का मामला दर्ज कराया था। वह गिरफ्तारी बंगाल पुलिस ने की थी। दोनों मामले लोहा कारोबार और उसमें इनपुट टैक्स क्रेडिट के अंतर्गत धोखाधड़ी से जुड़े हैं।

सुंदरगढ़ बीजेडी सांसद प्रत्याशी पद्मश्री डॉ. दिलीप तिर्की का हुआ भव्य स्वागत

PHOTON NEWS ROURKELA : बीजू जनता दल के सुंदरगढ़ सांसद प्रत्याशी के नाम की घोषणा के बाद डॉ दिलीप तिर्की पहली बार राउरकेला आए / बीजेडी की छात्र, युवा महिला, वरिष्ठ नेता और कार्यकताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान दिलीप तिर्की काफी भावुक हो गये और कहा, "आप सभी हमारे दल के योद्धा माननीय मुख्यमंत्री के लिए कई वर्षों से दल के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी आम चुनाव में सुंदरगढ़ की जनता को बड़ी सफलता मिलेगी और उनकी मेहनत की जीत होगी। इस दौरान वरिष्ठ नेता आनंद चंद्र मोहंती, जयंत कुमार मिश्रा,

सांसद प्रत्याशी दिलीप तिर्की का स्वागत करते कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

श्रीचरण महंती, सुदाम चंद्र दास, मिनती देवता, रश्मिता मिश्रा, आरती साहू, प्रियंका पाणि, मौसमी सतपति, नमिता नायक, नीलिमा साहू, धरित्री शेट्टी, मनोरमा बेहरा, संतोसिनी नायक, दमयंती साहू, विभूति पुहान, रंजन कुमार नायक, राजेंद्र कुजूर, डी अभिक कुमार, राहुल मोहंती, बिरंची सामल, संजीव छोटराए, प्रणय नायक, लालजी सिंह, काबुली प्रतिहारी, नसीम अख्तर, लिटू पुहान, जॉर्ज आनंद, आशुतोष जयसवाल, बाबूलाल रजक, प्रशांत नायक, लकी सिंह, धनजंय महापात्र, श्रीकांत नायक, इजाज अख्तर मुख्य रूप से उपस्थित थे।

आइटीआई पास विद्यार्थियों के लिये अप्रेंटिसशिप करना जरुरी : सीजीएम

CHAIBASA : सेल की मेघाहातुबुरु खदान प्रबंधन ने सीजीएम आरपी सेलबम के नेतृत्व में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें दो बैच के आइटीआई पास सारंडा के विभिन्न गांवों के 20 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र, बैग और फाईल दिया गया। इसके अलावे सारंडा के गांवों के 10 किसानों के बीच सब्जियों के बीज, खाद, झरना आदि वितरण किया। सभी 20 विद्यार्थियों को सीएसआर योजना के तहत मेघाहातुबुरु प्रबंधन ने अपने खर्च से आइटीआई कराया है। सीजीएम आरपी सेलबम ने आइटीआई पास सभी छात्रों का बेहतर भविष्य की कामना करते हुये कहा कि ग्रामीण विद्यार्थियों का स्कील डेवलपमेंट व बेहतर भविष्य हेतु आइटीआई कराया जा रहा है। एचएएम का प्रशिक्षण भी जल्द प्रारम्भ करेंगे।

ब्राह्मण कल्याण सभा के वरिष्ठ सदस्य मनोहर लाल का मना जन्मदिन

PHOTON NEWS ROURKELA : सामाजिक संगठन ब्राह्मण कल्याण सभा के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष मनोहर लाल महर्षि का जन्मदिन हनुमान वाटिका परिसर के भगवान परशुराम मंदिर परिसर में धूमधाम से मनाया गया। वरिष्ठ सदस्य मनोहर लाल के जन्मदिन को लेकर भगवान परशुराम की पूजा अर्चना किया गया और केक काट कर इस अवसर को मनाया गया।इस अवसर पर समाज के लोगों ने वरिष्ठ सदस्य महर्षि को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी, उनके दीघार्यु की कामना की गई। समाज को एकजुट होकर विकास के राह में लाने का आग्रह महर्षि ने किया वही परशुराम मंदिर में इलेक्ट्रॉनिक

जन्मदिन मनाते संगठनर के लोग। ● फोटोन न्यूज

यांत्रिक यंत्र आरती की घंटी का शुभारंभ महर्षि जी के हाथों से किया गया।इस मौके पर केक एवं मिठाई सभी के बीच वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के बजरंग लाल शर्मा, जुगल किशोर शर्मा,राम अवतार शर्मा,जगदीश हरित,दिलीप शर्मा, विनय शर्मा, मुरारी लाल चौमाल, शिव शंकर शर्मा, श्रवण परिक रामस्वरूप चौबे, टिंकू चोमाल, शांतिलाल पारीक, जयप्रकाश शर्मा, रविकांत शर्मा, शशिकांत शर्मा, राजेंद्र शर्मा, सुनील शर्मा, प्रद्युमन शर्मा,महावीर शर्मा समेत काफी संख्या में वरिष्ठ सदस्य गण समाज की महिला पुरुष सदस्य गण शामिल हुए।

विधायक सरयू राय ने विपक्ष से की धनबाद लोकसभा सीट के लिए बेहतर उम्मीदवार की मांग, बोले-

बिल्ली के गले में घंटी बांधने के लिए मैं तैयार

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : लोकसभा चुनाव में धनबाद की सीट हॉटकेक बन चुका है, अब इसमें कोई शक नहीं रहा। जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने मंगलवार को इसी मुद्दे पर संवाददाता सम्मेलन की, जिसमें सरयू ने कहा कि धनबाद में भाजपा ने जो उम्मीदवार दिया है, उसका विरोध कोई खुलेआम नहीं कर रहा है, लेकिन हर किसी के मन में दहशत है। मारवाड़ी समाज के कृष्णा अग्रवाल ने भी बाबूलाल मरांडी को यही पत्र लिखा था कि उम्मीदवार बदलिए, लेकिन पत्र मिलने के चार घंटे के अंदर उम्मीदवार (ढुल्लू महतो) का फोन आ गया और उन्होंने फोन पर ही कृष्णा अग्रवाल की ऐसी-तैसी कर दी। ऐसे समय में वहां के लोग मुझसे चुनाव लड़ने को कह रहे हैं, जबकि मैं कह रहा हूं कि विपक्ष

मीडिया को संबोधित करते विधायक सरयू राय। ● फोटोन न्यूज

वहां कोई बेहतर उम्मीदवार दे, वरना मैं तो बिल्ली के गले में घंटी बांधने को तैयार हूं। मेरा धनबाद की जनता से यही कहना है कि इस बार के चुनाव में सभी लोग पार्टी लाइन से हटकर अंतरात्मा की आवाज पर मतदान करें।

बाबूलाल भी जज नहीं : सरयू राय ने कहा है कि कल बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि उनका उम्मीदवार (ढुल्लू महतो) अपराधी नहीं है, सामाजिक व्यक्ति है। सरयू राय कोई जज नहीं हैं। इस पर मैं कहना चाहता हूं कि बाबूलाल भी जज नहीं हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की खंडपीठ ने कहा है कि दो साल से ज्यादा सजा पाने वाले की सदस्यता समाप्त होनी चाहिए। इस हिसाब से ढुल्लू महतो पर 50 से अधिक मुकदमे हैं, जिसमें चार अलग-अलग जजों ने सजा सुनाई है, वह करीब साढ़े चार साल हो रही है। ऐसे में बाबूलाल के उम्मीदवार के साथ क्या होना चाहिए, यह तो चुनाव आयोग को भी देखना चाहिए।

399 प्लस से भी प्रधानमंत्री का लक्ष्य पूरा हो जाएगा : विधायक सरयू राय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बार भाजपा के लिए 400 पार का नारा दिया है। मेरा कहना है कि यदि भाजपा एक सीट (धनबाद) को छोड़ दे तो 399 प्लस से भी प्रधानमंत्री का लक्ष्य पूरा हो जाएगा। भाजपा के उम्मीदवार की क्षेत्र में इतनी दहशत है कि कोई खुलकर बोलने का साहस नहीं कर पा रहा है। दबी जुबान से सभी मान रहे हैं कि उम्मीदवार ठीक नहीं है। ऐसे में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को भी सोचना चाहिए कि वे 399 पार में संतोष करना चाहते हैं या 400 पार ही चाहिए।

प्रिंस खान को संत कहा : सरयू राय ने प्रेस वार्ता में कहा कि धनबाद के एक संत हैं प्रिंस खान। वे विदेश से रहकर भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में लोगों को धमका रहे हैं। उनके नाम से एक ऑडियो वायरल हो चुका है, जिसमें हैदर अली उर्फ प्रिंस खान ने मुझे और कृष्णा अग्रवाल को धमकाया है। इस बारे में भी बाबूलाल को बोलना चाहिए कि प्रिंस खान और उनके उम्मीदवार (ढुल्लू महतो) में क्या गठबंधन है।

मधुसूदन दास एवं गोपबंधु दास की मनाई गई जयंती

PHOTON NEWS ROURKELA : सामाजिक संगठन राजस्थान परिषद की ओर से उत्कल दिवस के अवसर पर मधुसूदन चौक स्थित मधु बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के साथ दुर्गा मंडप के समक्ष शरबत वितरण किया गया / काफी संख्या में विभिन्न संगठन के लोगों एवं आम लोगों ने शरबत पी । बाद में अमर भगवान परिसर में उत्कल गौरव मधुसूदन दास एवं गोपाबंधु दास के चित्र पर माल्यार्पण करने के साथ उत्कल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राजस्थान परिषद के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल समेत अन्य पदाधिकारी शामिल हुए इसके बाद उत्कल जननी गाया गया/ मधुसूदन दास एवं गोपालबंधु दास के जीवनी पर प्रकाश डाला गया/ उत्कल गौरव मधुसूदन दास समाज हित के लिए अपना जीवन लगा दिए उनके काम को ओडिशा के लोग कभी भुला नहीं पाएंगे। इस कार्यक्रम के अवसर पर राजस्थान परिषद के उपाध्यक्ष जुगल किशोर मारोठिया, सचिव विनोद नरेड़ी, कोषाध्यक्ष मुकेश राज केडिया समेत अशोक अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, दीपक जैन, दिलीप शर्मा, रवि बगड़िया, गौरव चौधरी और अन्य सदस्य शामिल हुए।

36 लोगों की टीम कर रही सर्वे भूमिहार वोट

बैंक में सेंधमारी कर सिग्रीवाल को देंगे टक्कर

पटना। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के युवा चेहरे कन्हैया कुमार पर बहुत लोगों की नजरें टिकी है। कन्हैया ने पिछला लोकसभा चुनाव अपने गृह क्षेत्र बेगूसराय से सीपीआई के टिकट पर लड़ा था, लेकिन अब वो सीपीआई में नहीं बल्कि कांग्रेस में हैं। बड़ी बात यह है कि महागठबंधन में बेगूसराय सीट सीपीआई के हिस्से गई है और यहां से उम्मीदवार की घोषणा हो चुकी है। सीपीआई ने यहां से अवधेश राय को मैदान में उतारा है। इसके बाद यह चर्चा तेज है कि महाराजगंज सीट से कन्हैया कुमार लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि, कांग्रेस ने अभी इस पर फैसला नहीं लिया है। दिलचस्प यह है कि महाराजगंज में 35-40 लोगों

की टीम एक सर्वे कर रही है कि कन्हैया कुमार के नाम पर यहां के लोगों की राय क्या है। कन्हैया कुमार के साथ रहने वाले सुशील कुमार और उनकी टीम इस सर्वे में लगी है। सुशील कुमार बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य हैं। यह सर्वे कांग्रेस की ओर से आधिकारिक रूप से नहीं कराया जा रहा है, लेकिन सर्वे की रिपोर्ट कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जन खड़गे को सौंपी जाएगी। जानकारी है कि महाराजगंज में कन्हैया कुमार के नाम पर लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। आरजेडी के रणधीर सिंह बड़े अंतर से हारे थे महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र में सबसे अधिक आबादी राजपूत की है। इसके बाद भूमिहार की आबादी है। एनडीए ने यहां से एक बार फिर से जनार्दन सिंह सिग्रीवाल को उम्मीदवार बनाया है। पिछली बार यहां से बीजेपी के जनार्दन सिंह सिग्रीवाल के खिलाफ आरजेडी से प्रभुनाथ सिंह के बेटे रणधीर सिंह मैदान में थे। रणधीर सिंह 2 लाख 30 हजार 772 वोट से चुनाव हार गए थे। महाराजगंज प्रभुनाथ सिंह का किला नहीं रहा महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र में सीवान की दो और सारण की चार विधानसभा सीट शामिल हैं। गोरियाकोठी, महाराजगंज, बनियापुर, मांझी, एकमा और तरैया विधानसभा महाराजगंज लोकसभा में हैं। 1957 में महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र बना था। यह सीट उस समय काफी चर्चा में आया था, जब पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर यहां से 1989 में रिकार्ड मतों से लोकसभा का चुनाव जीते थे। उन्होंने जब इस्तीफा दिया तो रामबहादुर सिंह सांसद चुने गए। प्रभुनाथ सिंह यहां से लगातार चार बार सांसद रह चुके हैं। उमाशंकर सिंह भी सांसद बने। बीजेपी के जनार्दन सिंह सिग्रीवाल 2014 में और 2019 में यहां से लोकसभा का चुनाव जीते। प्रभुनाथ सिंह पिछले कई वर्षों से जेल में हैं। अशोक सिंह मर्डर केस में उनको आजीवन कारावास की सजा है। 1995 में छपरा में राजेंद्र राय (18) और दरोगा राय (47) की मतदान केंद्र के नजदीक हत्या हुई थी। प्रभुनाथ सिंह को सुप्रीम कोर्ट से सजा हुई। जानकारी है कि सुप्रीम कोर्ट से बेल भी रिजेक्ट है। लालू प्रसाद ने जिन बाहुबलियों को बिहार की राजनीति में संरक्षण दिया, उनमें एक बड़ा नाम प्रभुनाथ सिंह का भी था। आजीवन कारावास के बाद जब प्रभुनाथ सिंह का रास्ता राजनीति में बंद हो गया तो उनके बेटे रणधीर सिंह को आरजेडी ने टिकट दिया था। यह राजपूतों के बाद भूमिहारों की बड़ी आबादी वाला क्षेत्र हैं। प्रभुनाथ सिंह के बेटे रणधीर कुमार सिंह आरजेडी से आते हैं और 2019 के लोकसभा चुनाव में दूसरे नंबर पर जरूर रहे पर वोटों का अंतर 2 लाख 30 हजार 772 का रहा। सर्वे में बात सामने आ रही कि कन्हैया कुमार चुनाव लड़ते हैं तो बीजेपी के सिग्रीवाल को मजबूत टक्कर दे सकते हैं। कन्हैया के जीतने से कांग्रेस को 5 बड़े फायदे होंगे लोकसभा में मुखर नेता कांग्रेस को मिलेगा।

बिहार में 10 अप्रैल के बाद चलेगी लू

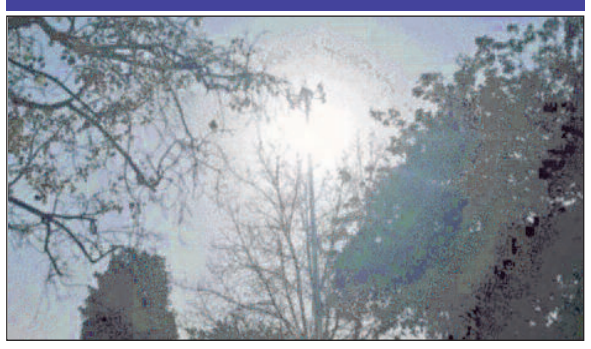

बिहार। के अधिकतर जिलों में मौसम आज सामान्य बना रहेगा। कड़ी धूप निकलेगी। उत्तरी-पछुआ शुष्क हवा चलने से गर्मी का कम एहसास होगा। मौसम विभाग के अनुसार 10 अप्रैल के बाद से ही प्रदेश में लू चलने लगेगी। सभी जिलों के अधिकतम तापमान में भी काफी वृद्धि देखने को मिलेगी। वहीं लगातार दूसरे दिन वैशाली जिले का तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके पहले रविवार को सबसे अधिक तापमान वैशाली में ही 41.9 डिग्री सेल्सियस रहा था। 1 अप्रैल से प्री मानसून का महीना शुरू हो गया है। उत्तरी-पछुआ शुष्क हवा ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। इस वजह से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी शुरू हो गई है। 10 अप्रैल के बाद से ही प्रदेश में लू चलने लगेगी। वहीं मौसम विभाग के अनुसार इस बार अधिक लू चलने की आशंका जताई जा रही है। इसकी वजह है अप्रैल की शुरूआत से ही शुष्क पछुआ हवा का चलना। अप्रैल में औसत अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। मौसम विभाग ने बारिश सामान्य से कम होने की संभावना है। 5 अप्रैल को फिर पश्चिमी विक्षोभ दस्तक देने वाला है। इसका थोड़ा बहुत असर बिहार के मौसम पर भी पड़ेगा। इस वजह से दो-तीन दिन अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कुछ कमी हो सकती है। इसी माह में काल बैसाखी का भी प्रभाव पड़ेगा। इसमें कहीं-कहीं तेज आंधी के साथ बारिश, मेघगर्जन, वज्रपात और ओला भी गिर सकता है तो कहीं धूल भरी तेज आंधी भी चल सकती है। पिछले साल अप्रैल में पटना समेत बिहार के कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई थी। दो-तीन दिन वेदर क्लाउडी था। पिछले 24 घंटे के दौरान वैशाली जिला सबसे गर्म रहा जहां का अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अगड़ा-पिछड़ा के साथ बाहुबली पर भी लौटे लोकसभा में विधानसभा का विनिंग कॉम्बिनेशन कर रहे तैयार

बिहार। पिछले दो चुनावों से बिहार की सियासत से बाहर रहे लालू प्रसाद यादव अचानक लोकसभा चुनाव में एक्टिव हो गए हैं। उनकी एंट्री इतनी दमदार हुई है कि वो एक बार फिर से विपक्ष की सियासत की धुरी बन गए हैं। महागठबंधन में सीट शेयरिंग हो या फिर कैंडिडेट सिलेक्शन, बिना उनकी सहमति के कुछ नहीं हो रहा है। इस चुनाव में लालू प्रसाद की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि

पहले वो अपने कैंडिडेट को सिंबल देते हैं। इसके बाद गठबंधन के सहयोगियों के साथ बैठकर सीट शेयरिंग करते हैं। टिकट बंटवारे में वो 90 के दशक वाले फॉमूर्ले को आजमा रहे हैं, जिसके दम पर उन्होंने बिहार में डेढ़ दशक तक राज किया। अगड़ा वर्सेज पिछड़ा के साथ-साथ बाहुबली, वफादार और पारिवारिक सदस्यों पर दांव लगा रहे हैं। ऐसे में चर्चा इस बात की शुरू हो गई है कि जब राजद की राजनीति में तेजस्वी यादव अपनी मजबूत पैठ बना चुके हैं। लालू की राजनीतिक विरासत को वो संभाल चुके हैं। बिना लालू पिछले विधानसभा में वो राजद को राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनाकर अपनी रणनीति साबित कर चुके हैं तो आखिर क्यों लालू प्रसाद यादव को एक बार फिर से कमान अपने हाथ में लेनी पड़ी? पॉलिटिकल एक्सपर्ट कहते हैं कि लालू प्रसाद यादव इस बात को अच्छे से जानते हैं कि इस लोकसभा चुनाव में उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं है। अपनी रणनीति के तहत वो एक भी सीट जीतने में कामयाब होते हैं, तो यह उनकी सफलता मानी जाएगी।

भोजपुर और नवादा के डीएम और एसपी हटाए गए

बिहार। लोकसभा चुनाव के मतदान के पहले निर्वाचन आयोग भोजपुर डीएम राजकुमार और एसपी प्रमोद कुमार यादव, साथ ही नवादा डीएम आशुतोष वर्मा और एसपी अम्बरीष राहुल पर एक्शन लिया है। निर्वाचन आयोग ने चारों अधिकारियों को हटा दिया है। साथ ही आम चुनाव पूरा होने तक किसी भी तरह की चुनावी ड्यूटी पर इन्हें नहीं लगाने का निर्देश दिया है। नवादा डीएम 2013 बैच के आईएएस हैं। नवादा में 15 जुलाई 2023 से पोस्टेड हैं। महागठबंधन की सरकार में डीएम बने थे। नौ महीने से भी कम वक्त नवादा में रहें। भोजपुर डीएम राजकुमार

2010 बैच के आईएएस अफसर हैं। 7 मई 2022 से भोजपुर डीएम की कुर्सी पर तैनात हैं। समाज कल्याण विभाग में भी पोस्टेड रहे हैं। मुजफ्फरपुर बालिका कांड के वक्त समाज कल्याण विभाग में तैनात थे। रोहिणी आचार्य ने आज चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। उन्होंने मंगलवार को लालू और राबड़ी से आशीर्वाद लिया। फिर पटना से सारण के लिए निकल गईं। वो वहां रोड शो करेंगी। पटना में उन्होंने कहा कि अभी मैं जनता के बीच जा रही हूं। हरिहरनाथ और मां-बाप, सास-ससुर का आशीर्वाद मिला है। रोहिणी सारण से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने भास्कर से चुनाव लड़ने की पुष्टि भी कर दी है। हालांकि अभी आधिकारिक रूप से पार्टी ने उन्हें प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। एक दिन पहले उन्होंने सोनपुर में परिवार के साथ हरिहरनाथ मंदिर में पूजा की थी। अपने चुनाव अभियान में निकले से पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया- ले कर अपने भगवान का आशीर्वाद चले हम अब जनता जनार्दन के द्वार। उन्होंने पोस्ट में लालू-राबड़ी के पैर छूते और मंदिर में पूजा करते हुए की तस्वीर भी शेयर की है। लोकसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियां तैयारी में जुटी हैं। बीजेपी ने इलेक्शन के लिए बिहार संग मोदी..मोदी संग बिहार गाने को लॉन्च किया। उसके बाद आज जदयू ने भी अपना इलेक्शन सॉन्ग रिलीज किया है। ये गाना 5 मिनट का है और इसे बिहार के बच्चों ने ही बनाया है। खास बात यह है कि इस गाने में बिहार में रोजगार देने पर फोकस किया गया है। बिहार में जदयू ने लोकसभा प्रभारियों की लिस्ट जारी की है।

2 कट्ठा जमीन के लिए पिता-पुत्र की गोली मारकर हत्या

भोजपुर। में 2 कट्ठा जमीन के लिए पिता-पुत्र की मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। पिता को 4 गोलियां लगीं, जबकि बेटे के पेट में बुलेट लगने से उसकी मौत हो गई। इस जमीन के टुकड़े के लिए गांव के दो परिवारों में विवाद चल रहा है। 15 साल में अब तक 8 लोगों का खून बह चुका है। 2009 में दोनों पक्षों में 3-3 लोगों की हत्याएं हुई थीं, जिसमें एक महिला भी शामिल है। अब पिता-पुत्र पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई है।मृतकों में रघुनीपुर गांव निवासी स्वर्गीय बली सिंह के बेटे रामाधार सिंह (65) और उनका बेटा मुकेश यादव (35) शामिल है। वारदात

उदवंतनगर थाना क्षेत्र के रघुनीपुर गांव में मंगलवार सुबह हुई। हत्या के बाद आरोपी एक घर में छिपे थे। उन्हें पकड़ने गई पुलिस पर आरोपियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में दो आरोपी को गोली लगी है। दोनों को इलाज के लिए ले जाया गया है। पिताझपुत्र की हत्या के बाद आरोपी हथियार के साथ बेलाऊर गांव के पूरब पट्टी सत्यपर स्थित एक घर में छिपे हुए थे। छिपने की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जहां आरोपियों की तरफ से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। कार्रवाई में दो आरोपी को गोली लगी है। जिनका इलाज अस्पताल में कराया जा रहा है। आरोपियों ने पुलिस पर 20 से 25 राउंड फायरिंग की। मृतक के बेटे जगेश ने बताया कि दो कट्ठे जमीन को लेकर 2009 से गांव के ही कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। मंगलवार की सुबह जब पूरा परिवार खेत में गेहूं काट रहा था, तभी हथियार लेकर विनोद यादव और उसके बेटे अमन यादव, चमन यादव आ धमके। ताबड़तोड़ फायरिंग कर मेरे पिता के सिर में गोली और भाई के पेट में गोली मार दी। जगेश ने कहा इस दौरान उन लोगों ने मुझ पर भी फायरिंग की, लेकिन मैं वहां से अपनी जान बचाकर भाग निकला। वहीं, घटना की सूचना मिलने के बाद एसपी परिचय कुमार अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। बताया जाता है कि मुकेश यादव अपने तीन भाई जगेश, भजेंद्र, फागुन और तीन बहन धनवती देवी, मानव देवी, शिकांति देवी में चौथे स्थान पर था। घर पर उसकी पत्नी देवी, दो बेटी प्रति और कृति और एक बेटा शिवम है।

नौकरी देने पर किया गया फोकस बिहार के बच्चों ने बनाया है ये गीत

बिहार। लोकसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियां तैयारी में जुटी हैं। बीजेपी ने इलेक्शन कैम्पेन के लिए बिहार में मोदी संग बिहार गाने को लॉन्च किया उसके बाद आज जदयू ने भी अपना इलेक्शन कैम्पेन सॉन्ग को रिलीज किया। ये सॉन्ग 5 मिनट का है और इसे बिहार के बच्चों ने ही बनाया है। खास बात यह है कि इस गाने में बिहार में रोजगार देने पर फोकस किया गया है। गाने में लाखों नौकरी देने की बात भी की गई है और नीतीश कुमार का छात्रों को सर्टिफिकेट देता हुआ विजुअल को इस्तेमाल किया गया है। इस मौके पर जदयू के राज्यासभा सांसद संजय झा ने

कहा कि थीम सॉन्ग 5 मिनट का है, जो बेहद प्रभावशाली है। इसमें नीतीश कुमार के विकास कार्यों को दशार्या गया है। अगर किसी भी पार्टी का थीम सॉंग लोगों को पसंद आ गया उसे जनता दिल में बसा लेती है। इससे फायदा जरूर होता है। बिहार की जनता के बीच जाएगी। उसी को लेकर प्रचार गीत तैयार किया गया है।

संक्षिप्त डायरी

प्रेमी संग रचाई शादी फिर फोटो सोशल मीडिया पर किया वायरल

मुजफ्फरपुर। में प्यार का एक अजीबोगरीब मामला प्रकाश में आया है। जहां अपने इश्क के रंग में रंगी युवती शादी से पहले ही प्रेमी संग फरार हो गई है। जहां घर से भागी युवती ने अपने प्रेमी के साथ शादी कर अब अपने शादी की तस्वीर को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया है। जिससे नाराज लड़की के घरवालों ने प्रेमी पर लड़की को जबरन घर से भगाने का आरोप लगाते हुए थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। दरअसल पूरा मामला मुजफ्फरपुर जिले के सकरा थाना क्षेत्र के सकरा वाजिद पंचायत का है। जहां की रहने वाली एक युवती की अगले माह एक मई को शादी होने वाली थी। जिसकी पूरी तैयारी घर में चल रही थी। लेकिन इसी बीच युवती शनिवार को अपने प्रेमी संग घर से भाग गई और प्रेमी संग शादी रचा कर अपने शादी की फोटो सोशल मीडिया पर प्रेमी जोड़े के द्वारा वायरल भी किया गया। जिससे लड़की के परिजन बेहद परेशान हो रहे है। वही इस संबंध में लड़की के परिजनों द्वारा स्थानीय थाना में युवक पर युवती को घर से भगाने के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। वही, इस संबंध में सुचना प्राप्त होते ही सकरा थाना की पुलिस ने मामले में पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को डिटेन किया गया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। इस संबंध में सकरा थाना प्रभारी राजू कुमार पाल ने बताया कि देर रात सूचना प्राप्त हुई थी कि थाना क्षेत्र के एक गांव से एक युवती घर से फरार हो गई है।

गया में पड़ोसी ने छत पर चोर को देख किया हल्ला लोगों को आता देख भागे चोर

गया। जिले के अतरी थाना क्षेत्र अंतर्गत मिश्र बिघा गांव में चोरों ने एक बंद घर को निशाने पर लिया और घर में जमकर उत्पात मचाया है। चोरों ने स्थानीय ग्रामीण मनोज कुमार के घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। पीड़ित मनोज कुमार के घर से सोने-चांदी के आभूषण समेत लाखों रुपए के सामानों की चोरी कर ले उड़े हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। घटना के संबंध में स्थानीय ग्रामीणों ने बताया रात में देखा कि पड़ोस के मनोज कुमार के छत पर कोई खड़ा है। ख्याल आया कि मनोज कुमार परिवार समेत घर बंदकर कहीं गए हुए हैं। जिसके बाद हमलोगों ने शोर-शराबा करना शुरू कर दिया। शोर-शराबा सुनकर ग्रामीण इकट्ठा होने लगे, चारों ओर से घिरते देख चोर सामान सहित छत से कूदकर भाग निकलने में सफल रहा। हालांकि चोर छत से कूदने के दौरान जख्मी भी हो गया था और उसके शरीर से खून भी बह रहा था। जिसे पकड़ने का काफी प्रयास किया गया लेकिन रात के अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। पीड़ित मनोज कुमार ने बताया। दो माह पूर्व मेरे घर शादी हुई थी और सारा सामान घर में ही रखा हुआ था। शाम में घर बंदकर सपरिवार अपने रिश्तेदार के यहां गए हुए थे। घर पर ताला लटकता देख चोरों को इसी का फायदा उठाया और घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। घर से सोने-चांदी समेत अन्य सामानों की चोरी कर फरार हो गए।

पिता ने चार के खिलाफ कराया केस दर्ज लाइनर के मदद से दिया गया वारदात को अंजाम

भोजपुर। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र सारंगपुर स्टेट बोरिंग के समीप रविवार के देर शाम हुए फाइनेंस कमी मुकेश की हत्या के मामले में प्राथमिक की दर्ज कराई गई है। इसे लेकर मृतक के पिता शंकर सिंह ने कर के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी कराई है। पूर्व दुश्मनी को लेकर हत्या की आशंका जताया है। प्राथमिक के बाद एएसपी परिचय कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया है। गठित टीम अपराधी तक पहुंचाने के लिए सीसीटीवी फुटेज के अलावा तकनीकी सूत्र एवं वैज्ञानिक अनुसंधान की मदद ले रही है। हत्या को लेकर पटना से आई एफ एस एल की टीम ने घटनास्थल से मिट्टी समेत खून का नमूना समेत महत्वपूर्ण साक्ष जब्त किए हैं। मृतक के मोबाइल का खंगाला जा रहा है। इधर,एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि शुरूआती जांच में या बात सामने आ रही है कि मुकेश की हत्या प्लानिंग के तहत हुई है। इस हत्या के पीछे लाइनर की अहम भूमिका है। मुकेश अलग-अलग समय पर ऑफिस से निकलकर घर जाता था। हत्या के दिन मुकेश अपने समय से काफी लेट था, इसी बीच लाइनर ने इसका एग्जैक्ट लोकेशन हत्यारों को बताते रहा है। लाइनर की भी तलाश की जा रही है। मृत युवक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बेल डुमरा गांव निवासी शंकर सिंह के 23 वर्ष से पुत्र मुकेश कुमार सिंह है। अपराधी तीन की संख्या में थे जो सफेद रंग की अपाचे बाइक से थे। चेहरे पर नकाब लगाए थे। घटना स्थल से एक मोबाइल में मिला है। मुकेश सिंह आरा शहर के कटरा स्थित एक फाइनेंस कंपनी में कलेक्शन का काम करते थे। रविवार की शाम ऑफिस बंद होने के बाद बाइक से वापस अपने घर लौट रहे थे कि सहारनपुर स्टेट बोरिंग के समीप तीन-चार की संख्या में रहे अपराधियों ने उन्हें गोलियों से भून दिया था और फरार हो गए थे। इधर पिता ने बताया था कि 1 साल पहले सैदपुर समेत अलग-अलग गांव के कुछ लोगों से विवाद हुआ था। पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है। कि जल्द से जल्द सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर उसे कड़ी सजा दिलाने काम करेंगे।

पप्पू यादव को मिला लालू यादव के साले का साथ

बिहार। में पूर्णिया हॉट सीट बन गई है। कारण हैं पप्पू यादव। एक तरफ पप्पू यादव ने दो टूक कह दिया है लड़ेंगे तो पूर्णिया से ही। दूसरी तरफ राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पूर्णिया से उनका टिकट काटने पर अड़े हुए हैं। अब पप्पू यादव को लालू यादव के साले और राबड़ी देवी के भाई साधु यादव का समर्थन मिला है। साधु यादव ने दैनिक भास्कर से खास बातचीत में कहा कि पूर्णिया में पप्पू यादव के साथ नाइंसाफी हो रही है। हालांकि, इसके आगे कुछ भी बोलने से उन्होंने इनकार कर दिया। कहा- वो अभी वेट एंड वॉच की स्थिति में हैं। वहीं, रोहिणी यादव के पॉलिटिकल डेब्यू पर साधु यादव ने कहा कि चुनाव लड़ना-लड़ाना लोगों की मर्जी पर निर्भर करता है। लालू यादव की पार्टी है। वे जिसे चाहेंगे, चुनाव लड़वाएंगे। रोहिणी को शुभकामना देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि समय आने पर उन्हें शुभकामना देंगे। साधु यादव इस चुनाव में क्या कर रहे हैं, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि वो अभी चुपचाप घर में बैठे हैं और सब कुछ देख रहे हैं। फिलहाल वेट एंड वॉच की स्थिति में हैं। वक्त बताएगा कि आगे क्या होगा। फिलहाल इस पर कुछ नहीं बोलेंगे।

बीजेपी छोड़ अजय निषाद ने जॉइन की कांग्रेस

मुजफ्फरपुर। से बीजेपी के सांसद अजय निषाद ने कांग्रेस जॉइन कर ली है। दिल्ली में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर आलाकमान का आदेश हुआ तो जनता की अदालत में जाऊंगा। बता दें कि इस बार टिकट कटने से नाराज अजय निषाद ने बीजेपी से थोड़ी देर पहले ही इस्तीफा दिया था। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- ₹...भाजपा द्वारा छल किये जाने से छुब्ध होकर मैं पार्टी के सभी पद के साथ प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं. दूसरी तरफ सासाराम

से बीजेपी सांसद छेदी पासवान के भी कांग्रेस में शामिल होने की खबर है, हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन इस बार छेदी पासवान को भी भाजपा ने टिकट नहीं दिया है। जिससे वे नाराज चल रहे हैं। छेदी पासवान को अभी तक कांग्रेस की तरफ से समय नहीं दिया गया है। बताया जा रहा है कि मीरा कुमार छेदी पासवान को कांग्रेस में एंट्री को लेकर नाराज हैं। कांग्रेस में मीरा कुमार का कद बड़ा है और वे छेदी पासवान की एंट्री कांग्रेस में न हो इसमें पुरजोर ताकत लगा रही हैं। वे इसमें सफल भी हो सकती हैं। बता दें कि कांग्रेस बिहार में 9 सीटों के लिए मजबूत उम्मीदवारों पर मंथन कर रही है। दो सीटों किशनगंज में कांग्रेस ने मोहम्मद जावेद और कटिहार में कांग्रेस ने तारिक अनवर का नाम लगभग फाइनल कर दिया है। भागलपुर में अजीत शर्मा और प्रवीण कुशवाहा के बीच मामला फंसा हुआ है। सासाराम में बीजेपी ने शिवेश राम को उम्मीदवार बनाया है जबकि मुजफ्फरपुर में बीजेपी ने डॉ. राजभूषण चौधरी को मैदान में उतारा है। टिकट कटने से छेदी पासवान और अजय निषाद काफी नाराज हैं। मुजफ्फरपुर से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के बेटे आकाश भी जोर लगाए हुए हैं। अगर उन्हें मुजफ्फरपुर नहीं मिलता है तो पश्चिमी चंपारण से भी टिकट ले सकते हैं।

सासाराम अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व सीट है। शेरशाह सूरी की कर्मस्थली है। जगजीवन राम की वजह से देश की राजनीति में सासाराम सीट चर्चित रही। वे उप प्रधानमंत्री हुए थे। सासाराम से 1952 से 84 तक वे आठ बार सांसद बने। उनकी बेटी मीरा कुमार दो बार यहां से सांसद रहीं। मीरा कुमार लोकसभा अध्यक्ष रहीं और राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार भी थीं। 2014 में यहां से बीजेपी के छेदी पासवान ने मीरा कुमार को हरा दिया। वे 2019 में भी सांसद चुने गए। पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में सासाराम से बीजेपी के छेदी पासवान को 49,4800 वोट और मीरा कुमार को 32,9055 वोट मिले, लेकिन बीजेपी ने यहां छेदी पासवान का टिकट काटकर शिवेश राम को टिकट दे दिया है। सासाराम संसदीय क्षेत्र में मोहनिया, भभुआ, चौनपुर, चेनारी, सासाराम और करगहर विधान सभा क्षेत्र आते हैं।

मुजफ्फरपुर क्रांतिकारियों की जगह रही है।1908 में खुदी राम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने अंग्रेज कमिश्नर को मारने के लिए बम फेंका था। राजनीति में जय नारायण निषाद और जॉर्ज फर्नांडिस यहां से जीतते थे। मुजफ्फरपुर में 2019 में बीजेपी के अजय निषाद को 659833 वोट मिले और वीआईपी के राजभूषण चौधरी को 254832 वोट मिले, लेकिन यहां बीजेपी ने अजय निषाद का टिकट काटकर राजभूषण चौधरी को टिकट दे दिया। संसदीय क्षेत्र में गायघाट, औराई, बोचहां, सकरा, कुढ़नी, मुजफ्फरपुर विधानसभा क्षेत्र आते हैं

एक अभियान नशाखोरी की कातिल राहों के खिलाफ

रामरतन चूड़ीवाला

नशा मुक्त भारत आंदोलन के राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्र सरकार एवं पंजाब सरकार से कानूनी तौर पर नशाबंदी लागू करने, सभी तरह के नशे का उत्पादन करने वाले केंद्रों को बंद करने, सभी स्कूलों और कॉलेजों में डोप टेस्ट केंद्र खोलने, युवाओं को रोजगार ,की कानूनी गारंटी देने, केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों को नशा करते या नशा किए हुए पाए जाने पर तत्काल निलंबित किए जाने का कानूनी प्रावधान करने, 10 हजार की आबादी पर एक नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्र खोलने, नशा करने वालों को मरीज मानकर निःशुल्क इलाज करने, शराब की दुकान बंद करने के लिए 50% महिलाओं के द्वारा लिखित आपत्ति करने के प्रावधान को कानूनी तौर पर लागू करने, अवैध शराब बिक्री करने वाले को जमानत देने के कड़े प्रावधान करने, नशीले पदार्थों की तीन बार बिक्री करने पर पकड़े जाने वाले को जिला बदर करने , नशा से मरने वालों के परिजन को 10 लाख का मुआवजा देने की मांग करते हुए प्रस्ताव पारित किया गया।

कोई भी समाज तभी समृद्ध बन सकता है, जब इसकी युवा पीढ़ी स्वस्थ एवं सुंदर हो। यह स्वस्थता एवं सुंदरता केवल शरीर से ही नहीं, अपितु विचारों में भी झलकनी चाहिए। यह युवा शक्ति ही किसी प्रदेश या देश का आने वाला कल निर्धारित करती है। जिस तरह एक बीज में पूरे पौधे अथवा पेड़ की संरचना, रंग-रूप, फल इत्यादि सब निहित होता है, उसी तरह युवा पीढ़ी समाज का बीज है। बीज अच्छा हो और उसका रोपण एवं पालन-पोषण अच्छा हो, तभी वह फलदार वृक्ष बनता है। इसी तरह यदि हमारी युवा पीढ़ी अच्छे वातावरण में पले-बढ़े, तो हम एक समृद्ध प्रदेश एवं खुशहाल राष्ट्र का निर्माण करने में सफल हो सकते हैं। इसके बावजूद हम आजकल एक भयाभह बीमारी के रूप में सुनते, पढ़ते और देखते हैं और वह है, मादक पदार्थों का प्रचलन। नशाखोरी केवल कानून व्यवस्था का ही विषय नहीं है,वरन शिक्षा व्यवस्था, रहन-सहन, पारिवारिक वातावरण, बच्चों की परवरिश एवं अन्य मनोरंजन सुविधाएं आदि इसको प्रभावित करते हैं। शराब, सिगरेट, भांग, चरस, हेरोइन, तंबाकू, चिट्टा इत्यादि हमारी युवा पीढ़ी की नसों में जहर घोल रहा है। एक सर्वेक्षण के अनुसार देश के करीब 45 फीसदी नौजवानों को नशे की लत लग गई है।

नशा मुक्त भारत आंदोलन की पंजाब इकाई द्वारा अमृतसर के रतन सिंह चौक, आबादी करमपुरा में नशा मुक्त भारत आंदोलन की राष्ट्रीय संयोजक, सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर की अध्यक्षता में तथा कर्नाटक विधानसभा के पूर्व उप-सभापति एवं विधायक बी आर पाटिल, भाकियू (उग्रहां) के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उग्रहां, मध्यप्रदेश के पूर्व विधायक एवं किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुनीलम की विशेष उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों द्वारा नशा मुक्ति के संदेश के साथ हुई। सभी धर्म गुरुओं ने बताया कि उनके धर्म में नशा करना निषेध है इसके बावजूद भी नशे का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। सभी ने गांधी जी का उल्लेख करते हुए कहा कि शराब के सेवन से मनुष्य के शरीर और बुद्धि के साथ-साथ आत्मा का भी नाश हो जाता है। शराबी अनेक बीमारियों से ग्रसित हो जाता है।

नशा मुक्त भारत आंदोलन के राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्र सरकार एवं पंजाब सरकार से कानूनी तौर पर नशाबंदी लागू करने, सभी तरह के नशे का उत्पादन करने वाले केंद्रों को बंद करने, सभी स्कूलों और कॉलेजों में डोप टेस्ट केंद्र खोलने, युवाओं को रोजगार ,की कानूनी गारंटी देने, केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों को नशा करते या नशा किए हुए पाए जाने पर तत्काल निलंबित किए जाने का कानूनी प्रावधान करने, 10 हजार की आबादी पर एक नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्र खोलने, नशा करने वालों को मरीज मानकर निःशुल्क इलाज करने, शराब की दुकान बंद करने के लिए 50% महिलाओं के द्वारा लिखित आपत्ति करने के प्रावधान को कानूनी तौर पर लागू करने, अवैध शराब बिक्री करने वाले को जमानत देने के कड़े प्रावधान करने, नशीले पदार्थों की तीन बार बिक्री करने पर पकड़े जाने वाले को जिला बदर करने , नशा से मरने वालों के परिजन को 10 लाख का मुआवजा देने की मांग करते हुए प्रस्ताव पारित किया गया। प्रस्ताव में कहा गया कि सरकारें राजस्व जुटाने की आड़ में नशा बिक्री एवं उत्पादन करने की बजाय देश की 500 सबसे बड़ी कंपनियों पर 50% टैक्स लगाने और स्कूल कॉलेज के पाठ्यक्रम में नशाबंदी विषय अनिवार्य तौर पर जोड़े जाने का प्रावधान करें। सम्मेलन में लिए गए उक्त प्रस्तावों को सरकारों को भेजने का निर्णय लिया गया तथा सभी चुनाव लड़ने वाली पार्टियों से इन मुद्दों को मेनिफेस्टो में शामिल करने की मांग की गई।

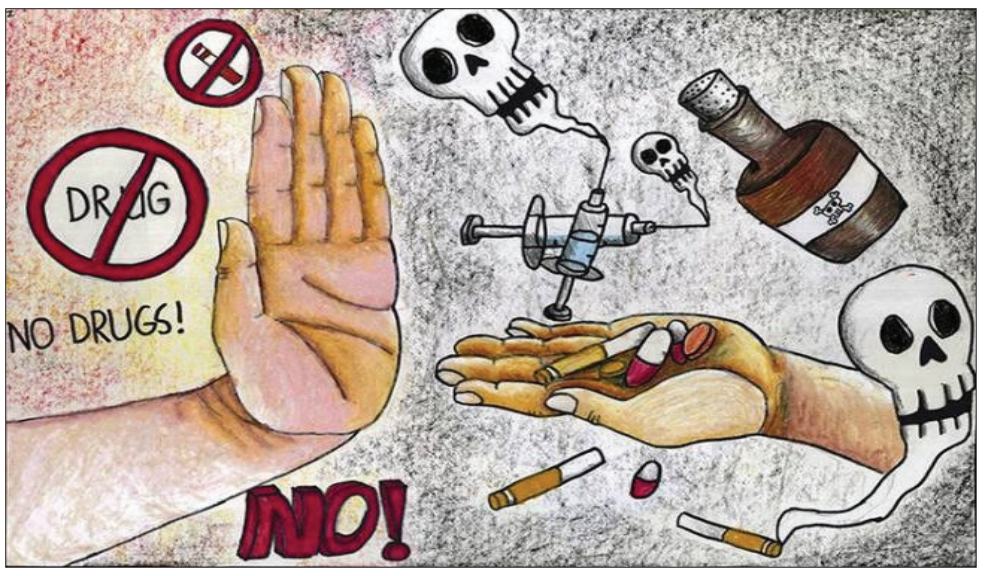

नशा मुक्त भारत आंदोलन के पंजाब प्रांत के संयोजक एड.अंकुर गुप्ता ने सम्मेलन में आए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि जब वे डी ए वी कॉलेज के अध्यक्ष थे तभी उन्होंने पंजाब को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया था।

उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा को षडयंत्र पूर्वक बर्बाद कर पंजाब को कमजोर किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान मेधा पाटकर ने स्वयं नशा न करने तथा अपने सामने किसी को भी नशा नहीं करने देने तथा हर तरह के नशे से मुक्त रहने का संकल्प सम्मेलन में आए हजारों अमृतसर वासियों को दिलाया। सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर ने कहा कि नशा तो कई चीजों का होता है, लेकिन जीवन को बर्बाद करने वाले और दूसरों पर खास कर महिलाओं पर हिंसा और अत्याचार करने वाला नशा शराब और ड्रग्स का होता है। उन्होंने कहा कि नशा का व्यापार और उससे कमाई करने का अधर्म सत्ताधीश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शराब के व्यापारी और राजनीति में गठजोड़ है इसलिए गुजरात के साथ-साथ और 5- 6 राज्यों में शराब बंदी का कानून है लेकिन पंजाब जैसे राज्यों में क्यों नहीं? जबकि संविधान के अनुच्छेद 47 के अनुसार शराबबंदी हर शासन की जिम्मेदारी और कर्तव्य है। इसलिए हम पंजाब को नशा मुक्त करने के साथ-साथ भारत को नशा मुक्त करना चाहते हैं।

कर्नाटक के विधायक बी आर पाटिल ने कहा कि शराब माफिया अनेक राज्यों में राजनीतिक दलों और सरकारों पर हावी हो गया है। उन्होंने कहा कि शराब एवं नशीले पदार्थों की खरीद और नशीले पदार्थों की खेती और बिक्री से जो राजस्व प्राप्त हो रहा है, उसे गांधी जी ने पाप की कमाई कहा था।

उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए शराब का इस्तेमाल न करें। केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर विशेष ध्यान देना चाहिए। पूरे देशभर में नशा मुक्ति को लेकर सभी राष्ट्रीय पार्टियां अपने मेनिफेस्टो में इसे प्रमुखता से स्थान दें। प्रख्यात किसान नेता जोगिंदर सिंह उग्रहां ने कहा कि देश का युवा नशा नहीं, रोजगार की कानूनी गारंटी चाहता है।

उन्होंने कहा कि सोच समझकर ड्रग्स का कारोबार का जाल गांव गांव में फैलाया जा रहा है ताकि युवा पीढ़ी का करियर उनकी ऊर्जा को पूरी तरह बर्बाद किया जा सके। नशा कोई भी हो उसकी सर्वाधिक पीड़ा महिलाओं को होती है।

डॉ सुनीलम ने कहा कि गुजरात के मुंद्रा में अडानी का बंदरगाह ड्रग्स के कारोबार का केंद्र बन गया है। 31 जनवरी 2023 तक दो साल में मुंद्रा में अडानी के बंदरगाह से 375.50 करोड़ रुपए की 75 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई तथा सितंबर 2021 में राजस्व खुफिया निदेशालय (ऊक्क), एक केंद्रीय एजेंसी ने मुंद्रा बंदरगाह पर दो कंटेनरों से लगभग 3,000 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी, इसकी कीमत लगभग 21,000 करोड़ रुपए थी। लेकिन बंदरगाह के मालिक अडानी, प्रशासकों, सुरक्षा अधिकारियों को सरकार का अभयदान प्राप्त है।

डॉ. सुनीलम ने कहा कि चुनाव में तमाम दावों के बावजूद शराब बांटने का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि नशे में मतदान करने वाले मतदाता कभी सही उम्मीदवार का चयन नहीं कर सकता।

डॉ. सुनीलम ने कहा कि अत्यधिक नशे के सेवन से हर वर्ष 10 लाख से अधिक भारतीयों की मौत हो रही है लेकिन सरकारें राजस्व कमाने के लिए अपने ही देश के नागरिकों की संस्थागत हत्याओं का कारण बन रही है।

डॉ सुनीलम ने देश के 500 सर्वाधिक अमीर पूंजीपतियों और कॉर्पोरेट पर 50% टैक्स लगाकर, केंद्र सरकार से देश में शराबबंदी लागू करने की मांग की।

किसान संघर्ष समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुशीला ताई मोराळे ने कहा कि देश में 37 करोड़ लोग नशे से प्रभावित है। इसके साथ ही नशा करने वालों में शराब पीने वालों की संख्या 16 करोड़ तक पहुंच गई है। शराब पीने वालों में 19 प्रतिशत (लगभग 3 करोड़) ऐसे हैं जो शराब के बिना रह नहीं पाते। 2.26 करोड़ लोग यानी कुल आबादी का 2.1 प्रतिशत अफीम, उसके डोडे, हेरोइन, स्मैक और ब्राउन शुगर जैसी ड्रग्स के शिकंजे में फंस चुके हैं।

उन्होंने कहा कि नशे से पीड़ित समाज कभी भी विश्व गुरु नहीं बन सकता।

नशा मुक्त भारत आंदोलन की म.प्र. राज्य संयोजक एड. आराधना भार्गव ने कहा कि देश में नशे के चलते 80 % से ज्यादा महिला हिंसा और दुर्घटनाएं होती है। उन्होंने महिलाओं को प्रतिमाह कुछ राशि दिए जाने की जगह देश में शराबबंदी लागू करने की मांग की ताकि महिलाएं सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें।

ग्राम रक्षक दल की अध्यक्ष माया ताई चौरे ने कहा कि ग्रामीण महिलाएं दारू बंदी करने के लिए कई दशकों से आंदोलन चला रही है लेकिन सरकारें महिलाओं की बात सुनने की बजाय शराब माफियाओं के साथ खड़ी दिखलाई देती है। सरकार रोजगार न देने की अपनी विफलता को छुपाने के लिए नशाखोरी को बढ़ावा दे रही है।

खुदाई खिदमतगार के संयोजक फैज़ल खान ने कहा कि इस्लाम में शराब को हराम बतलाया गया है। उन्होंने कहा कि पूरे समाज में नशाखोरी बढ़ने के कारण तेजी से बेरोजगारी बढ़ी है। पंजाब सहित देश भर में नशे का टारगेट युवा ही होते हैं। शराब से पूरा घर बर्बाद होता है। परिवार का हर तरह से आर्थिक, सामाजिक, मानसिक, शारीरिक नुकसान होता है। पंजाब इसका एक जीता जागता उदाहरण है।

डॉ सुखजोत सिंह ने कहा कि पंजाब ने खेती को लेकर जो रास्ता दिखाया है वह नशामुक्ति को लेकर भी देश को रास्ता दिखलाएगा। दिल्ली के जन जागरण सामाजिक संगठन के शशि भूषण ने कहा कि जो जितना गरीब है, उस पर शराब एवं अन्य नशे पर किए जाने वाले खर्च का उतना अधिक असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब नशाखोरी के खिलाफ थे इसलिए संविधान में नशे का व्यापार करने पर रोक लगाई गई परंतु सरकारें संविधान के खिलाफ जाकर शराब की अधिक से अधिक बिक्री कराती है।

दिल्ली से वरिष्ठ पत्रकार एवं नशा मुक्ति आंदोलन के सुशील खन्ना ने संबोधित किया। उन्होंने कहा मैंने अपने बेटे को खोया है। मैं नहीं चाहता कि किसी दूसरे का बेटा नशे का शिकार बने।

संपादकीय

रैली की सफलता

नेताओं के जुटान के नजरिए से देखा जाए तो विपक्षी इंडिया गठबंधन की दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली एक सफल रैली थी।इसने अपने अंतर्विरोधों के साथ और उसके बावजूद भी एकजुटता जाहिर की है, जिससे यह संदेश गया है कि इंडिया में एनडीए को चुनौती देने का दम-खम है। भ्रष्टाचार के कथित मामले में जांच एजेंसियों की ह्यएकपक्षीयह्ण सक्रियता से भी उनके नेताओं के चुनावी जोश में कोई फर्क नहीं पड़ा है। इंडिया के 27-28 दलों की मंच पर कतारबद्ध मौजूदगी इसे प्रामाणिक बनाती है। तभी तो रैली में रखे कांग्रेस के पांच न्यायों में से एक ह्यचुनाव के दौरान विपक्षी राजनीतिक दलों का आर्थिक रूप से गला घोंटने की जबरन कार्रवाई को तुरंत बंद करने की आयोग से मांगह्ण पर कदम उठाया गया है। आयकर विभाग ने जुलाई तक उसके खाते पर किसी कार्रवाई से इनकार कर दिया है। यह त्वरित सफलता है। इसके अलावा, चुनाव आयोग से आम चुनावों में समान अवसर मुहैया कराने, चुनाव में हेराफेरी करने के उद्देश्य से विपक्षी दलों के खिलाफ जांच एजेंसियों की कार्रवाइयों पर रोक लगवाने, चुनावी चंदे का उपयोग कर भाजपा द्वारा बदले की भावना, जबरन वसूली और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी का गठन करने तथा सरकार से हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल की तुरंत रिहाई की मांग उन पांच न्यायों में शामिल है। ये बिंदु विपक्ष के चुनाव प्रचार एवं मुद्दे की एक व्यापक आम समझ जाहिर करते हैं। इन्हीं मुद्दों पर विपक्ष चुनाव में सरकार को घेरेगा। इनके बावजूद, दलगत सिद्धांतों एवं इसी आधार पर सीट शेयरिंग के साथ चुनिंदा नेताओं के व्यक्तित्व को लेकर एक समझ में आ सकने वाली दुविधा से यह रैली अछूती नहीं थी।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है। लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का। श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं। अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

भारत रत्न, लालकृष्ण आडवाणी

महामहिम, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को हालिया उनके घर पहुंच कर भारत रत्न हे सम्मानित किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू भी मौजूद रहे। भारत रत्न से सम्मानित की गई, इन महान हस्तियों में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पीवी नरसिम्हा राव के अलावा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर, कृषि विज्ञानी एमएस स्वामीनाथन और उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी का नाम भी शामिल था। सिर्फ आडवाणी इन पांच हस्तियों में से जीवित हैं। उनकी सेहत बेहतर नहीं थी इसलिए वह सम्मान समारोह में नहीं पहुंचे थे। हाल ही में भारत सरकार ने 31 मार्च 2024 को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा की है। तब प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा था, ह्यमुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। मैंने भी उनसे बात की और इस सम्मान से सम्मानित होने पर उन्हें बधाई दी। हमारे समय के सबसे सम्मानित राजनेताओं में से एक, भारत के विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

उनका जीवन जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर हमारे उपप्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने तक का है। उन्होंने हमारे गृह मंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में भी अपनी पहचान बनाई।ह्व

स्तुत्य, लाल कृष्ण आडवाणी का जन्म 8 नवंबर, 1927 को कराची (अब पाकिस्तान में) हुआ था। आडवाणी ने 1980 में स्थापना के बाद से सबसे लंबे समय तक भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। लगभग चार दशकों के संसदीय करियर के दौरान वह पहले गृह मंत्री और बाद में अटल बिहारी वाजपेयी (1999-2004) के मंत्रिमंडल में उप प्रधान मंत्री रहे। उन्हें बीजेपी के सबसे कुशल नेता के तौर पर भी देखा जाता रहा है। भारतीय जनता पार्टी को भारतीय राजनीति में एक प्रमुख पार्टी बनाने में उनका योगदान सर्वोपरि कहा जा सकता है। जनवरी 2008 में राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन ने लोकसभा चुनावों को आडवाणी के नेतृत्व में लड़ने तथा जीत होने पर उन्हें प्रधानमन्त्री बनाने की घोषणा की थी। भारतीय जनता पार्टी के जिन नामों को पूरी पार्टी को खड़ा करने और उसे राष्ट्रीय स्तर तक लाने का श्रेय जाता है। उसमें सबसे आगे की पंक्ति का नाम है लालकृष्ण आडवाणी। अनुकरणीय, लालकृष्ण आडवाणी कभी पार्टी के कर्णधार कहे गए, कभी लौह पुरुष और कभी पार्टी का असली चेहरा। कुल मिलाकर पार्टी के आजतक के इतिहास का अहम अध्याय हैं लालकृष्ण आडवाणी। जन कल्याण और देश के विकास में में उनके अहम समर्पण को सदा यादगार रहेगा। समाज, संसद और जनप्रतिनिधि के अतुलनीय कार्य के सम्मान के लिए लालकृष्ण आडवाणी देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न के सच्चे हकदार थे। अपने कार्यों से देश को गौरवान्वित करने वाले भारत रत्न को मंगलमय, शुभकामनाएं। आपका सानिध्य, आशिष और मार्गदर्शन सदा प्रेरणापुंज रहेगा।

– हेमेन्द्र क्षीरसागर

क्रिकेट : रफ्तार के नए सौदागर मयंक यादव

मनोज चतुर्वेदी

क्रिकेट में पेस गेंदबाजी की बात है तो पिछले एक दशक में भारत ने इस क्षेत्र में खासी तरक्की की है। ईशांत शर्मा के बाद से शुरू हुए सिलसिले ने जसप्रीत बुमराह की सफलताओं के बाद इस क्षेत्र में खासी तरक्की देखी गई है।

दो-तीन साल पहले उमरान मलिक के आईपीएल में सबसे तेज गेंद 153 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार निकालने के बाद अब इस साल लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए पदार्पण करने वाले मयंक यादव ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 155.8 किमी. की रफ्तार निकालकर इस सत्र में अब तक के सबसे तेज गेंदबाज होने का गौरव हासिल कर लिया है।

मयंक ने इस मैच में लगातार 150 किमी. से ऊपर की रफ्तार निकालकर लखनऊ को मैच जिताने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 27 रन देकी तीन विकेट लिए। उनकी गति के बारे में हारने वाली टीम के कप्तान शिखर धवन ने कहा कि मयंक की गति ने हमें सरप्राइज कर दिया।

हम सभी जानते हैं कि कुछ सालों पहले तक पेस गेंदबाजी की चर्चा होती थी, तो ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्ट इंडीज के गेंदबाजों की ही चर्चा हुआ करती थी, लेकिन बुमराह के आने के बाद से भारत भी इस क्षेत्र में लगातार उपलब्धियां हासिल करता रहा है। इससे प्रेरणा पाकर तमाम युवा इस क्षेत्र में सामने आ रहे हैं। पर हमें इन युवाओं के ग्रेजुएशन की व्यवस्था और बेहतर करने की जरूरत है। आईपीएल के माध्यम से ही दो-तीन साल पहले उमरान मलिक निकले थे।

जम्मू-कश्मीर का यह पेस गेंदबाज अब तक भारतीय टीम का नियमित सदस्य नहीं बन सका है। अब मयंक यादव की गति की चर्चा तो हो रही है। पर जरूरत इन गेंदबाजों को भारतीय टीम तक पहुंचाने की है। अगर यह गेंदबाज खेलेंगे तो 150 किमी. से ज्यादा की गति निकालने वाले गेंदबाजों की लाइन लग सकती है। मयंक यादव इस बार के घरेलू सीजन की शुरूआत से ही बीसीसीआई चयनकताओं के राडार पर आ गए हैं।

असल में देवधर ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन ने उन्हें सुर्खियां दिलाई हैं। उन्होंने देवधर ट्रॉफी में 12 विकेट निकाले और संयुक्त रूप से पहले स्थान पर रहे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज के दौरान उन्हें विराट कोहली, रोहित शर्मा और केएल राहुल को गेंदबाजी करने के लिए बुलाया गया था। यह सभी बल्लेबाज उनकी गेंदबाजी से प्रभावित भी हुए, लेकिन इसी दौरान पसली में फ्रेक्चर होने से वह रणजी सीजन में नहीं खेल सके। एलएसजी के सहायक कोच विजय दहिया की निगाह मयंक पर पड़ी और उन्होंने तत्काल गौतम गंभीर से बात करके उन्हें 2022 की नीलामी में 20 लाख रुपए में खरीद लिया।

पर वह चोटिल होने की वजह से 2023 के आईपीएल सीजन में नहीं खेल सके, लेकिन अब वह एक ही प्रदर्शन से सभी की आंखों का तारा बन गए हैं। मयंक के पिता प्रभु यादव बताते हैं कि वह बचपन से ही उसे वेस्टइंडीज के पेस गेंदबाज कर्टली एम्ब्रोस की कहानियां सुनाते थे कि उसकी गेंदबाजी की गति से विरोधी बल्लेबाजों के मन में डर बना रहता था। वह कहते हैं कि मैं उससे इसी तरह का गेंदबाज बनने के लिए कहता था। मयंक को गेंदबाजी में तेजी इसलिए भी भाती थी कि वह बचपन से ही एयरो प्लेन, सुपर बाइक जैसी तेज चीजों को पसंद करते थे। मयंक के 14 साल का होने पर वह उसे तारक सिन्हा संचालित सोनेट क्लब ले गए। वहां कोच देवेंद्र शर्मा ने उनके कॅरियर को शेप देने में अहम भूमिका निभाई। यह कहा जा रहा है कि पिता बचपन से ही चाहते थे कि उनका बेटा भी सचिन तेंदुलकर की तरह क्रिकेटर बने, जिससे उनका नाम भी दुनिया में फैल सके।

मयंक को बचपन से ही क्रिकेट का शौक था। वह स्कूल से लौटते ही गली में साथी बच्चों के साथ क्रिकेट खेलने लगते। इसके बाद वह स्कूल की टीम से खेलने लगे। वह जब 14 साल की उम्र में सोनेट क्लब में शामिल हुए तो उनके कॅरियर को सही दिशा मिली। कोच शर्मा बताते हैं कि वह जब क्लब में ट्रायल में भाग लेने आया था, तब उसके पास सही स्पाइक्स भी नहीं थे। पर उसमें ट्रायल में भाग लेने वाले अन्य गेंदबाजों से तेजी ज्यादा थी। वह कहते हैं कि

वह बहुत ही सामान्य लड़का है।

2021-22 के सत्र में जब पहली बार उसे विजय हजारे ट्रॉफी के लिए दिल्ली टीम में चुना गया, तो उसने क्लब में सभी सदस्यों को मिठाई खिलाई। वह याद करते हुए बताते हैं कि विजय हजारे ट्रॉफी के मैच में उसे आखिरी ओवर में तीन रन बचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई और उसने दिल्ली को जिता दिया था। मयंक ने आईपीएल का पहला मैच खेलने के बाद कहा था कि मेरा पहला विकेट ही मेरे लिए सबसे महत्त्वपूर्ण है। मयंक के प्रदर्शन पर पूर्व टेस्ट क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा कि जिस तरह शोएब अख्तर का नाम उनके शहर की मशहूर ट्रेन ह्यरावलपिंडी एक्सप्रेसह्ण रखा गया, उसी तरह मयंक दिल्ली से आता है तो उसका नाम ह्यराजधानी एक्सप्रेसह्ण रखना चाहिए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Pak gets a taste of its own medicine

PAKISTAN has, over the past four decades, described the main objective of its foreign policy, especially in its immediate neighbourhood, as a quest for 'strategic depth' against India. The definition of 'strategic depth' in the lexicon of the Pakistani army has included support for radical Islamic groups within the country and in its neighbourhood. Islamabad believed in the use of 'radical Islam' for terrorism in India and Afghanistan. While the US enjoyed backing radical Islamic groups for 'bleeding' the erstwhile Soviet Union in Afghanistan, it paid a heavy price when the fundamentalist Afghan Taliban turned their guns on the US forces. The subsequent, hurried withdrawal of US forces from Afghanistan was not exactly the most glorious moment in America's history. The Pakistani army patted its own back for having humiliated both Russians and Americans in Afghanistan, even as the US was flooding Pakistan with substantial military and economic assistance.Many groups and media organisations in Pakistan celebrated and rejoiced that the use of 'militant Islam' had brought two superpowers — USSR and the US — to their knees. The resort to such policies had two major effects. First, it strengthened the grip of the army on Pakistan's polity. Second, 'radical Islam' and the use of 'low-intensity conflict' to influence developments in Pakistan's neighbourhood became integral elements of Islamabad's policies. Radical Sunni groups like the Taliban remain a cause for deep concern, not only in Shia-dominated Iran, but also in Arab countries of the Gulf, ranging from Saudi Arabia to the UAE.

These developments continued for around three decades and had adverse effects on Pakistan's relations with some of the oil-rich Gulf states, besides Iran and Afghanistan. The earlier warmth in Pakistan's relations with Gulf countries, like the UAE and Saudi Arabia, no longer exists. Nevertheless, quite naturally, these countries do help when Pakistan's economy seems to face a collapse. Pakistan's special envoy on Afghanistan, Asif Durrani, has given an indication of his country's desperation in dealing with radical Islamic groups. He recently claimed that 5,000 to 6,000 militants of the Tehrik-e-Taliban Pakistan, who have taken refuge in Afghanistan, were being funded by India.Prime Minister Shehbaz Sharif announced recently that Pakistan had carried out cross-border raids on Afghanistan, hitting targets in the country's border provinces of Khost and Paktika. Pakistan has, thereafter, made it clear that it intends to act strongly against Afghanistan's territorial transgressions across its borders. The Afghans have, however, responded with heavy weaponry to target Pakistani troops across the border in the Kurram and North Waziristan provinces. Similar tensions were prevalent in January when Iran targeted separatist Balochistan-based groups operating from bases in Pakistan. While referring to these developments, Durrani announced that Islamabad had undertaken an air raid on Iran as a retaliatory strike for attacks on its territory by Baloch groups.Pakistan's position on such national security issues is now becoming increasingly difficult to justify, both domestically and across its borders. Most importantly, its politics is being shaped by differences between its ousted but highly admired former Prime Minister Imran Khan and the armed forces led by army chief Gen Syed Asim Munir. They are engaged in virtual day-to-day rivalry in Pakistan. Gen Munir has been constantly interfering in and seeking to influence and guide the domestic and foreign policies of Pakistan. This is not surprising as he is behaving no differently from his predecessors. Gen Munir's interference continued during Pakistan's recent parliamentary elections, which were marred by rigging allegations. Imran responded by having many members of his party, Pakistan Tehreek-e-Insaf (PTI), contest as independent candidates, knowing well that the odds were stacked against his party. Gen Munir was outsmarted by these PTI members who won as independents.Despite the blatant rigging which was supervised by the army, candidates backed by Imran's party won 93 seats.

Time for consumers to stand in solidarity with farmers

No farmer, no food' is not an empty slogan. It needs consumers' commitment to keep farming alive and kicking.

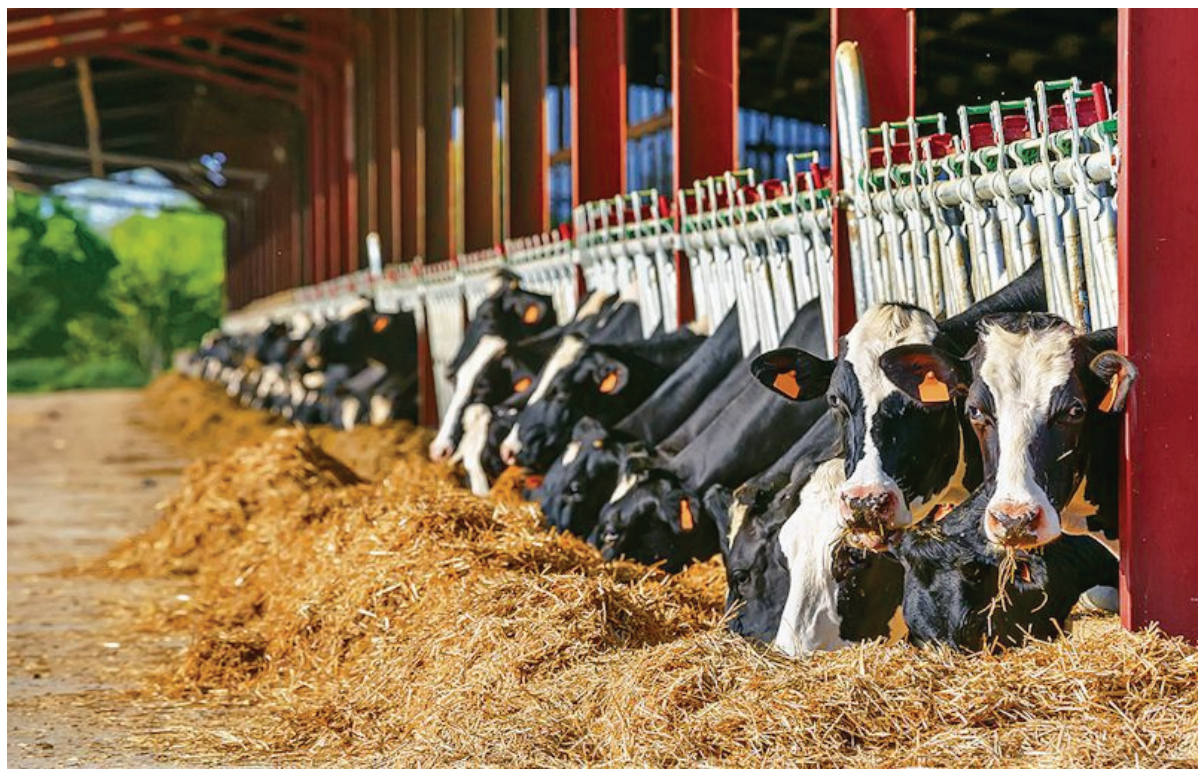

WHAT began as a small effort to help French dairy farmers overcome distress has galvanised into a unique consumer movement, slowly spreading its wings globally. While ensuring that the agri-food industry works towards a healthy transformation leading to sustainable and regenerative farming systems, French food cooperative brand C'est qui le Patron ('Who's the Boss?') has emerged as a lifeline for farmers.

For all those who believe that giving a higher price to farmers distorts markets, here is a great learning. Instead of always wanting food to be cheap, consumers are willing to pay more, provided they realise that the fair and remunerative price they pay supports farmers in earning a decent living. And if calibrated well, it can help provide them, in return, safe and healthy food. With consumers increasingly taking control over the food chain, this quid pro quo has only grown. This is reflected in the sales of its products, showing an average increase of 31 per cent. And if consumers are willing to pay extra, there is no reason why the agribusiness industry cannot be made to pay the right price to growers.This assumes importance at a time when the demand by protesting Indian farmers for legalising the minimum support price has drawn the ire of mainline economists, the media and the middle class, who fear that it will increase food inflation. But if consumers in France and elsewhere are voluntarily paying more, realising how the denial of a fair price kills farm livelihoods, instead of creating a fear psychosis, mainline economists in India must realise that the effort should be to educate consumers on how crucial it is to ensure decent prices for farmers. By and large, consumers are sensitive to farmers' plight. And with the right kind of awareness, they can easily change consumption behaviour that also makes market forces change.It all began in 2016, when milk prices crashed in France amid surplus production. This resulted in the near collapse of the French dairy industry. As dairy farmers began to pull down shutters, the farm suicide rate in rural areas soared. It was during those difficult times that Nicolas Chabanne met a dairy farmer, Martial Darbon, who was the president of a local dairy cooperative. As they discussed the plight of the farming community and the distress that prevailed all around, the idea of bringing together consumers to support farmers took shape. "I knew it was difficult, but it was worth a try," Nicolas, who founded the initiative, had told me.

This is how 'Who's the Boss?' was created. The objective was to support cultivators by paying them a fair price. "We need everyone who feeds us to be able to live with dignity," he said. In October 2016, the blue carton design pack for milk was launched with the aim of ensuring the sale of 7 million litres of milk, helping 80 families in distress. Social media was used to help spread the message. All that the farmer had to do was pay an enrolment fee of one euro and demonstrate his commitment to good practices.

In a little over seven years since it began, the 'Who's the Boss?' solidarity brand has sold more than 424 million litres of milk at a guaranteed fair price of €0.54 euro per litre, which is 25 per cent higher than the market price. This has emerged as the best-selling milk brand in France today and is supporting around 300 farm families (about 3,000 for various products). Unlike the price variations that markets operate under, farmers get a fixed price that does not fluctuate with market trends. Given that 38 per cent tillers earn less than the minimum wage and 26 per cent somehow survive below the poverty line in France, it is heartening to find 75 per cent of the people willing to add cents to their purchase, as per a survey, if it guarantees a fair price to producers.

It started with milk, but over time, the brand extended to nearly 18 products, including organic butter, organic cottage cheese, free-range eggs, yoghurt, apple juice, apple puree, potatoes, crushed tomatoes, wheat flour, chocolate, honey and frozen ground steak. While the cooperative assures a fair price to growers, they also have to follow healthy, sustainable practices, such as no palm oil being used in the recipes or in the cattle feed, no genetically modified ingredients and the grazing of animals for at least four months a year.The concept is now reaching out to consumers in nine countries — Germany, Belgium, Greece, Italy, Morocco, the Netherlands, Spain, UK and the US — where consumer structures have been set up with licensing agreement with the parent French company.Considering that France imports 71 per cent of its fruit and vegetable requirements, hitting the livelihoods of local producers, Nicolas has launched a drive to help domestic farmers. "We don't want to ship from the end of the world. We need to protect our local producers and the food they produce daily on our doorstep. This is a precious treasure that must not disappear," he said. To help local producers, the cooperative brand recently introduced strawberry, asparagus and kiwi in its food basket.

At a time when the markets are trying to race to the bottom to stay competitive, 'Who's the Boss?' is an idea whose time has come. In any case, with markets having failed cultivators across the globe in terms of enhancing farm incomes, a lot hinges on consumer support for farmers. If 16 million people in France have come forward to support farmers by making purchases at relatively higher prices, the initiative launched by Nicolas certainly has come a long way.

'No farmer, no food' is not an empty slogan. It needs consumers' commitment to keep farming alive and kicking. It's time for consumers to stand in solidarity with farmers.

Illegal mining

NGT exposes gaps in Haryana's rule

THE recent directive by the National Green Tribunal (NGT) to the Haryana Government, laying bare flaws in its approach to tackling illegal mining, underscores a worrisome disregard for environmental protection. The NGT's scrutiny of Rule 104 of the Haryana Minor Mineral Concession, Stocking and Transportation of Minerals and Prevention of Illegal Mining Rules, 2012, has revealed a significant oversight in the state's standard operating procedure (SOP) regarding the imposition and recovery of environmental damage compensation. At the heart of the issue lies the provision of Rule 104 to exempt the first two offences of illegal mining from the registration of FIRs, raising questions about its compliance with constitutional provisions and directives from higher judicial authorities. This leniency not only undermines the gravity of the problem but also weakens the deterrent effect that strict enforcement measures could have.

The NGT's criticism of the state's SOP is particularly damning as it exposes a glaring gap between stated intentions and actual implementation, highlighting a systemic failure in enforcing environmental regulations. The absence of concrete measures to address illegal mining in the Aravallis, coupled with the neglect of the joint committee's mandate to ensure compliance with established guidelines and directives, is unpardonable.

It is, thus, essential for the Haryana Government to undertake a comprehensive review of its SOP and regulatory framework concerning illegal mining. Immediate steps must be taken to address the NGT's concerns and rectify the shortcomings in the government's approach to environmental protection. Enhanced coordination and collaboration among the stakeholders could help combat the menace and preserve natural resources. Concerted efforts and a commitment to safeguarding the ecology are imperative to ensure a sustainable future for all.

It's critical to handle China with strategic clarity

The onus to make India more effective and assured in dealing with a Galwan-type challenge will lie with the military.

INDIA'S most serious security setback over the past five years was the Galwan surprise of June 2020, when Chinese troops violated the peace and tranquillity agreements along the Line of Actual Control (LAC). For the first time in decades, soldiers were killed on both sides. The Chinese People's Liberation Army has since prevented India from patrolling areas on its own side of the disputed line, as was the normal practice. A sullen standoff continues, with over 100,000 troops deployed, and there is no resolution in sight.

As many as 21 rounds of talks between senior military commanders have been held, but there has been limited progress in de-escalation and disengagement. One presumes this will be a major issue for deliberations at the Army Commanders' Conference to be held in New Delhi (April 1-2). The keynote address to be delivered by Defence Minister Rajnath Singh on April 2 may provide insights into the politico-military policies that New Delhi will adopt, even as the country prepares for the General Election.At the diplomatic level, the 29th meeting of the Working Mechanism for Consultation and Coordination on India-China Border Affairs was held in Beijing on March 27. Little tangible progress was reported, barring the reiteration that "both sides agreed to maintain regular contact".

When the Galwan clash happened (during the Covid pandemic) it was a shock for the Indian security establishment. At the time, the issue was obfuscated by the political apex and after the initial emotive outburst, the challenge from China was pushed to the backburner. A convoluted interpretation was encouraged to suggest that since the almost 4,000-km-long LAC was yet to be demarcated in a consensual manner, "no Indian territory" was lost or forfeited. It was evident that the Modi government did not want to go down Nehru's path of October 1962.However, in an encouraging development, External Affairs Minister (EAM) S Jaishankar has in a lucid and unambiguous manner laid out the contours of the Galwan setback. Speaking in Kuala Lumpur last week, the EAM emphasised that restoring normalcy in the bilateral relations with China hinged on the conventional deployment of troops, which would serve as a necessary condition for shaping the future relationship with Beijing.

The word 'normalcy' is important here. The minister added: "We are still negotiating with the Chinese. I talk to my counterpart. We meet from time to time. Our military commanders negotiate with each other. But we are very clear that we had an agreement. There is a Line of Actual Control. We have a tradition of not bringing troops to that line. Both of us have bases some distance away, which is our traditional deployment place. And we want that normalcy." He elucidated that normalcy returning "to where we are in terms of the troop deployment will be the basis for the relationship going forward".

While the diplomatic position apropos of the Galwan incident has been spelt out with commendable clarity, the challenge for India is to persuade/prevail upon/compel China to restore this normalcy. Here the tenet of inter-state relations merits a recall: for diplomacy to succeed, it must be supported by appropriate national military capability and strategic resolve.In an unexpected manner, this aspect of India's military discomfiture was highlighted by Defence Secretary Giridhar Aramane at an India-US forum (February 21), where he referred to the standoff with China: "We are standing against a bully in a very determined fashion. And we expect that our friend, the US, will be there with us in case we need their support."It is rare for an Indian Defence Secretary to make such an explicit statement about a neighbour such as China and even less so to solicit support from a third party at a public forum. One presumes that there must have been some instruction from the PMO for such signalling to the principal interlocutors, but the more significant strand is the American response.When asked specifically about US support to India if such an exigency were to arise, the US Deputy Secretary of State Richard Verma replied: "The US-India relationship stands on its own. And it stands on its own to send a very strong signal about the power of democracy, about the free and open Indo-Pacific, about the rules-based order, about inclusive societies where minority rights are protected. These are the kinds of principles and ideas that we stand for and that we will uphold. So, this isn't about any third country."The inference that follows is that New Delhi cannot presume that the US will come to its assistance militarily against China — if there is a requirement — and India will have to pursue its 'ekla chalo' (walk alone) approach, as it did in October 1962.The onus to make India more effective and assured in dealing with a Galwan-type challenge will lie with the Indian military, and this remains a work in progress. Whether it is the creation of the post of the CDS, corporatising public sector defence production units or introducing the Agnipath scheme, the outcome on the combat edge of the military is yet to be realised in a substantive manner. The military inventory for all three armed forces is below desirable levels and more funding is imperative. Indigenisation of major platforms remains uneven and the domestic design and manufacturing ecosystem is still evolving. The impact of Nepali Gorkha recruits no longer joining the Indian military and the long-term ramifications for the Army merit an objective review, as also the investment China is making in Nepal.

After the elections, a new government will assume office by early June, ahead of the fourth anniversary of the Galwan clash. Managing the China relationship with strategic clarity, technological perspicacity and tactical resolve is critical.

Sensex, Nifty open flat as IT stocks decline; Adani Ports gains over 2%

New Delhi Benchmark stock market indices opened flat on Tuesday after hitting record highs in the previous session.

The S&P BSE Sensex was down 63.45 points at 73,857 at 9.57 am, while the NSE Nifty50 fell 14.25 points to 22,447.75. Most of the broader market indices were trading in the green.Among sectoral indices, Nifty Financials paused after a three-day rally, while the Nifty IT declined nearly 0.5% following the release of fresh US data, which added to worries over potential interest rate cuts.The top five gainers on the Nifty50 were BPCL, Adani Ports, IndusInd Bank, HDFC Bank and Bajaj Auto. On the other hand, the top losers were ICICI Bank, Hero MotoCorp, Bajaj Finance, Wipro and Cipla.

Ahead of today's market opening, Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities Ltd, said, "Markets were in an upbeat mood after a prolonged holiday session last week as both Sensex & Nifty propelled to fresh highs on the back of bargain hunting, which shows that appetite for equity assets continue to remain strong for investors despite hiccups at regular intervals.""Although there are challenges related to delayed rate cuts and uncertainty surrounding geo-political tensions, India's strong reform path and expectations that the ruling party could come back to power in the upcoming general elections has been prompting investors to take bullish bets," he added.

"Following today's record high levels, Nifty faces resistance between 22601-22750 zone while the index has support at 22201-22000 levels," Tapse noted.

Meanwhile, Deven Mehata, research analyst at Choice Broking, said, "Yesterday Nifty made a new all-time high level at 22529.95 levels. We have also witnessed a strong bounce back in mid cap as well as small cap stocks. Hence traders holding long positions should keep trailing stop loss. Investors and traders are advised to buy on dips with a stop loss at 21300 on a closing basis."

Byju's delays salaries; says will pay Mar due on Apr 8

BENGALURU. For three months now, cash-strapped edtech firm Byju's has been struggling to pay salaries to its employees.The company has once again decided to hold off employees' salaries and said it will ensure that staff receive their March salary by April 8. Already, about 75% of employees are awaiting February month's full payment.It made full payment to only 25% of employees and for the rest, it managed to pay only 60% of the salary. "We regret to inform you that there will again be a delay in disbursement of salaries. A few misguided foreign investors in Byju's have obtained an interim order in late February, which has restricted usage of the funds raised via successful rights issue. This irresponsible action by 4 foreign investors has compelled us to temporarily hold the disbursal of salaries until the restriction is lifted," the company's management said in an email to employees.

Byju's said they have full faith in Indian judicial system and that it is eagerly awaiting a favourable outcome that will enable the edtech firm to utilise the funds raised through the rights issue and alleviate the financial challenges that it is currently facing. "We have the necessary vote to increase the authorised capital for the rights issue. It means that once the restrictions on using the raised funds are lifted, we can meet all our salary commitments immediately," it added.

Major regulatory changes from April 1 that may affect individuals

NEW DELHI. With April 1 marking the commencement of a new financial year, there comes revisions to various regulations. IRDAI has announced changes in policy surrender value, effective from April 1. As per the new rules, surrender values are expected to either remain same or decrease if policies are surrendered within three years of purchase. Surrendering policies between fourth and seventh year may result in a minor increase in the surrender valueUnder the new rules, specific percentages of total premiums will be paid out based on year of surrender. If a policy is surrendered during the second year, 30% of the total premiums will be paid. Surrendering a policy in the third year will lead to 35% of total premiums being paid out. For policies surrendered between the fourth and seventh year, 50% of total premiums will be paid. Surrendering in last two years will result in 90% of total premiums being paid out. In case of non-single premium life insurance policies, a guaranteed surrender value will be provided after consistent premium payments for at least two consecutive years.

From April 1, new regulation states when an individual switches jobs, their old Provident Fund (PF) balance will be automatically shifted to the new employer. Previously, despite holding a Universal Account Number (UAN), individuals had to undergo the process of requesting PF transfers. The default tax regime has shifted to the new regime. Opting out of old tax regime will result in automatic taxation under new regime. Income tax rules were amended from April 1, 2023. In the new tax regime, individuals earning up to Rs 7 lakh annually are exempt from paying taxes.An important change regarding FASTag has been implemented from April 1. NHAI's 'One Vehicle, One FASTag' initiative aims to deter the practice of using a single FASTag for multiple vehicles or linking multiple FASTags to one vehicle. Enhancing National Pension System (NPS) security, the Pension Fund Regulatory and Development Authority (PFRDA) has mandated a new security layer, two-factor Aadhaar-based authentication, for all password-based users accessing the CRA system starting April 1, 2024.

China topples US as SE Asia's favored partner, survey shows

NEW DELHI. China has dethroned the US to become the top alignment choice for Southeast Asians as Washington loses ground on a range of key issues from regional economic engagement to the Israel-Hamas War, according to a new survey.A survey of 1,994 Southeast Asians by the ISEAS-Yusof Ishak Institute published Tuesday shows China's popularity in a head-to-head race with the US climbing from 38.9% last year to 50.5% in 2024. Among individual nations, Beijing garnered some three out of four votes in Muslim-majority Malaysia, Indonesia and Brunei."Confidence in the US has waned," the survey states. "This could be attributed partly to the escalating rivalry between China and the US, which led to an uptick in anxiety about the US' growing strategic and political influence."

Southeast Asian nations have largely embraced the US as a necessary security presence as the Biden administration ramps up military-to-military cooperation in a bid to counter Bejing's growing defense prowess. But the region also counts on China as a key financier and trading partner at a time regional leaders seek new investments to bolster their own economies.Part of the issue for the US are concerns over economic engagement. Southeast Asians are "increasingly unsure" about the effectiveness of the Indo-Pacific Economic Framework for Prosperity, a US-led endeavor to increase trade that's been criticized for its lack of meaningful market access.China is once again seen as the most influential economic and political-strategic power in the region, "outpacing the US by significant margins in both domains," it says.The latest poll also puts the Israel-Hamas conflict at the top of the list of the region's geopolitical concerns, with a large proportion of respondents worried "Israel's attack on Gaza has gone too far."Nearly a third of respondents were wary that the Middle East war would catalyze the rise of extremist activities,

while diminished trust in international law and a rules-based order was the second-top concern."The ongoing Israel-Hamas conflict has emerged as a contentious issue in Southeast Asia, commanding significant attention in the region's domestic politics," the survey says. "Despite its geographical distance, the conflict has reverberated strongly across this diverse multi-racial and multi-religious region."

Whether those sentiments are responsible for the US' drop in standing among regional nations is unclear, said Bonnie Glaser, the head of the Indo-Pacific program at the German Marshall Fund. "Without more data it's impossible to answer that," she said during a presentation of the results.

The US has diplomatically and militarily backed Israel in its quest to destroy Hamas, in the aftermath of the group's October 7 attack.While sentiments havebroadly shifted towards China, tensions in the South China Sea was the second-biggest geopolitical concern in the latest study. In a hypothetical choice between the US and China, Washington still commands majority support from the Philippines at 83.3% and Vietnam at 79%, which are at the forefront of the territorial disputes with Beijing.Broadly, "there is a growing sense of optimism among Southeast Asians regarding their future relations with China," the report states. "The Philippines emerged as the most cautious."

Vistara Pilot Crisis: What we know so far

Vistara airlines facing crisis due to crew shortage
Flight services disrupted, numerous cancellations reported
Civil Aviation Ministry asks airline to submit detailed report

New Delhi A spokesperson from Vistara confirmed the disruption in flight services, citing crew unavailability as one of the reasons."We have had a significant number of flight cancellations and delays in the past few days due to various reasons including crew unavailability. We acknowledge and are deeply concerned about the inconvenience this has caused to our customers," the spokesperson said.Several media reports indicate that 38 flights have been cancelled so far on Tuesday - 15 flights departing from Mumbai, 12 from Delhi, and 11 from Bengaluru have been cancelled. More Vistara flights from major cities could be cancelled as the airline struggles to solve the pilot crisis.The Civil Aviation Ministry has stepped in to resolve the matter and has asked the airline to submit a detailed report over the massive flight cancellations and delays

over the pask week.A Civil Aviation Ministry official said that more than 100 Vistara flights have been either cancelled or delayed in the past week.The interruption in Vistara's flight operations is due to pilots refusing to fly extended hours, as per aviation sources familiar with the situation, reported ANI.The Vistara spokessperson said that the airline is working to solve the issue to avoid discomfort for the customers."Our teams are working towards minimising the discomfort to the customers. We have decided to temporarily reduce the number of flights we operate, to ensure adequate connectivity across our network. We have also deployed larger aircraft like our B787-9 Dreamliner and A321neo on select domestic routes to combine flights or accommodate more number of customers, wherever possible," he added.The spokesperson said that the airline is offering alternate flight options and refunds to affected customers.

"Furthermore, we are offering alternate flight options or refunds to affected customers, as applicable. Once again, we understand that these disruptions have caused immense discomfort to our customers, and sincerely apologise to them for the same. We are working towards stabilising the situation and will resume operating our regular capacity very soon," he said.

Tata Technologies to form joint venture with BMW. Details here

New Delhi Tata Technologies and BMW Group are set to collaborate on a joint venture (JV) aimed at software development for the renowned German luxury car manufacturer.

The announcement about the JV was made by Tata Technologies, following which its shares surged nearly 6%. At 10.17 am, the shares of the company were up 5.82% to Rs 1,111.10 on the Bombay Stock Exchange (BSE).The JV will focus on creating automotive software for various features, including automated driving and dashboard systems."The new Joint Venture (JV) will deliver automotive software, including software-defined vehicle (SDV) solutions for BMW Group's premium vehicles and digital transformation solutions for its business IT," said the companies in a

joint statement.

Nachiket Paranjpe, President of Automotive Sales, at Tata Technologies, said, "In the evolving automotive landscape, the journey towards software-defined vehicle represents a pivotal shift in automotive software and vehicle development methodologies.""We will leverage our deep domain knowledge and SDV expertise to collaborate with the BMW Group towards engineering vehicles that are not just technologically advanced but deliver exceptional experiences to consumers around the globe," Paranjape added.However, specific financial details of the agreement were not disclosed.

Under this partnership, Tata Technologies and BMW Group will each hold a 50% stake in the newly established company.

Tata Technologies, a subsidiary of Tata Motors, specialises in providing engineering and technology services to automotive, aerospace, and heavy machinery manufacturers.

Zomato tests service for last-mile deliveries in corporate parks: Report

The pilot service is aimed at streamlining deliveries inside tech and corporate parks by ensuring timely deliveries to customers and also saving time for its riders

New Delhi. Zomato is currently testing a new service aimed at facilitating last-mile food deliveries to office workers within corporate parks, reported Entrackr.

The pilot service is aimed at streamlining deliveries inside tech and corporate parks by ensuring timely deliveries to customers and also saving time for its riders, especially in workplaces where access to delivery partners is restricted beyond reception areas.In this pilot program, Zomato has established micro hubs within office premises in Gurugram. Here, delivery partners drop off food orders, which are then picked up by designated "walkers" and delivered directly to customers on their respective floors or exact locations, added the report.The report added that Zomato has likely secured agreements with corporate parks to authorise these last-mile delivery operations.

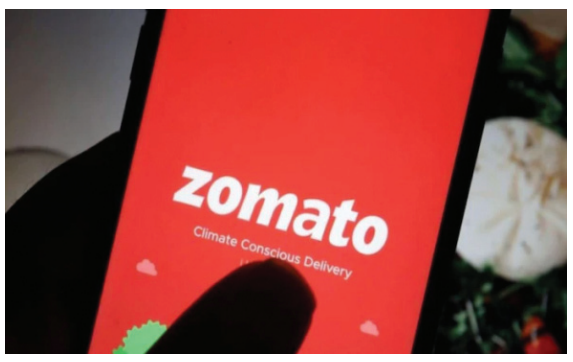

Additionally, the company promises a hassle-free experience by minimising calls from delivery partners and assigning dedicated walkers for each floor.

While the pilot is currently underway at five to six locations in Gurugram, including Unitech Cyber Park, Zomato plans to evaluate its success before potentially expanding the service to other major cities.

A source cited in the report suggested that early indications point to promising demand, with one hub managing an estimated 100 to 150 orders per day.

This approach to last-mile delivery draws inspiration from similar models seen in China, where companies like Meituan have effectively utilised stationed teams to optimise deliveries within areas hosting numerous corporate and startup establishments.

While the future scalability of this concept remains uncertain, it reflects a broader trend of logistics companies exploring inventive solutions to enhance delivery efficiency

Why is BMW tying up with Tata Technologies for software R&D

New Delhi. In yet another example of a traditional manufacturing company tying up with an IT services firm for R&D and product development, global automotive leader BMW will create a software and IT development hub in India in association with Tata Technologies.

Traditional companies, particularly those in the manufacturing sector, often seek tie-ups with third-party services companies like Tata Technologies and Accenture for their R&D and design activities. These collaborations offer the companies two major advantages -- the ability to quickly scale up and down their staffing requirements, and access to state-of-the-art tools, platforms and technologies to accelerate their development activities. Such tie-ups also help these companies tap lower-cost locations such as India without having to go through the process of establishing a new company in the country.The new JV will develop automotive software, including software-defined vehicle (SDV) solutions for BMW Group's premium vehicles and digital transformation solutions for its business IT. More and more, cars and other vehicles are relying on software solutions as a key differentiator.

The new operations will initially have 100 professionals from Tata Technologies, and will eventually grow to at least 1,000 software engineers eventually, the German company said.The main development and operations activities will be established in Bengaluru and Pune, while Chennai will focus on business IT solutions.Traditional companies, particularly those in the manufacturing sector, often seek tie-ups with third-party services companies like Tata Technologies and Accenture for their R&D and design activities. These collaborations are driven by several key factors that enable these companies to stay competitive in an increasingly technology-driven landscape.Firstly, third-party services companies possess specialized expertise and knowledge in various domains, such as digital engineering, software development, and IT solutions. By partnering with these firms, traditional companies can access a wealth of talent and resources that may not be available in-house. This allows them to accelerate their R&D efforts and bring innovative products and solutions to market more quickly.econdly, collaborating with third-party services companies can be more cost-effective than building and maintaining an extensive in-house R&D team. These partnerships provide flexibility and scalability, allowing traditional companies to adjust their R&D investments based on their current needs and market demands. This is particularly beneficial for companies operating in dynamic and competitive industries where rapid adaptability is crucial.Moreover, third-party services companies often have a global presence and can provide access to diverse talent pools and markets. This enables traditional companies to tap into a broader range of skills and perspectives, fostering innovation and helping them develop products and solutions that cater to a wider customer base.Besides the tie-up between Tata Technologies and BMW Group, another instance is the partnership between Accenture and Faurecia, a leading automotive supplier, to develop and implement a digital manufacturing platform. This collaboration focuses on leveraging advanced technologies such as artificial intelligence, digital twins, and 5G to optimize Faurecia's manufacturing operations and improve efficiency.

Against this, there are some companies that have handed over a large part or the whole of their R&D efforts to an external agency. However, this can lead to a loss of control over the direction and quality of the work, potentially resulting in misaligned objectives and outcomes that don't fully meet the company's needs.Sometimes, companies also establish captive development centers in India. A captive development center is a wholly-owned subsidiary of a company that is set up in a different location, often in countries like India, to take advantage of the local talent pool, lower costs, and favorable business environment.

Politics aside, why Katchatheevu is significant for India

New Delhi Katchatheevu means 'barren island' in Tamil. Though barren in geographical terms, it is fertile in political terms. The 1.15-square-kilometre uninhabited island located in the Palk Strait between India and Sri Lanka keeps returning to India's political discourse.

It has made a comeback again just weeks ahead of the Lok Sabha election.At a time when China is looking to expand its presence in the Indian Ocean Region, Katchatheevu assumes great strategic significance for India. It also impacts the lives of thousands of fishermen from India, especially those from Tamil Nadu.An RTI query about Katchatheevu filed by Tamil Nadu BJP chief Annamalai and a response to it has stirred the hornets' nest yet again. Experts say the BJP is using the Katchatheevu issue to make inroads in Tamil Nadu, where the party has minimal presence.

Katchatheevu's significance to India extends beyond politics and involves various aspects such as religion, livelihood, and geopolitics.

Indian civilians are reportedly allowed onto the island, which is controlled by Sri Lanka, for just two days and a night every year. That is during the festival at St Antony's shrine, the only structure on the island.

St Antony is considered to be the patron deity of seafarers.However, Indian fishermen for the first time stayed away from the annual festival on February 23-24. This, in a way, has to do with India's ceeding of rights to Katchatheevu 50 years ago.

KATCHATHEEVU: INDIAN AND SRI LANKAN CLAIMS

Historically, Katchatheevu belonged to the Ramnad Zamindari, which was established in 1605 by the Nayak dynasty of Madurai. It consisted of 69 coastal villages and 11 islets, including Katchatheevu.Katchatheevu was a source of revenue for the Sethupathi dynasty as it leased the island first to the Dutch in 1767 and to the British East India Company in 1822.This is how India has a historical claim to the barren island.In its counterclaim, Sri Lanka says that the Catholic Church on the island comes under the Jaffna Diocese. That was the basis of the Sri Lankan claim on Katchatheevu.HOW KATCHATHEEVU MATTERS TO INDIAN FISHERMEN

The small uninhabited islet of Katchatheevu was ceded to Sri Lanka as part of bilateral agreements in the 1970s under the prime ministership of Indira Gandhi, which hit the Indian fishermen of the area hard.

Since 1921, Katchatheevu had been under the possession of British Ceylon. However, the island saw occasional disputes pop up, mainly regarding fishing rights in the waters around the small island.After Indian independence, Prime Minister Jawaharlal Nehru gave no importance to the island and

thought that the issue would lead to an unnecessary dispute with friendly Sri Lanka, according to the External Affairs Minister S Jaishankar.While the 'Indo-Sri Lankan Maritime Boundary Agreement of 1974' gave away the island to Sri Lanka, Indian fishermen were still allowed to access Katchatheevu.Two years later, in 1976, the maritime boundary line in the Sethusamudram region between the two neighbors was divided, ending the Indian fishermen's visits to the island.Katchatheevu and the adjoining seas naturally fell within Sri Lanka's jurisdiction.Katchatheevu served as a traditional fishing ground for fishermen from both India and Sri Lanka. Indian fishermen, especially from Tamil Nadu, used the island to dry their nets.These agreements have been a point of contention for Indian fishermen, who argue that they restrict their access to traditional fishing grounds, affecting their livelihood.These fishermen often cross the International Maritime Boundary Line (IMBL) in search of better catches, risking detention and confiscation of their equipment and vessels by Sri Lankan authorities.Because of climate change, a growth in fish demand and increased use of trawlers, it is increasingly becoming difficult for fishermen to get a good catch from near the shore, and they are being driven deeper into the sea.The island of Katchatheevu is 22 km from the southern coast of India and around 45 km southwest of Jaffna, would have extended the maritime boundary and the Indian Exclusive Economic Zone by a decent number of nautical miles.This would have given the fishermen an extended fishing area and prevented their arrest by the Lankan Navy.Notably, the traditional fishing area around the waters of the island that the fishermen of the area enjoyed historically, was lost to Sri Lanka.This is what the Minister of External Affairs tried to point out in his interaction with the media on Monday.External Affairs Minister S Jaishankar took on the Congress and Tamil Nadu's ruling Dravida Munnetra Kazhagam (DMK) over the Katchatheevu issue."In the last 20 years, 6,184 Indian fishermen have been detained by Sri Lanka and 1,175 Indian fishing vessels have been seized, detained or apprehended by Sri Lanka," said S Jaishankar.The minister also added that in the last five years, the Katchatheevu issue and the fisherman's issue have been repeatedly raised by various parties in Parliament.

Congress calls notice to Election Commission on VVPAT 'important first step'

New Delhi. The Congress praised the Supreme Court's notice to the Election Commission of India (ECI) on a plea seeking the counting of all Voter Verified Paper Audit Trail (VVPAT) paper slips in polls, saying it was an "important first step".

In a post on X, Congress leader Jairam Ramesh said on Monday night, "The Supreme Court has issued a notice today to the Election Commission on the issue of VVPATs. It bears constant repetition that the Election Commission has refused to meet a delegation of INDIA party leaders who have been demanding 100% VVPATs in order to increase public confidence in EVMs and to ensure the integrity of the electoral process."The notice is an important first step, but for it to be meaningful, the matter should be decided before the elections commence," he added.The VVPAT is an independent vote verification system which permits a voter to see whether his ballot was cast correctly. The system generates a paper slip which can be viewed by the voter and the paper slip is kept in a sealed cover and can be opened in case of a dispute.On Monday, a Supreme Court bench of Justices BR Gavai and Sandeep Mehta issued the notice on the plea filed by lawyer and activist Arun Kumar Aggarwal. It challenges ECI guidelines mandating that VVPAT verification should be done sequentially, that is one after the other, thereby causing undue delay.

Government seeks report from Vistara over flight cancellations, delays: Report

New Delhi. The Union Ministry of Civil Aviation (MoCA) sought a detailed report from Vistara regarding flight cancellations and major delays, with the airline, co-owned by Tata Group and Singapore Airlines, having cancelled or delayed over 100 flights in the past week, a Ministry official told ANI news agency.

In an official statement, the Ministry said it is "monitoring the situation of Vistara flight cancellations"."However, flight operations are managed by airlines themselves. Airlines have to comply with DGCA norms to ensure passenger facilitation in case of cancellation or delay of flights," it added.Tuesday's development comes a day after the airline confirmed the frequent delays and cancellation of flights, saying that teams were working to stabilise the situation as it faced widespread backlash from fliers.In an official statement on Monday, Vistara said, "We confirm that we have had a number of flight cancellations and unavoidable delays in the last few

days due to various operational reasons. Our teams are tirelessly working to stabilising the situation. We regret the inconvenience caused to our valued customers due to these disruptions."The airline also said that it had decided to temporarily reduce the number of operating flights "to ensure adequate connectivity across our network"."We have also deployed larger aircraft like our B787-9 Dreamliner and A321neo on select domestic routes to combine flights or accommodate more number of customers, wherever possible," the statement said."We are offering alternate flight options or refunds to affected customers, as applicable. Once again, we understand that these disruptions have caused immense discomfort to our customers, and sincerely apologise to them for the same. We are working towards stabilising the situation and will resume operating at our regular capacity very soon," it added.

An ANI news agency report, citing aviation sources, said the disruption was a result of pilots refusing to operate due to long flying hours.

JNU student on strike against 'inaction' over sexual harassment complaint

New Delhi. A female student at the Jawaharlal Nehru University has started an indefinite strike at the main gate of the campus, alleging inaction by its administration over her sexual harassment complaint against four people.She alleged that she was sexually harassed on the night of March 31 on the campus by four people, including two former students. The university administration has ordered an inquiry into the incident.The complainant, however, claimed that the "perpetrators" of the crime were roaming around freely.It has been more than 30 hours since I first filed the complaint and no action whatsoever has been taken yet. There have been a bunch of formalities; my friends and I have been at the administration, leaving our classes, demanding justice, and doing all we can, while the perpetrators are roaming freely," she claimed.The university, meanwhile, said it was following the due process. "We are following the due process which takes time. We also have to give a chance to the accused to provide their defence," JNU Chief

Proctor Sudhir Kumar told PTI.The complainant further raised concerns over her safety and security on the campus. "It must be known that the person who harassed me and my friend resides in the same hostel as I do, and I am expected to go into the same hostel, the same corridors, the same mess, to face that person who has caused me such mental harassment."The chief proctor had earlier said that the two ex-students facing the allegations have been declared "out-of-bounds from campus".The complainant also expressed displeasure over the Jawaharlal Nehru University Students' Union's (JNUSU) involvement in addressing the matter and said she decided to start the protest after seeing its ineffectiveness."After witnessing the ineffectiveness of the JNUSU, I decided to take the matter into my own hands. They went to meet the proctor without the survivor while I and my friends were busy in formalities with the administration â€œ," she said.The student demanded the immediate restraintment of one of the accused from Sabarmati Hostel, cancellation of the registration of the accused, out-of-bound order for the former students and steps to ensure safety her safety, as well as that of her friends.The purported incident took place when the complainant and a friend were taking a walk near the JNU Ring Road around 2 am, a university official said.They were allegedly followed by four people, including two students who had already graduated, in a car. These people allegedly sexually harassed the female student, the official said.The Left-led students' union has alleged that the four people, including the two former students, belong to the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS)-affiliated Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP).

India scoffs at China's 'senseless attempts' linked to Arunachal

New Delhi. After China released 30 new names of various places in Arunachal Pradesh, the Ministry of External Affairs on Tuesday rejected the "senseless attempts" by the neighbouring country. In a statement, the MEA said assigning "invented names" would not alter the reality that Arunachal Pradesh "is, has been, and will always be" an integral and inalienable part of India.

The MEA's remark comes as China has stepped-up its claim over Arunachal Pradesh in recent weeks following Prime Minister Narendra Modi's visit to the border state last month."China has persisted with its senseless attempts to rename places in the Indian state of Arunachal Pradesh. We firmly reject such attempts. Assigning invented names will not alter the reality that Arunachal Pradesh is, has been, and will always

be an integral and inalienable part of India," MEA spokesperson Randhir Jaiswal said.Earlier in the day, Union Minister Kiren Rijiju also criticised China, emphasising that such actions do not alter the ground reality.

"China has been making all baseless claims but that's not going to change the ground reality and the 'historical facts'. Arunachal Pradesh is an inalienable part of India, and the people of Arunachal Pradesh are supremely patriotic Indians by all standards and definitions," Rijiju tweeted.External Affairs Minister S Jaishankar also hit out at China over its latest move. "If today I change the name of your house, will it become mine? Arunachal Pradesh was, is and will always be a state of India. Changing names does not have an effect," Jaishankar told ANI.

The fresh flashpoint comes after China released a list of "standardised" geographical names in Arunachal Pradesh, which Beijing recognises as Zangnan.The 30 places renamed by Bejing include 12 mountains, four rivers, one lake, one mountain pass, 11 residential areas and a piece of land, state-run Global Times reported. A high-resolution map of the areas has also been shared by China.

"Absolute Defiance": Court Rebukes Patanjali, Centre In Misleading Ads Row

New Delhi. Patanjali Ayurved co-founder Baba Ramdev; the company's top executive, Acharya Balakrishna; and the centre were reprimanded by the Supreme Court Tuesday during a hearing on misleading advertisements, including those that disparage modern medicine and medical practitioners.

Ramdev and Balakrishna were rapped for "absolute defiance" after filing improper versions of affidavits demanded by the court, while the centre was asked why it "chose to keep its eyes shut" despite Patanjali claiming Western medicine offered no protection against the COVID-19 virus.A bench of Justice Hima Kohli and Justice Ahsanuddin Amanullah also asked the Ministry of AYUSH why it had not acted against Patanjali after "shocking" ads belittling contemporary medicine.We have questions for AYUSH...COVID was in 2022 and you (the centre) stated these (ayurvedic medicines) were, at best, a supplement to the main (the vaccines)... but this was not publicised... you did nothing to make this known. It was a critical period," Justice Kohli said sternly.This is the second time in three months the centre has been rebuked; in February, the Supreme Court said "the government is sitting with its eyes closed" and demanded immediate action against "false" and "misleading" advertisements. "This is very unfortunate..." the court had said then.

The court then also urged the centre to find a remedy to the issue of misleading medical ads.

The court today also ripped into Ramdev and Balakrishna for the causal manner in which an affidavit - offering an unconditional apology for the ads - was filed last month. A furious court called the affidavit "indefensible" and "humbug", and even suggested Patanjali Ayurved could be guilt of perjury.You should have made sure the solemn undertaking should have been in letter and spirit. We can also say we are 'sorry'... for not accepting it (the apology)... it is more of a lip service," the court said.The court was angered that Patanjali had, prima facie, continued to run ads ruled as misleading last year. The claim that the company's media unit was unaware of the court order was dismissed.

Hot weather warning issued for Odisha, Tamil Nadu; heavy rain in Assam

New Delhi. The India Meteorological Department (IMD) has issued a five-day hot weather warning for Odisha, Tamil Nadu, Kerala and Puducherry from Tuesday to Saturday, during which temperatures are likely to soar. Meanwhile, parts of Assam and Meghalaya are expected to receive heavy rain on Tuesday and Thursday.

According to the IMD's regional centre in Bhubaneswar, the Odisha state capital recorded a maximum temperature of 39.4 degrees Celsius on Monday, a sharp escalation since the previous day's maximum of 33 degrees.Meanwhile, Jharsuguda and Baripada were the hottest at 40.4 degrees Celsius, followed by Bolangir at 40.3 degrees Celsius, the regional centre said in a bulletin on Monday evening.Boudh, Nayagarh, Bhawanipatna, Talcher and Titlagarh recorded a maximum temperature of 40 degrees Celsius. Cuttack's maximum temperature stood at 39.4 degrees.

The rise in temperatures until Saturday is due to prevailing northwesterly dry air and high solar insolation, the PTI news agency reported, citing the IMD regional centre.The minimum temperatures will also see a gradual rise by two to three degrees Celsius. In coastal districts, the minimum is expected to settle around 25 to 27 degrees Celsius, while interior areas are expected to record between 24 and 26 degrees.The IMD's national weather bulletin issued on Tuesday also warned against heatwave conditions that were likely to prevail in parts of Karnataka from Tuesday to Saturday; Andhra Pradesh, Madhya Pradesh and West Bengal from Wednesday to Saturday; and Jharkhand from Thursday to Saturday.

On Monday, areas in West Bengal, Jharkhand, Chhattisgarh, Karnataka and Tamil Nadu recorded maximum temperatures which were above normal by at least 2–3 degrees.The minimum temperature in Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Maharashtra and Bihar saw an increase above normal by 3-5 degrees.Meanwhile, regions in Assam and Meghalaya are expected to receive heavy rain on Tuesday and Thursday due to the influence of a cyclonic circulation above northwest Assam.On Sunday night, three people, including two children, died after a boat capsized in the Brahmaputra River due to heavy rainfall and storm.Around 20 people were rescued from the capsized boat.Also on Sunday, a portion of ceiling at the Guwahati airport collapsed due to heavy rainfall, while six flights were also diverted.The cyclonic circulation above northwest Assam is also likely to trigger heavy rain and snow in Arunachal Pradesh from Tuesday to Saturday, the IMD bulletin added.Due to a Western Disturbance, moderate rain and snow is expected in the Western Himalayan Region in the next seven days, while Jammu and Kashmir, Ladakh, Himachal Pradesh and Uttarakhand are likely to be hit by thunderstorms and lightning starting from Wednesday to Friday.

NEWS BOX

Baltimore bridge collapse: For now, no plan to disembark the 21 Indian sailors, says report

World In total, 21 crew members, 20 of them Indian citizens and one member from Sri Lanka, were on-board the container ship Dali at the time of the Baltimore bridge accident, which happened just minutes into the ship's 27-day journey to Sri Lanka.Authorities have said that - for now - there is no plan to disembark the Dali's crew, who are still working to maintain the ship. It is unlikely they will leave the vessel until it is moved - a complicated and potentially long process, the BBC reportsThe crew are all in good health, including the one member with the minor injury, which required stitches. The crew is well-supplied with food, water and other supplies originally intended for their voyage to Sri Lanka, BBC saidLittle else is known publicly about the crew, their background or their experience.

Among the few people to have been in contact with the Indian crew members is Joshua Messick, the executive director of the Baltimore International Seafarers' Center, a non-profit organisation that works to protect the rights of mariners.

Messick told the BBC that he has exchanged WhatsApp messages with the crew after arranging delivery of a care package that included WiFi hotspots.

He described them as "rattled" and largely keeping quiet about their situation as the investigation unfolds.

"They're not saying much at all to anyone who has been in touch with them," Messick was quoted as saying by the BBC."They didn't have WiFi until Saturday and they didn't really know what the perception of the rest of the world was. They weren't sure if they were being blamed, or demonised. They just didn't know what to expect."Six people were killed in the collapse.

Investigators are working to determine exactly what caused the collision, and it is unclear when the crew will be able to leave the vessel.

Israel airstrike on Gaza kills foreign aid workers, Hamas-run media office says

World At least five employees of the World Central Kitchen (WCK) non-governmental organisation, including foreigners, were killed in an Israeli airstrike on Gaza, the Hamas-run Gaza government media office said late on Monday.Those killed in the incident in central Gaza's Deir al-Balah included citizens of Poland, Australia and Britain, as well as one Palestinian, a spokesperson for the media office said."We are aware of reports that members of the World Central Kitchen team have been killed in an IDF attack while working to support our humanitarian food delivery efforts in Gaza," WCK posted on X. "This is a tragedy. Humanitarian aid workers and civilians should NEVER be a target. EVER."In a statement, the Islamist group Hamas said the attack aimed to "terrorise" workers of international humanitarian agencies and deter them from pursuing their missions.

Commenting on the reports, the Israeli military said it was conducting a thorough review at the highest levels to understand the circumstances of what it called a tragic incident."The IDF makes extensive efforts to enable the safe delivery of humanitarian aid, and has been working closely with WCK in their vital efforts to provide food and humanitarian aid to the people of Gaza," the military statement said.The Australian aid worker killed was identified by a source and widely reported in Australian media as Lalzawmi "Zomi" Frankcom, a 44-year-old from Melbourne who had worked for WCK for five years.Australian Prime Minister Anthony Albanese said in a radio interview with state broadcaster ABC that the country's foreign ministry was "urgently investigating" the reports.

An Australian Department of Foreign Affairs and Trade spokesperson said reports of the death of an Australian aid worker were very distressing."We have been clear on the need for civilian lives to be protected in this conflict. We have been very clear that we expect humanitarian workers in Gaza to have safe and unimpeded access to do their lifesaving work," the spokesperson said.Video obtained by Reuters showed paramedics moving bodies into a hospital and displaying the passports of three of those killed.

Why Pakistan's tryst with terror is boomeranging

World After repeatedly warning the Taliban dispensation in Kabul of consequences for not reining in TTP, which is waging a war against the Pakistan govt and military in Khyber Pakhtunkhwa province – especially in the parts therein that were earlier known as FATA (Federally Administered Tribal Areas) – Pakistan recently launched targeted strikes on alleged hideouts of a TTP splinter group in the Paktika and Khost provinces of Afghanistan.While Pakistan claimed the air strikes were in retaliation to a cross-border terrorist attack, Kabul accused Pakistan of violating Afghanistan's sovereignty and fired in response at Pakistan troops along the border. The Pakistan air strikes were not unprecedented and tension had been building up between Kabul and Islamabad for more than a year over the activities of TTP, which wants strict implementation of the Sharia law in Pakistan.However, this latest and perhaps most ominous flare-up seems to have thrown into disarray Pakistan's pursuit of strategic depth in Afghanistan since the return of the Taliban to Kabul in Aug 2021.Cut from same cloth

The fall of Kabul in 2021 was seen as nothing short of a victory for the ISI, which had continued to support the Taliban while ostensibly also backing the US war on terror. However, Pakistan probably failed to allow for the blowback that could ensue from the Taliban's complex relationship with TTP.

The Pakistani Taliban was formed in 2007 to fight the Pakistan military but it remains an ideological cousin of the Afghan Taliban – it pursues similar objectives like overthrowing the govt and imposing its interpretation of the Sharia law. Its leaders have also spoken about establishing an Islamic Caliphate in Pakistan.Earlier this year, a UN report said the Taliban remain "generally sympathetic" to TTP's aims and, barring a few cosmetic measures like the offer to relocate TTP members away from the border, have cared little about Pakistan's repeated calls to prevent cross-border terrorist attacks. Apart from allowing TTP sanctuaries in Afghanistan, some Taliban members reportedly even joined TTP in attacking Pakistan as a "religious obligation".There are other reasons too for the Taliban being soft on TTP, whose contribution in the fight against the US-led coalition forces has not been forgotten by the regime in Kabul.

Benjamin Netanyahu vows to shut down 'terror channel' Al Jazeera in Israel

Jerusalem. Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu on Monday vowed to shut down Al Jazeera's operations in the country, calling it a "terror channel" that spreads incitement, after parliament passed a law clearing the way for the closure.Netanyahu's pledge escalated Israel's long-running feud against Al Jazeera but also threatened to heighten tensions with Qatar, which owns the channel, at a time when the Doha government is playing a key role in mediation efforts to halt the war in Gaza.Israel has long had a rocky relationship with Al Jazeera, accusing it of unfair bias against Israel.Relations took a major downturn nearly two years ago when Al Jazeera correspondent Shireen Abu Akleh was killed during an Israeli military raid in the occupied West Bank.The Palestinian-American journalist was well-known across the Arab world for her critical coverage of Israel, and the channel accused Israel of intentionally killing her.Israel denied the charge, saying she was likely killed by Israeli fire in what appeared to be an accidental shooting.Those relations further deteriorated following the outbreak of Israel's war against Hamas on October 7, 2023, when the militant group carried out a cross-border attack in southern Israel that killed 1,200 people and took 250 others hostage.In December 2023, an Israeli strike killed an Al Jazeera cameraman as he reported on the war in southern Gaza. The channel's bureau chief in Gaza, Wael Dahdouh, was injured in the same attack.The network also blamed Israel for killing Dahdouh's son in a strike in January. Hamza Dahdouh was working for Al Jazeera when the strike hit a car he was travelling, it reported.The army later said that Hamza Dahdouh was a member of Islamic Jihad, a militant group that joined the October 7, 2023 attack with Hamas.

Wael Dahdouh's wife, daughter and another son were killed along with his grandson in another Israeli strike last October.The channel broadcast images of Dahdouh entering the hospital and giving way to grief as he peered over the body of his dead son. Israel has not said who the target of that strike was.Al Jazeera is one

of the few international media outlets to remain in Gaza throughout the war, broadcasting bloody scenes of airstrikes and overcrowded hospitals and accusing Israel of massacres.Israel accuses Al Jazeera of collaborating with Hamas."Al Jazeera harmed Israel's security, actively participated in the Oct. 7 massacre, and incited against Israeli soldiers. It is time to remove the bullhorn of Hamas from our country," Netanyahu said on X, formerly Twitter.He said he planned on acting immediately under the authority of the newly passed law. "The terror channel Al Jazeera will no longer broadcast from Israel," he said.Al Jazeera has been closed or blocked by other Middle Eastern governments, including Saudi Arabia, Jordan, the United Arab Emirates and Bahrain.Egypt has banned Al Jazeera since 2013. It launched the crackdown after the 2013 military overthrow of an elected but divisive government dominated by the Muslim Brotherhood group.Egypt considers the Brotherhood a terrorist group and accuses both Qatar and Al Jazeera of supporting it.In Washington, State Department spokesman Matthew Miller said the US does not always agree with Al Jazeera's coverage, but respects its work."We support the independent free press anywhere in the world," he said. "And much of what we know about what has happened in Gaza is because of reporters who are there doing their jobs, including reporters from Al Jazeera."Israel has in the past threatened to shutter Al Jazeera but never did so. Monday's law did not immediately close the station but it authorises officials to do so after consultation and approval from legal and security officials.

Florida court clears way for Republican-backed law to ban abortion

Tallahassee. The Florida Supreme Court on Monday cleared the way for a Republican-backed law banning abortion after six weeks of pregnancy to take effect. But it approved an initiative to let voters decide whether to amend the US state's constitution to establish a right to an abortion.In a pair of rulings, the state's top court upheld an existing law that banned abortion after 15 weeks, and by doing so, cleared the way for a six-week ban to take effect.However, the court also dismissed an effort by the state's Republican attorney general to prevent an initiative from appearing on the November ballot, giving voters the chance to decide whether there should be a right to an abortion."We decline to encroach on the prerogative to amend their constitution that the people have reserved to themselves," the court said in one of the rulings.Abortion is illegal after 15 weeks in Florida under a law signed by Governor Ron DeSantis in 2022, two months before the US Supreme Court overturned its landmark 1973 Roe v. Wade ruling that had legalised the procedure nationwide.DeSantis in April 2023 signed an even stricter ban passed by

the Republican-controlled state legislature starting at six weeks of pregnancy. That measure included "trigger" language that enacted the near-total ban one month after the state Supreme Court affirmed the earlier 15-month ban.At six weeks, many women do not yet know they are pregnant.

A group of Florida abortion providers, including affiliates of Planned Parenthood, had filed a lawsuit in 2022 challenging the 15-week ban, saying the measure violates the state's constitution.Laura Goodhue, executive director of the Florida Alliance of Planned Parenthood Affiliates, said in a statement her organisation had seen the negative impact of abortion bans on patients in Florida."Today's decision paves the way for Florida voters to stop these ridiculous abortion bans once and for all," she said.

ON THE NOVEMBER 5 BALLOT

Abortion access is now almost non-existent in Southern US states, with most having imposed sweeping Republican-backed restrictions.

That could change on November 5, when the Florida voters will decide on the abortion ballot initiative alongside the presidential election between Democrat Joe Biden and his Republican challenger, former President Donald Trump.

Iran says Israeli strike on consulate in Syria killed 2 top military commanders

Damascus,UPDATED Iranian officials said the Israeli airstrike that demolished Iran's consulate in Syria on Monday killed two top military commanders and five officers. The strike appeared to signify an escalation of Israel's targeting of military officials from Iran, which supports militant groups fighting Israel in Gaza, and along its border with Lebanon.Since the war in Gaza began nearly six months ago, clashes have increased between Israel and Iran-backed Hezbollah militants based in Lebanon. Hamas, which rules Gaza and attacked Israel on October 7, 2023, is also backed by Iran.Israel, which rarely acknowledges strikes against Iranian targets, said it had no comment on the latest attack in Syria, although a military spokesman blamed Iran for a drone attack early Monday against a naval base in southern Israel.Israel has grown increasingly impatient with the daily exchanges of fire with Hezbollah, which have escalated in recent days, and warned of the possibility of a full-fledged war. Iranian-backed Houthi rebels in Yemen have also been launching long-range missiles toward Israel, including on Monday.The airstrike in Syria killed Gen. Mohammad Reza Zahedi, who led the elite Quds Force in Lebanon and Syria until 2016, according to Iran's Revolutionary Guard. It also killed Zahedi's deputy, Gen Mohammad Hadi Hajriahimi, and five other officers.

A member of Hezbollah, Hussein Youssef, also was killed in the attack, an official with the militant group told The Associated Press news agency.The official spoke on condition of anonymity in line with group's rules. Hezbollah has not publicly announced the death.Hezbollah offered condolences to Iran for Zahedi's death and called Israel "foolish when it believes that liquidating the leaders can stop the roaring tide of the people's resistance".It added in its statement that the killing "will not pass without the enemy receiving punishment and revenge".The Syrian Observatory for Human Rights, which is based in Britain, said two Syrians were also killed.Two police officers who guarded the consulate were among those wounded, and first responders were still searching for bodies under the rubble.While Iran's consular building was levelled in the attack, according to Syria's state news agency, its main embassy building remained intact. Still, the Iranian ambassador's residence was inside the consular building.Iran's ambassador, Hossein Akbari, vowed revenge for the strike "at the same magnitude and harshness".Hamas and Islamic Jihad, another Palestinian militant group backed by Iran, accused Israel of seeking to widen the conflict in Gaza.Experts said there was no doubt that Iran would retaliate.The strike in Syria was a "major escalation," Charles Lister, a Syria expert at the Middle East Institute in Washington, said on the social media platform X.

Donald Trump posts $175 million bond in New York civil fraud case

New York . Donald Trump posted a $175 million bond on Monday in his New York civil fraud case, halting collection of the more than $454 million he owes and preventing the state from seizing his assets to satisfy the debt while he appeals, according to a court filing.

A New York appellate court has given the former president 10 days to put up the money after a panel of judges agreed last month to slash the amount needed to stop the clock on enforcement.The bond Trump is posting with the court now is essentially a placeholder, meant to guarantee payment if the judgment is upheld. If that happens, the presumptive Republican presidential nominee will have to pay the state the whole sum, which grows with daily interest.If Trump wins, he won't have to pay the state anything and will get back the money he has put up now.

"As promised, President Trump has posted a bond. He looks forward to vindicating his rights on appeal and overturning this unjust verdict," said one of Trump's lawyers, Alina Habba.

Until the appeals court intervened to lower the required bond, New York Attorney General Letitia James had been poised to initiate efforts to collect the judgment, possibly by seizing some of Trump's marquee properties. James, a Democrat, brought the lawsuit on the state's behalf. Her office

declined to comment Monday.

The court ruled after Trump's lawyers complained it was "a practical impossibility" to get an underwriter to sign off on a bond for the $454 million, plus interest, that he owes.

The company that underwrote the bond is Knight Specialty Insurance, which is part of the Knight Insurance Group. The chairman of that company, billionaire Don Hankey, told The Associated Press that both cash and bonds were used as collateral for Trump's appellate bond.

"This is what we do at Knight Insurance, and we're happy to do this for anyone who needs a bond," said Hankey, who is best known in the business world for making high-risk, high-interest loans to car buyers with flawed credit histories. Hankey told the AP he has never met or spoken with Trump.Trump is fighting to overturn a judge's Feb. 16 finding that he lied about his wealth as he fostered the real estate empire that launched him to stardom and the presidency.

The trial focused on how Trump's assets were valued on financial statements that went to bankers and insurers to get loans and deals.Trump denies any wrongdoing, saying the statements actually lowballed his fortune, came with disclaimers and weren't taken at face value by the institutions that lent to or insured him.

Indian-Americans in US Congress flag rise in temple attacks, seek briefing

The Indian-American members of the US Congress have cited an 'alarming increase' in incidents of vandalism at Hindu temples.

UPDATED. Five Indian-American members of the US Congress have sought a briefing from the US Department of Justice amid concerns over an "alarming" increase in incidents of vandalism at temples across the country. The Congress members have sought a briefing on the status of investigations concerning these crimes and the coordination between local agencies, the Federal Bureau of Investigation (FBI), and the Civil Rights Division.The Congress members have cited that some of the temples were defaced with pro-Khalistan and anti-India graffiti."Attacks at mandirs (temples) from New York to California have contributed to increased collective anxiety among Hindu Americans," the Congress members said in a joint letter.The letter was sent by Pramila Jayapal, Ro Khanna, Raja Krishnamoorthi, Shri Thanedar and Amy Bera to the Department of Justice.

"Leaders from these impacted communities have expressed there are unfortunately 'no leads' on suspects, leaving many to continue to live in fear and intimidation. Our communities remain concerned about law enforcement coordination regarding these bias-motivated crimes, and they are left wondering if there is appropriate federal oversight to ensure equal protection under the law," the Indian-American leaders said in the letter.The Congress members further highlighted that the number of incidents and the "closeness of the timing of incidents" raised "troubling questions about linkages and the intent behind them".In January, a temple in California's Hayward was defaced with pro-Khalistan graffiti. A few weeks before the incident, another temple in Newark was found with similar graffiti."It takes relatively few coordinated acts of hate to create fear within a community that has often been marginalised or neglected, and we must work collaboratively to combat hate against all religious, ethnic, racial, and cultural minorities in America," the letter further said.

NEWS BOX

Had chills when Pant came out to bat: Hope

CHENNAI: When Rishabh Pant walked in at the fall of David Warner's wicket in the first game against Punjab Kings, Shai Hope, the other batter in the middle, experienced 'chills'."I was there when he walked out to bat and it gave me chills to see how the crowd reacted," he tells this daily. "It was an away game for us but to see that... it's great to see that he has recovered from that incident. Hopefully he can go from strength to strength and show the world what Pant has to offer."Hope, who made his Indian Premier League (IPL) debut in that game, takes this daily inside the franchise dressing room on the morning of Pant's return to competitive cricket. "It was great, anytime you have a guy like him in the set-up, the mood is lifted thanks to his positive energy and the kind of character he is. I'm really happy to see him out there; it means a lot to cricket and Capitals."Even otherwise, the 30-year-old was compelled to talk about the atmosphere. "It could have been better if we had won the game," he says. "But it was a really good experience (with the debut). Feeling the atmosphere, it's completely different to seeing it on TV. It was nice to get out and see what it's like."He was also fairly intimate with what the team management has told Hope this year. "Be yourself, there's a reason

why you are here. Be who you are as a batter or as a bowler." In the first game, he was sandwiched between two ultra aggressive openers (David Warner and Mitchell Marsh) and Pant. Does that mean his role is that of an anchor? "You have to assess the conditions," he said. "How you play depends on the situation of the game. Those guys are quality batters and to have them at the top, any bowler seeing them at the crease would give us an edge. It's good to have such qualities. Hopefully the experience translates to solid runs and solid wins for the team."Speaking about team, when the conversation veered towards West Indies, Hope called the upcoming T20 World Cup at home a 'great occasion'. "It's a really big occasion for all of us, we have been playing well. I think we have won three of the last four series. All the players have been really putting the work. Hopefully, we can take in the momentum of the last few months into the World Cup and become the first team to win at home, that will be something (while Hope refused to divulge the plans the board has for the selected plaSyers, don't be surprised if they fly back for a small camp before the tournament begins).

13 years of India's World Cup 2011 triumph: The wait for next title goes on

UPDATED. It has been 13 years since MS Dhoni's iconic six to hand India their second ODI World Cup title in 2011. India beat Sri Lanka in the final of the World Cup to lift the prestigious trophy in front of a packed Wankhede Stadium in Mumbai on Saturday 2nd April 2011. The final between India and Sri Lanka saw heroic performances with both bat and ball, with the likes of Dhoni, Gautam Gambhir and Zaheer Khan writing their names in Indian cricket folklore. From Gambhir's gritty 97 in a mud-stained shirt to Dhoni's cool finish, the final at the Wankhede fondly lives in the memory of millions of Indian cricketing fans.In the lead-up to the final, both teams demonstrated impressive performances during the tournament. Sri Lanka secured a second-place finish in Group A, winning four out of six matches and suffering a single defeat against Pakistan. Meanwhile, India emerged second in Group B, following victories in four of their six encounters, losses against South Africa, and a thrilling tied match against England. Despite finishing level on points with South Africa, India claimed the runner-up position due to their superior net run rate.Following the group-stage, India prevailed in two high-pressure knockout matches. First, they restricted the defending champions, Australia, to 260 runs and successfully chased the target, ensuring a 29-run victory. Then they confronted archrivals Pakistan in the semi-finals, with both Prime Ministers present at the match. After posting a competitive total of 260 runs, India defended it successfully, emerging victorious by 29 runs.

THE FINAL AT WANKHEDE

The 2011 final marked the first time ever that two Asian teams had faced each other in an ODI World Cup final. Batting first, Sri Lanka posted 274 for 6 on the scoreboard on the back of a brilliant century from Mahela Jayawardene. He was ably backed up by the stylish Kumar Sangakkara, who hit 48 runs off 67 balls before Nuwan Kulusekara provided the Lankans with a final floruish, smahsing a 30-ball 32. Yuvraj and Zaheer claimed two wickets each with the left-arm pacer providing India with a dream start in the powerplay.In the second innings, India were dealt an early blow with the dismissal of Virender Sehwag off the very second delivery. The legendary Sachin Tendulkar became the next to fall as India were left reeling at 31 for 2. Virat Kohli and Gambhir stitched a crucial 83-run stand to settle

India's innings before Dhoni joined Gambhir in the middle and the took India's score past the 200-run mark. Their partnership saw both batters hitting fifties before Gambhir's dismissal for 97.

Yuvraj Singh, who had been India's top-performer throughout the tournament, saw off the chase with Dhoni hitting the winning six, while remaining unbeaten on 91.

This memorable triumph brought the coveted trophy back to India, marking their second ODI World Cup title, with Dhoni receiving the Player of the Match award for his crucial contributions with the bat.

THE WAIT GOES ON

It's been 13 years since India's glorious victory in Mumbai and the powerhouse of cricket has not been able to get their hands on another World Cup title since then. India has come close on several occasions, topping the group-table in all the ODI World Cups that have followed.In 2015, India topped Group B only to be knocked out by eventual-champions Australia in the semi-finals. In 2019, India topped the league stage once again, before losing to New Zealand in the semi-final, which lasted for two days due to rain interruptions.However, India's biggest heartbreak came in 2023, when they won all their nine league stage matches and the semi-final in dominant performances all across the board, only to fall in the final hurdle, losing against Australia in Ahmedabad.With the disappointment on the 2023 ODI World Cup behind them, the Indian team will be looking to clinch just their second T20 World Cup title when the tournament kicks-off in the West Indies and USA in June this year.

MI captaincy could be handed back to Rohit Sharma: Manoj Tiwary makes bold call

New Delhi Former India batter Manoj Tiwary has said that Mumbai's captaincy could be handed back to Rohit Sharma. The five-time Indian Premier League champions have succumbed to three back-to-back losses to begin their 2024 season under the leadership of all-rounder Hardik Pandya following his historic trade move from Gujarat. Pandya was traded from Gujarat after a successful stint as their skipper, leading them to the IPL title in 2022 and taking them all the way to the final in 2023. He replaced long-time captain Rohit at the helm in Mumbai but is yet to register his first win as their captain.Speaking to Cricbuzz after Mumbai's loss against Rajasthan, Tiwary said Rohit could be made Mumbai's captain once again following a poor start in the 2024 season. Rajasthan restricted Mumbai to 125 for 9 in the first innings before chasing the under-par target down with 6 wickets and 27 balls remaining. Under Pandya's leadership, Mumbai has suffered defeats against Gujarat and Hyderabad, losing by 6 runs and 31 runs respectively."Mumbai's captaincy

could be handed back to Rohit Sharma. What I understand is that the owners of Mumbai Indians don't hesitate in making decisions. They made the call of taking the captaincy from Rohit and giving it to Hardik Pandya despite Rohit winning five IPL titles for them," said Tiwary.

"Changing the captain is a very big call. They have not picked up a single point this season. And the captaincy is also all over the place, it's not just bad luck and the captaincy has been very good, that's not the case. The captaincy has not been great," Tiwary added."Mumbai's captaincy could be handed back to Rohit Sharma. What I understand is that the owners of Mumbai Indians don't hesitate in making decisions. They made the call of taking the captaincy from Rohit and giving it to Hardik Pandya despite Rohit winning five IPL titles for them," said Tiwary.

"Changing the captain is a very big call. They have not picked up a single point this season. And the captaincy is also all over the place, it's not just bad luck and the captaincy has been very good, that's not the case. The captaincy has not been great," Tiwary added.In fact, former skipper Rohit had to urge the home crowd to stop booing Pandya during MI's defeat against Rajasthan. The Mumbai-based franchise will be looking to bounce back to winning ways when they take on Delhi Capitals on Sunday, April 7.

Riyan Parag's mother hands him Orange Cap after Wankhede heroics vs MI

New Delhi. Riyan Parag's mother was filled with pride after her son bagged the Orange Cap after Rajasthan's match against Mumbai in the Indian Premier League (IPL) 2024 on Monday, April 1 at the iconic Wankhede Stadium in Mumbai. The 22-year-old Parag played a matured knock after the Royals lost 3 early wickets while chasing 126. He stayed not out on 54 runs off 39 balls with 5 fours and 3 sixes as RR tracked down the target with 27 balls to spare.Kwena Maphaka got rid of the dangerous Yashasvi Jaiswal, after which Akash Madhwal got the wickets of Jos Buttler and Sanju Samson. From there on, Parag put his head down and played the knock of substance. He started cautiously and absorbed the pressure before going for his shots when he got his eyes in.

After he returned from playing the knock, Parag's mother was seen giving her son a warm hug. She also handed the cap to Parag, who has scored 181 runs from 3 games at an average of 181 and a strike-rate of 160.17.

'Simplified everything'

After the match, Parag talked about the changes he has made to his game. He said that keeping things simple has helped him imensely.

"Actually, I've simplified everything instead of trying to do a lot of things. Earlier, when I wasn't getting runs, I would try a lot of different things. This year, it's just seeing the ball and hitting the ball. When I play domestically this is the exact kind of situations I go into bat," Parag said.

"When Jos bhai and Ash bhai got out, I thought to myself this is what I do in domestic cricket. So that's what I calculated," he added.

With the win, RR toppled Kolkata to the top of the table with 6 points and a net run rate of +1.249. The Royals and the Knights are the only 2 unbeaten teams in the tournament.

Rohit Sharma urges Wankhede crowd to stop booing Hardik Pandya

New Delhi Rohit Sharma had to intervene finally and stop the Mumbai crowd from booing the home team captain Hardik Pandya as the 5-time champions were handed a crushing defeat by Rajasthan in an IPL 2024 match at the Wankhede Stadium on Monday. While fielding at the deep, Rohit was spotted signalling toward the crowd, asking the fans to calm down and allow a breather to Hardik, who has had rough start to his stint as the captain of the 5-time champions.Rohit Sharma had to intervene finally and stop the Mumbai crowd from booing the home team captain Hardik Pandya as the 5-time champions were handed a crushing defeat by Rajasthan in an IPL 2024 match at the Wankhede Stadium on Monday. While fielding at the deep, Rohit was spotted signalling toward the crowd, asking the fans to calm down and allow a breather to Hardik, who has had rough start to his stint as the captain of the 5-time champions.Rohit Sharma was not as straightforward as Sanjay Manjrekar, but the television cameras spotted the former captain, asking the home crowd to rally behind Hardk Pandya, who has been under tremendous pressure in the new season. Rohit was signalling with his hand while he was fielding along the boundary line even as Rajasthan was making a light work of their 126-run chase.Rohit Sharma requesting the wankhede crowd not to Booo Hardik

Pandya ...!

It was a tough night for Hardik Pandya as Mumbai slipped to one of their most insipid losses at home. Managing just 125 on the board after the likes of Rohit Sharma, Dewald Brevis and Naman Dhir failed to trouble the scorers, Mumbai allowed Rajasthan to breeze to the target in just 15.3 overs. While Hardik Pandya top-scored with a 21-ball 34, he lacked support from the other end as Trent Boult and Yuzvendra Chahal picked 6 wickets between them.With the ball, Akash Madhwal shone with 3 wickets on hs return to the MI side and Jasprit Bumrah kept it tight in the powerplay after getting the new ball, finally. However, the bowling efforts were not enough as a composed Riyan Parag's 54 not out helped Rajasthan chase down 126 in just 15.3 overs.

The crushing defeat saw Mumbai rooted to the bottom of the points table and their Net Run Rate also took a big hit. Mumbai are the only team in IPL 2024 without a win after three rounds of matches.

Mumbai have a 6-day break to regroup and rethink their strategies as they next host Delhi at the Wankhede Stadium on Sunday, April 7.

Oly qualification all but done, lifting weights Mirabai's sole target ahead of Paris Games

CHENNAI . The target was always to make sure she lifted weights without trouble and it seems to have been achieved. Mirabai Chanu, the Tokyo Olympic silver medallist, might have finished third in Group B by lifting weights way below her best at the IWF World Cup in Phuket, Thailand on Monday but it certainly was the best thing coach Vijay Sharma has experienced in the past six months. For the record, Mirabai's best lift in snatch was 81kg and 103kg was her top lift in the second attempt in the clean and jerk section in the event. Her personal best is 88kg and 119kg in the snatch and C&J sections respectively.

Second in the Olympic Qualification Ranking (OQR) only behind Chinese lifter Jiang Huihua in 49kg as of March 4, 2024, the Manipur lifted has all but qualified for the 2024 Paris Games. Qualification, however, was never an issue but fitness was. Mirabai hasn't lifted weight in an international event since she had to be stretchered off the platform after falling on her back at the Asian Games six months ago.Before and after the Hangzhou Games, Mirabai took part in international tournaments — World Championships in Riyadh (September 2023) and IWF Grand Prix II in Doha (December 2023). But the aim then was to just mark her attendance as participation in these Olympic Qualifying events was mandatory to qualify for the Olympics. She then had to miss the Asian Championships in February this year as she had headed to the USA for a month-long rehabilitation programme in St Louis under Dr Aaron Horschig."More than happy with her show," an elated Sharma told this daily.

"Our entire focus leading up to this event was solely on her (Mirabai's) rehabilitation. Seeing her perform comfortably today, given she is returning after six months of injury and rehabilitation, makes me proud of all the hard work we have done. Today, she was comfortable and confident in her lifts. Now that we're almost through, our focus is firmly set on the Paris Olympics 2024. It's time to channel all our energy into preparing for the main event in Paris," added the coach.

As per the criteria, a lifted has to compulsorily compete in five events including the 2024 World Cup and Mirabai did that on Monday. The official announcement of the qualification will be made on April 28.Mirabai and the team had earlier given 194kg as the entry total and then brought it down by 10kg for the Phuket event. The former world champion lifted 75kg and 79kg before lifting 81kg in her three snatch attempts. In the C&J section, she first attained the 98kg mark before lifting 103kg. She attempted for 106kg in her third and final attempt but couldn't.

IPL 2024, RCB vs LSG: Fiery rivalry to be reignited as KL Rahul returns to Bengaluru

- Bengaluru to take on Lucknow at M Chinnaswamy Stadium
- Bengaluru, Lucknow were involved in fierce battles last season
- Bengaluru will be looking to get back to winning waysA

NEW DELHI. In what promises to be yet another fiery clash in the Indian Premier League, Bengaluru are all set to lock horns with Lucknow at the M Chinnaswamy Stadium. The two sides will reignite their rivalry following hotly-contested encounters last season. The home side will be looking to bounce back to winning ways having succumbed to a humbling 7-wicket loss against Kolkata, while Lucknow will aim to keep their winning run going after beating Punjab by 21 runs.The match will also see Lucknow captain return to his home town and his former team. Rahul played for Bengaluru for two years. He scored just 20 runs in five matches in his maiden IPL season in 2013 before returning to the Bengaluru-based franchise in 2016, when he scored 397 runs in 14 matches at an average of 44.11. The wicket-keeping batter has been the skipper of Lucknow since the team's formation in 2022 and will be looking to make an impact against his former side on Tuesday.In fact, Rahul has a phenomenal record against RCB, having scored 628 runs from 15 matches at a strike rate of 144.03. He averages 69.77 against RCB, which is the best amongst batters with over 400 runs, while hitting a century and four fifties against

them. His record at the M Chinnaswamy Stadium is also good, having scored 362 runs in these games at an average of 36.20.

Facing Rahul will be superstar batter Virat Kohli, who has made an impressive start in IPL 2024. The former RCB captain is the joint-highest scorer in the competition, having smashed 181 runs at ana verage of 90.50 in IPL 2024, and is level with Rajasthan's Riyan Parag in run-getters list.Meanwhile, Mayank Yadav, a young pacer from Delhi, has taken over the spotlight by becoming the fastest bowler in IPL 2024. The 21-year-old clocked at 155.80 kmph against Punjab Kings to register the fastest delivery of this season. All eyes will be on the young speedster as he looks to impress following a three-wicket haul on his debut against Punjab.

HEAD-TO-HEAD

The two teams have faced each other just four times in the IPL, with RCB coming out on top on three occasions and LSG winning once.With RCB winning their first three encounters between the two sides, LSG registered their first win over the Bengaluru-based franchise with a nail-biting 1-wicket win last season, which also became a back-drop for a heated clash between Kohli and then LSG team mentor Gautam Gambhir.

TEAM NEWS

The biggest worry for LSG going into this game will be the fitness of Rahul, who played as an Impact Substitute in their recent win over Punjab Kings.

Ketika Sharma's

Red Dress Is Perfect For Your Date Night With BAE

Actress Ketika Sharma is one of the most popular names on social media. Known for her unmatched fashion style, the actress frequently keeps sharing her glamorous looks on her official social media handles. Ketika recently shared a new photoshoot, looking drop-dead gorgeous in a red outfit.With every new photoshoot, Ketika Sharma proves to be one of the leading fashionistas on social media. The Romantic actress took to her official Instagram handle, to share a new series of photos, exuding charm and beauty. In the images shared, Ketika is enjoying some time alone in a swing, at a scenic location in Goa, amidst the green nature. She has donned a simple, blood-red short dress, with thin straps and paired with white sneakers. Opting for a total makeup-free look, the actress chose to keep her hair open, giving it a slightly wild look. The actress has captioned the post with just a heartdrop and a butterfly emoticon.

Netizens show their love in the replies. A user wrote, "Mind-blowing eyes queen." Another user wrote, "Oh My bae you are looking very stunning." A third user shared, "Wow you are looking very very beautiful in a red dress."

Ketika Sharma entered the film industry with the film Romantic, which was released in 2021. The Telugu film was directed by Anil Paduri and written by Puri Jagannadh. It starred Akash Puri, Ketika Sharma and Ramya Krishna in notable roles. Puri Jagannadh and Charmme Kaur produced the film, under the banner of Puri Connects.The actress was last seen in the film Bro, theatrically released in 2023. Directed by Samuthirakani, the film starred Sai Dharam Tej and Pawan Kalyan in pivotal roles, along with Ketika Sharma, Rohini, Priya Prakash Varrier and many more. It is produced by People Media Factory and Zee Studios.

Sara Ali Khan

Keeps It Comfy In White Crop Top And Blue Shorts As She Gets Spotted Outside Gym

Sara Ali Khan is a fitness lover and never misses it. Today, she turned heads yet again as Sara was spotted outside her gym in a stylish yet comfortable outfit. She opted for a laid-back look, wearing a white crop top paired with blue shorts. The video has gone viral on social media and fans are also reacting to it.In the video, shared by Viral Bhayani, we can see Sara holding a water bottle coming out of the gym. She is sweating and is seen walking towards her car. Fans have surrounded her and she is still trying to walk. Sara even greeted them. Many fans dropped heart emojis in the comment section. Sara's choice of attire perfectly complemented her vibrant persona.

Recently, Sara was spotted distributing meals among the underprivileged ones in Mumbai, Sara requested the paparazzi not to photograph her. She was seen stepping out of her car with a bag of food and began distributing it to those people sitting at the corner of the road. Interestingly, this time she was observed requesting paps. The video gained popularity on social media, and her aunt Saba Ali Khan commented on the clip, showing her support. When Sara noticed the cameras, she became agitated and firmly told the photographers not to shoot her. In the viral videos, Sara was seen stating, "Please mat karo (do not record)." Many people in the comments section supported her, expressing that the paparazzi should respect her refusal and not invade her privacy. Even her aunt Saba Ali Khan stated, "I do the same every Saturday without calling paps. Don't film it. Takes away from the cause. She is trying to say the same."On the work front, Sara Ali Khan has experienced a few successes recently. The actress was featured in Murder Mubarak, directed by Homi Adajania. Sara is also being lauded for her performance in Ae Watan Mere Watan. Set in the pre-independence era, the film follows 22-year-old Usha, a college girl in Bombay, who works to help India win independence and establishes an underground radio station that fuels the Quit India Movement.

Allu Arjun, Samantha Ruth Prabhu's Reunion On Cards For Atlee's Film? Here's What We Know

After appearing in the successful film 'Kushi' alongside Vijay Deverakonda, Samantha Ruth Prabhu has not signed any Telugu projects, leaving her fans curious about her next move. The latest speculation suggests that she might star opposite Allu Arjun in an upcoming film directed by Atlee, with discussions currently underway between Sam and Atlee.ccording to the entertainment portal PinkVilla, Atlee is venturing into uncharted territory in the commercial space with Allu Arjun, and the dynamic pair is gearing up to commence filming by October 2024. Both parties have finalized the subject, and Atlee has begun the casting process for the project. Sources close to the production reveal that Atlee is negotiating with Samantha to come on board as the female lead in the film. If true, this project will mark a reunion for Allu Arjun and Samantha post their collaboration in 'Son of Satyamurthy.' Additionally, the duo shared screen space for a song in 'Pushpa: The Rise.'The source told the portal, "Samantha and Atlee have previously worked together in Theri and the duo is now in talks for a reunion on the Allu Arjun film. Both of them shared a great bond back in the day and are excited for this reunion. It's among the most awaited films in present times and will feature some of biggest names of Indian Cinema."

The highly anticipated Allu Arjun and Atlee project is slated to begin production in October 2024, promising to be a high-budget action extravaganza. Alongside Samantha, the script offers opportunities for additional female leads, with casting procedures already in progress. Allu Arjun is set to conclude filming for 'Pushpa 2' shortly, transitioning directly into preparations for Atlee's upcoming venture. Meanwhile, Samantha is preparing for the release of Raj & DK'S 'Honey Bunny' alongside Varun Dhawan.Samantha had previously announced that she was suffering from Myositis and was taking a break to get treatment. Recently, the actress opened up about her decision to not work for a year.She told Femina in an interview, "It was the best decision because there's no way I would have been able to continue working.

Ali Abbas Zafar Opens Up On Salman Khan's Message For Bade Miyan Chote Miyan: 'He Just Added…'

Ali Abbas Zafar is gearing up for his next directorial Bade Miyan Chote Miyan which is releasing on April 10. The film stars Akshay Kumar and Tiger Shroff in the lead roles. Well, recently the makers released the trailer and it was appreciated by everyone. But it was Salman Khan's praise that grabbed everyone's attention. In an exclusive interview with Times of India, Ali Abbas Zafar opened up on the same and said that his message has just added more pressure.Ali Abbas Zafar, who has worked with Salman Khan in Sultan, Tiger Zinda Hai and Bharat, said, "He just added to the pressure !!! (laughs). I like making films for the big screen. BMCM is a big Eid release, so there is pressure of box office numbers. But there is a vision to the script, and the cast, crew and all producers have come together to make it a reality. And now when we see it, we feel we have something very special on our hands. I don't even remember which was the last film you could go and watch with your kids .. it is designed for community viewing. It has been six years since I've not made a film for the big screen, but wth this one, I'm feeling very very happy."alman has reacted to the trailer on his Instagram handle and wrote, "'Bade Miyan Chote Miyan', akki n tiger best of luck for the movie yeh bohut badi hit hogi . Loved the trailer and Ali u need to break tiger n sultan ka record with this one. Umeed hai ke Hindustan ko aap aur aap ko Hindustan Eidi dengein…"

In the same interview, he even praised Akshay and Tiger for their work ethics. Bade Miyan Chote Miyan also stars Sonakshi Sinha, Manushi Chhillar, Alaya F and South superstar Prithviraj in key roles.The trailer of Bade Miyan Chote Miyan began with a glimpse of a terrorist attack on India's military personnel.